अंक–12 (मासिक) वर्ष–12 जून 2017 मूल्य 20/–

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 June, 2017

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

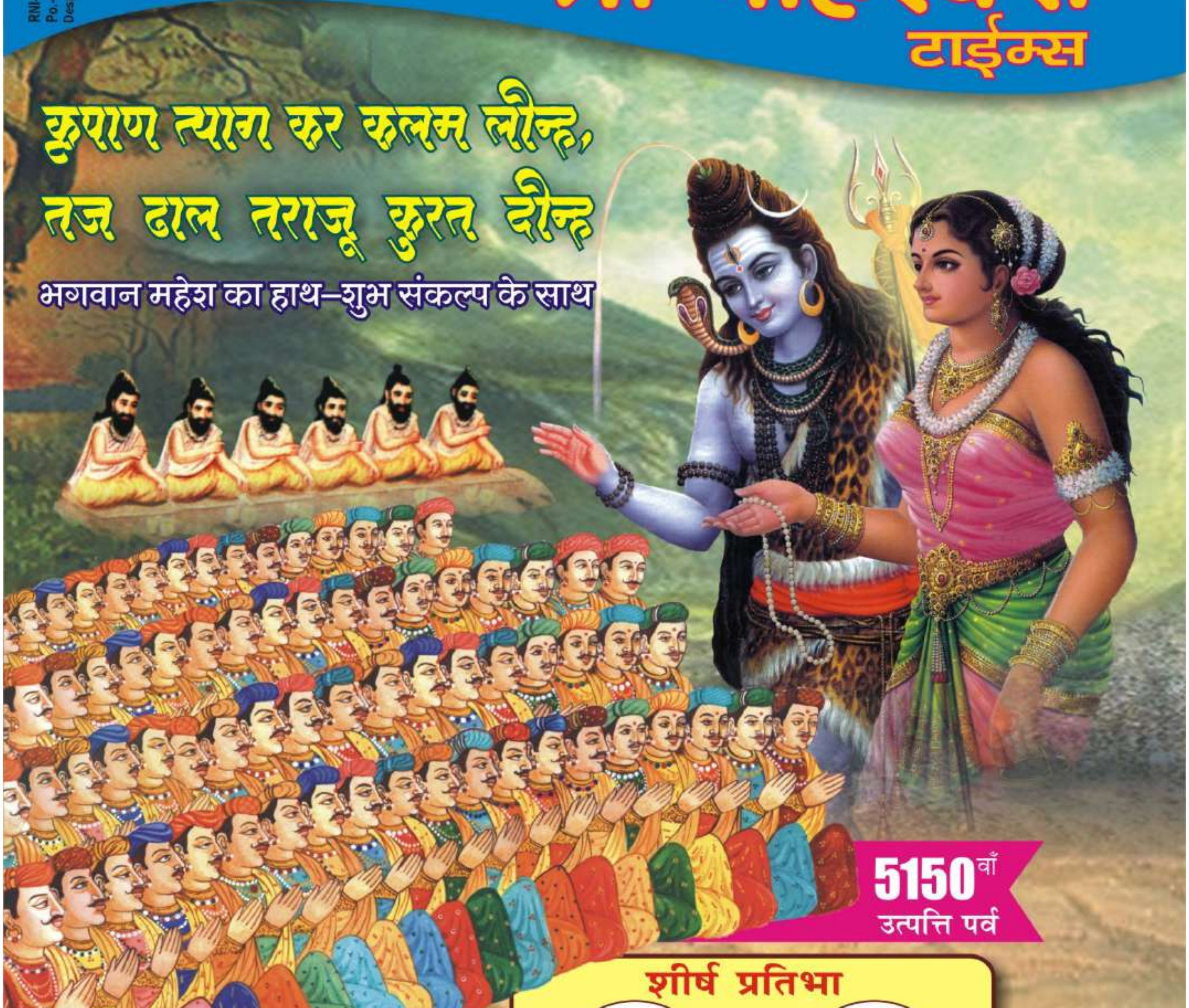

कृपाण त्याग कर कलम लीन्ह, तज ढाल तराजू कुरत दीन्ह

भगवान महेश का हाथ–शुभ संकल्प के साथ

5150वाँ उत्पत्ति पर्व

शीर्ष प्रतिभा

केशव माहेश्वरी
म.प्र. बोर्ड में टॉपर

वृन्दा राठी
JEE में 71वीं रैंक

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक
2017 (द्वितीय) बॉयोडाटा का प्रकाशन प्रारंभ

KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-12 ▸▸ जून, 2017 ▸▸ वर्ष-12

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़
♦
प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती
♦
सम्पादक
पुष्कर बाहेती
♦
संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
♦
अतिथि सम्पादक
ठाकुरदास मालानी, अमरावती
♦
परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)
♦
कला निदेशक
अक्षय आमेरिया
♦
विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)
♦
सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय- 90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), सॉंवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Bank A/c Detail-
Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

श्री माहेश्वरी टाईम्स की विनम्र अपील

समाज के उत्पत्ति दिवस
श्री महेश नवमी
की पूर्व संध्या पर
अपने आवास एवं प्रतिष्ठान पर
एक दीपक
समाज की एकता, अखण्डता
व गरिमा के नाम
अवश्य लगायें

और गर्व करें
हम हैं माहेश्वरी

महेश नवमी के अवसर पर
हार्दिक मंगलकामनाएँ
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

अवश्य लें शुभ संकल्प

श्री माहेश्वरी समाज अपनी उत्पत्ति की 5150 वीं वर्षगांठ "महेश नवमी" पर्व को शुभ संकल्प दिवस के रूप में मनाएगा। शुभ संकल्प यानी हम अपने आचरण में ऐसे विचारों को प्रतिष्ठापित करें जिससे समाज के सभी लोगों का भला हो सके। यह शुभता समाज में प्रसन्नता और सद्भाव की उत्प्रेरक बनेगी। यही वे तत्व हैं जिनसे हम समाज में कहीं पनप रहें हानिकारक विचारों का अनायास शमन कर पाएंगे। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इसकी शुरुआत की है।

मध्यांचल उपसभापति भिलाई निवासी श्री मोहन राठी की सुपौत्री वृंदा राठी ने जेईई में 71 वीं रेंक प्राप्त कर तथा म.प्र. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12 वीं की परीक्षा में उज्जैन निवासी केशव माहेश्वरी ने मैरिट में स्थान प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है। हम समाज की इन प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हैं। केशव ने अत्यंत विषम आर्थिक परिस्थिति में यह सफलता प्राप्त की है और अब यह होनहार बालक प्रशासनिक सेवा के स्वप्न देख रहा है। उसका यह स्वप्न सिर्फ समाज ही साकार कर सकता है। हम समाज के समस्त समर्थजनों व संगठनों से अपील करते हैं कि वे उसे आर्थिक सम्बल प्रदान कर उसकी प्रतिभा को पल्लवित होने का अवसर प्रदान करें। इसके साथ ही समाज के उन सभी विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने सफलता के परचम फराए। देश के सबसे समृद्ध और प्रतिष्ठित समाज के रूप में माहेश्वरीजनों को देश में नवनिर्माण में अपने पूर्वजों की तरह भागीदारी का संकल्प भी लेना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को हम आत्मसात करें और समाज की ओर से कुछ ऐसे संकल्प स्थापित करें जिनसे समाज की पुरानी प्रतिष्ठा और अधिक गौरवशाली स्थान पा सके। अ.भा. माहेश्वरी महासभा इस दिशा में पहल कर सकती है, जिसका प्रभाव समाज के अन्य संगठनों पर भी होगा।

इस अंक में हम सामाजिक न्याय व्यवस्था पर भी समाज को चिंतन के लिए आग्रह कर रहे हैं। सामाजिक विवादों को न्यायालयों में ले जाने पर कतिपय संगठनों ने रोक तो लगा दी लेकिन समाज को इसका कोई विकल्प नहीं दिया। स्वतंत्र न्याय प्रणाली की दरकार समाज कर रहा है। इसके लिए महासभा को स्वतंत्र न्याय पंचायत का गठन करना चाहिए। इसमें समाज के ऐसे वरिष्ठजनों को लिया जाना चाहिए जो महासभा या समाज के अन्य संगठनों में पदाधिकारी न हों। इस न्याय पंचायत के स्वतंत्र अस्तित्व से ही हम समाज को निष्पक्ष न्याय का भरोसा दिला सकते हैं। यहां न्याय की गुहार करने वाले समाजजन के मन में निश्चित ही यह शक-सुबहा न हो कि न्याय पंचायत का फैसला किसी से प्रभावित हो सकता है। यह न्याय पंचायत समाज के हर तरह के विवादों का निपटारा करने में सक्षम हो, तभी समाज के किसी भी व्यक्ति को न्याय के लिए किसी अन्य दरवाजे को खटखटाने की जरूरत महसूस नहीं होगी। यह न्याय पंचायत देश के अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बन सकेगी। इससे हम देश को सामाजिक न्याय प्रणाली का नया उदाहरण (मॉडल) दे सकेंगे। महेश नवमी के इस पावन अवसर पर शुभता के जो भी फैसले हों सकते हैं, ले। समाज को जल संरक्षण और जलस्त्रोतों के विकास का संकल्प भी लेना चाहिए। समाज के विकास का संकल्प भी लेना चाहिए। समाज में जल बचाओ और स्वच्छता के लिए संकल्पित प्रयास यदि हों तो यह शेष समाजों के लिए भी प्रेरणापुंज होगा।

यह अंक आपके हाथ में हैं। महेश नवमी पर ज्ञानवर्द्धक आलेखों के साथ अन्य पठनीय सामग्री आपको जरूर पसंद आएगी। इस अंक के बारे में अपनी बेबाक राय से हमें हमेशा की तरह लौटती डाक से ही अवगत कराएं। श्री महेश नवमी की आप सभी को शुभकामनाएं!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अमरावती निवासी 58 वर्षीय श्री ठाकुरदास सुखदेवजी मालानी की पहचान समाज के एक निःस्वार्थ समाजसेवी तथा प्रखर चिंतक के रूप में है। एम.ए. (राजनीति विज्ञान) तक शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद आजीविका के रूप में श्री मालानी ने कृषि का ही चयन किया और उसे आधुनिक स्वरूप दिया। राजनीतिक रूप से आप कांग्रेस की विचारधारा से सम्बंधित रहे हैं। वर्ष 1980 में महाराष्ट्र युवक कांग्रेस में जनरल सेक्रेटरी के रूप में प्रवेश किया और फिर सक्रिय रूप से सेवा देते रहे। समाजसेवा के क्षेत्र में आप कई शिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध रहे और साथ ही गरीबों के लिये कारंजा तहसील में निःशुल्क नेत्र शिविरों का भी आयोजन किया। इसका अभी तक 10 हजार से अधिक लोगों ने लाभ लिया है। आप वाशिम अर्बन कोऑपरेटिव बैंक अमरावती के अध्यक्ष रहे हैं तथा विदर्भ विकास व जनप्रसारक संस्था के अध्यक्ष हैं। इस संस्था ने मेलाघाट आदिवासी क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान किया है। आपका सपना घुमक्कड़ जाति "पारदी" के लिये हाउसिंग सोसायटी की स्थापना करना भी है।

सबसे ज्यादा जरूरी है अपनी पहचान बचाना

माहेश्वरी समाज क्या था और क्या है? आज हमें यह किसी को बताने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि समाज और समाज के समर्थजनों के योगदान स्वतः इसे व्यक्त कर देते हैं। इसी का उदाहरण है, बिड़ला घराने व अंबानी घराने की प्रतिष्ठा का अंतर। वर्तमान में अंबानी परिवार आर्थिक सम्पन्नता में तो शिखर पर पहुँच गया, लेकिन सम्मान में आज भी बिड़ला परिवार के निकट तक पहुँच नहीं पाया। यह अंतर इसलिये है कि बिड़ला परिवार ने न सिर्फ पैसा कमाया बल्कि आमजन के हित के लिये भी मुक्त हस्त से पैसा खर्च किया। कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल तथा स्वयंसेवी संस्थाएँ हैं जो बिड़ला परिवार द्वारा संचालित होकर बिना किसी वर्ग भेद के सेवा दे रही हैं। यही स्थिति लगभग पूरे समाज की है। राजस्थान की रेतीली धरा से निकाला यह समाज आजीविका के लिये देश के कोने-कोने में फैल गया। अपने व्यापार कौशल व अपनी ईमानदारी से समाजजनों ने न सिर्फ व्यावसायिक सफलता हासिल की बल्कि अपने मधुर व्यवहार व सेवा भावना से लोगों का दिल भी जीता। शायद ही कोई प्रमुख शहर या तीर्थ स्थल हो, जहाँ माहेश्वरी समाज की धर्मशाला, प्याऊ, कुआं या बावड़ी निर्मित न हुई हो। ये सेवा प्रकल्प सिर्फ समाज तक ही कभी सीमित नहीं रहे बल्कि हर व्यक्ति को इनसे लाभ मिला। कुल सार रूप में देखा जाए तो माहेश्वरी समाज देने वाला समाज रहा है। इसने जितना पैसा कमाया फिर बहुत कुछ लौटाया भी। यही कारण है कि माहेश्वरी समाज अति महत्वपूर्ण समाज की श्रेणी में रहा है।

लेकिन आज हम एक अत्यंत विषम परिस्थित से गुजर रहे हैं। जिस समाज ने सभी की चिंता की चाहे वह देश हो या देशवासी, आज उसी समाज को विलुप्ति के खतरे से गुजरना पड़ रहा है। भारत की 125 करोड़ की जनसंख्या में अपनी स्थिति देखिये। यदि आंकड़े देखे जाएँ तो बीते 15-20 साल में माहेश्वरी समाज की जनसंख्या में तेजी से कमी आई है और यह और अधिक कम होती चली जा रही है। कारण दम्पति की 1 या 2 संतान की सोच होना है। रही सही कसर लगभग 25 प्रतिशत लड़कियों के अंतर्जातीय विवाह से पूरी हो जाती है। अतः यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले 40-50 वर्षों में पारसी समाज की तरह हम भी विलुप्ति के अंतिम कगार पर होंगे। यह माहेश्वरी समाज सिर्फ अतीत की कहानी बनकर रह जाएगा।

मैं महासभा ही नहीं बल्कि समाज के समस्त संगठनों से अपील करता हूँ कि समाज की इस समस्या को गंभीरता से लें। हम समाजहित में कई योजनाएँ बना रहे हैं और उनके क्रियान्वयन के लिये भारी भरकम धनराशि से ट्रस्ट व संस्थाएँ बना रहे हैं, लेकिन सोचें कि यदि समाज ही नहीं रहेगा तो ये योजनाएँ किसके लिये रहेंगी? फिर केवल ट्रस्ट बना देने से समाज की समस्याएँ दूर नहीं होंगी। यह समाज तो स्वाभिमानी समाज है, जो किसी विकट स्थिति में भी किसी के सामने हाथ फैलाना पसंद नहीं करता। अतः इन ट्रस्टों के लक्ष्य की सही पूर्ति करना है, तो जरूरतमंद के आने का इंतजार करने के बजाए मदद के लिये हमें ही जरूरतमंद तक पहुँचना होगा। रही बात अंतर्जातीय विवाह की तो इन्हें जबर्दस्ती रोका नहीं जा सकता। इसके लिये युवा वर्ग को समाज से जोड़कर ऐसे आयोजन करना होंगे जिससे समाज के युवक-युवती एक-दूसरे से परिचित हों।

अंत में मैं सम्पूर्ण समाज व समस्त पाठकों को महेश नवमी की शुभकामनाएँ देते हुए अपील करता हूँ कि समाज के अस्तित्व की रक्षा का संकल्प लें। यह तभी बचेगा जब हम और हमारे संस्कार दोनों रहेंगे।

जय महेश!

ठाकुरदास मालानी
अतिथि सम्पादक

Mo. : 9423912345
E-mail : thakurdasmalani@gmail.com

श्री सेवल्या माताजी

श्री सेवल्या माताजी माहेश्वरी समाज की सोनी व कोठारी आदि खांपों की कुलदेवी हैं। अन्य समाजजन भी माताजी के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं।

श्री सेवल्या माताजी का मंदिर ओसियां जिला जोधपुर (राजस्थान) में स्थित है। जागाजी की बहियों के रिकॉर्ड अनुसार लगभग 500-600 वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज श्री दरकोजी ने औसियां में सेवल्या माताजी के मंदिर का निर्माण करवाया था तथा जागाजी को सीख में ऊँट भेंट किया था। लेकिन तूफान आने के कारण मंदिर का अस्तित्व नहीं रहा। जागाजी के यहाँ से मालूम हुआ कि मंदिर औसियां में है। औसियां में काफी प्रयास किया गया, जब रेती के थोरों पर मंदिर के अवशेष मिले। यह प्रयास आज से 10 वर्ष पूर्व किया गया था। उसके बाद औसियां के बंधुओं ने औसियां में मंदिर बनाने का निर्णय लिया तथा साथ में अखिल भारतीय सोनी भाईपा सम्मेलन बुलाने का निर्णय लिया गया।

सोनी भाईपा सम्मेलन में प्राण-प्रतिष्ठा

6-7 अगस्त 2011 को दो दिनी सोनी भाईपा सम्मेलन औसियां में आयोजित हुआ। इसमें लगभग 2500-3000 बंधु सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में जागाजी अपनी पुरानी बही लेकर उपस्थित हुए तथा खुले मंच से बताया गया कि यह मंदिर औसियां में ही है। औसियां में माँ की असीम कृपा से 27 जनवरी 2013 (पौष सुदी पूर्णिमा) को प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ और मंदिर फिर अपना नवीन स्वरूप लेता चला गया।

प्रतिवर्ष होते हैं विशिष्ट आयोजन

नवरात्रि में मंदिर परिसर में हर साल चैत्र सुदी अष्टमी को हवन करवाया जाता है। हवन में 2 यजमान को बैठाया जाता है तथा सहयोग राशि 15 हजार रुपए दोनों यजमानों से अलग-अलग ली जाती है। बाकी व्यवस्था समिति करती है। नवरात्रि एवं अन्य दिन कोई भी भक्त मां का अभिषेक कर सकता है, जिसके लिये 300 रुपए सहयोग राशि निर्धारित है। इसी प्रकार प्रत्येक वर्ष चैत्र सुदी पूर्णिमा को पाटोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भजन संध्या, कलश एवं हवन अभिषेक आदि होते है। पूरे माहेश्वरी समाज औसियां तथा बाहर से पधारे भक्तों का प्रसादी कार्यक्रम भी होता है। पाटोत्सव कार्यक्रम के हवन में भी दो यजमान को बैठाया जाता है तथा सहयोग राशि दोनों यजमान से अलग-अलग 15000 रुपए ली जाती है।

कैसे पहुंचें

औसियां पहुँचने के लिये जोधपुर से सुबह 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक सरकारी एवं प्राइवेट बसों की सुविधा हर आधे घंटे में उपलब्ध है। दूरी 60 किमी है। औसियां जोधपुर-जैसलमेर रेल मार्ग पर स्थित है। जोधपुर से प्रातः 6.15 तथा 7.15 बजे रेल सुविधा है। औसियां में विश्व प्रसिद्ध मां सच्चियाय का मंदिर भी स्थित है। जिसमें दर्शन हेतु प्रतिदिन हजारों भक्त आते हैं।

▶▶ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

आवास व भोजन व्यवस्था

मंदिर की व्यवस्था हेतु समिति बनी हुई है। इसके अंतर्गत हर 3 साल बाद पदाधिकारियों का चयन (पाटोत्सव पर) किया जाता है। बाहर से आने वाले आगंतुक सोनी व कोठारी परिजनों के निवास एवम भोजन की व्यवस्था के लिए श्री सेवल्या माता परिवार समिति द्वारा सेवल्या कुंज निर्मित है। यहाँ पर परिजनों के लिए सभी व्यवस्था निःशुल्क है। इसके लिए 09829047936 (कैलाश कोठारी भीलवाड़ा), 09772109465 (बालमुकुंद सोनी बागोर) 099882199879 (रामजस सोनी) 094621297788 से संपर्क किया जा सकता है।

महेश नवमी के पावन पर्व पर

हार्दिक शुभकामनाएं

छगनलाल मुंदड़ा

अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

राज्य मंत्री दर्जा, छ.ग. शासन

छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)

प्रथम तल, उद्योग भवन, रिंग रोड क्रमांक–1, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग) 492006
दूरभाष – 0771 - 2583795, मोबाइल – 94252-09191
Email : csidc.cg@nic.in, chhagan_mundra@yahoo.co.in
Websitw : www.csidc.in

With Best Compliments From

R R GROUP
Ramratan Bhutra Enterprise

Textiles • Laminates • Power

Ramratan Bhutra
Chairman

Kamal Ramratan Bhutra
National President
Akhil Bharatvarshiya Maheshwari Yuva Sangathan

A/210, 2nd Floor, India Textile Market, Ring Road,
Surat - 2. (Gujrat) Phone : + 91 261 2326303, 2327929
e-mail : rrbhutra0707@gmail.com

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

शुभकामना संदेश

सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज को समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

माहेश्वरी समाज देश ही नहीं बल्कि विश्व का एक अत्यंत प्रतिभावान समाज है। देश की आजादी ही नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था में समाज ने जो योगदान दिया है, वह किसी से छिपा नहीं है। इस पावन अवसर पर मैं सभी माहेश्वरी समाजजनों से अपील करना चाहूँगा कि वे इस परिवर्तन के दौर में देश व प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में अपना योगदान दें। मैं माहेश्वरी उद्यमियों से कहना चाहूँगा कि यदि मध्यप्रदेश में वे अपने उद्यम लगाना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है। मध्यप्रदेश शासन आपको सहयोग देने के लिये तत्पर है। आपका साथ प्रदेश के विकास एवं नवरोजगार सृजन में सहयोगी बनेगा। पुनः मैं सभी को महेश नवमी की बधाई देता हूँ।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. रमन सिंह
मुख्यमंत्री
Dr. Raman Singh
Chief Minister

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि माहेश्वरी समाज, अपना उत्पत्ति पर्व 'महेश नवमी' के रूप में 3 जून 2017 को मनाने जा रहा है। इस अवसर पर सामाजिक पत्रिका 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

माहेश्वरी समाज ने देश और प्रदेश को उद्योग, व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। आपके समाज ने जनसेवा के अनेक प्रकल्प भी संचालित किए हैं, जिसके कारण अनेक जरूरतमंदों को मदद मिली है और समाज के विभिन्न वर्गों को स्वावलम्बन तथा संबल मिला है।

छत्तीसगढ़ अपने गुणवत्तापूर्ण संसाधनों, आकर्षक नीतियों और सहयोगी प्रशासन के कारण अपार संभावनाओं की धरती है। प्रदेश के विकास में माहेश्वरी समाज का हमेशा सकारात्मक योगदान रहा है। मैं चाहूंगा कि राज्य में विकास के अपार अवसरों का लाभ उठाने के लिए अन्य प्रदेशों से आपके समाज के सदस्य भी छत्तीसगढ़ आएं।

'माहेश्वरी समाज' तथा 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' पत्रिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

(डॉ. रमन सिंह)

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति अभा माहेश्वरी महासभा

संस्कार बचाओ समाज बचाओ

सभी समाजजनों को महेश नवमी महापर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

मैं इस अवसर पर सभी से अपील करता हूँ कि समाज के संस्कारों की रक्षा की शपथ लें। हमारे संस्कार ही हमारी पहचान हैं और हमारी सफलता का राज भी। इसी में हमारी हर समस्या का समाधान भी छिपा है। अतः मैं तो यही कहना चाहूँगा कि समस्याओं के अलग-अलग समाधान तलाशने के बजाए मात्र संस्कार बचा लें तो समस्याएँ स्वतः दूर हो जाएंगी।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति अभा माहेश्वरी महासभा

श्याम जाजू
राष्ट्रीय कार्यालय महामंत्री, भाजपा

राजनीति को भी बनाएँ सेवा

सभी को महेश नवमी की बहुत-बहुत बधाई देते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना करता हूँ।

इस पावन अवसर पर मैं समाजजनों से अपील करता हूँ कि वे देश की राजनीति में भी अपनी सक्रियता बढ़ाएँ। आज राजनीति अपना स्वरूप बदल रही है और इसमें तभी सफलता मिलेगी, जब इसमें सेवा भावी लोग आएँगे। माहेश्वरी समाज तो हमेशा से ही सेवाभावी रहा है और यदि उसकी सक्रियता देश की राजनीति में बढ़ेगी तो परिवर्तन तो निश्चित ही होगा। यह परिवर्तन देश की राजनीति और देश की व्यवस्था से भ्रष्टाचार को बाहर करने के रूप में करना है। उसके लिए वर्तमान सरकार कटिबद्ध है। बस इसके लिए जरूरत सभी के सहयोग व समर्थन की है। यदि समान विचारधारा अर्थात माहेश्वरी समाज का इस बदलते दौर में सरकार को समर्थन मिलता है तो निश्चित तौर पर एक नए युग की शुरुआत होगी। इसमें राजनीति का चेहरा ही उज्ज्वल होगा।

श्याम जाजू
राष्ट्रीय कार्यालय महामंत्री, भाजपा

श्यामसुंदर सोनी, नागपुर
सभापति, अभा माहेश्वरी महासभा

इसे बनाएँ पुनर्समर्पण पर्व

महेश नवमी को दायित्वों और कर्तव्यों के प्रति पुनर्समर्पण का पर्व बनाने का अवसर आ गया है। यह सामाजिक चेतना और जागरण का पर्व हैं यह पर्व सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का पर्व है। मुझे आप सबसे यह समाचार बांटने में प्रसन्नता हो रही है कि गत माह इंदौर कार्यसमिति बैठक में 4 नये ट्रस्ट बनाना स्वीकारा है। चौथा कोष महासभा सहायता कोष होगा जो आपातकालीन सहायता कोष होगा। अर्थ स्पष्ट है कि अब तो साथ चलना है-साथ-साथ बढ़ना है। हमें हमारे साधन सम्पन्न और साधनविहीन भाई-बहनों के बीच की हर कृत्रिम दूरी को पुल बनकर पाटना होगा। एकता किताबी आदर्श नहीं, जीवन पद्धति है। साथ देना और साथ निबाहना दीवारों पर लिखा सुभाषित नहीं, ईश्वरीय आदेश है। महेश नवमी को दिखावे का नहीं, सार्थकता का पर्व बनाएँ। आप भी विश्वास करने लगेंगे कि खुशियाँ बांटने से बढ़ती हैं। पुनः सभी का वंदन, अभिनंदन, नमन!

श्यामसुंदर सोनी, नागपुर
सभापति, अभा माहेश्वरी महासभा

अजय काबरा
संगठन मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

संगठन ही हमारा संरक्षण

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन अवसर पर समाज के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई। भगवान महेश की कृपा आप सभी पर बनी रहे- यही मेरी मंगल कामना है।

सेवा व्यक्ति की, भक्ति समाज की तथा संगठन वह छतरी है जो सबको संरक्षण देती है।

जय महेश!

अजय काबरा
संगठन मंत्री
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अभा माहेश्वरी युवा संगठन

शुभकामना संदेश

समस्त समाज बंधुओं को महेश नवमी की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मै मंगलकामना करता हूँ कि हमारे युवा साथी और बच्चे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान शिक्षा ग्रहण करें और अपना उज्ज्वल भविष्य बनावें, साथ ही बदलते हुए समय में और बढ़ते हुए प्रतिस्पर्धात्मक युग में व्यापार और व्यवसाय में निरंतर प्रगति करें।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता, घटती जनसंख्या, बढ़ते पारिवारिक विघटन, विवाह संबंधित समस्याओं का सामाजिक संगठनों के माध्यम से हम समाधान कर पाएंगे। भगवान महेश से यही कामना करता हूँ कि सभी समाजजन समृद्धशाली बनें, प्रगति करें, समाज उत्तरोत्तर उन्नति करें और राष्ट्रहित में समाज का योगदान बढ़े और राष्ट्रीय स्तर पर समाज की पहचान और अधिक बढ़े। यही शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अभा माहेश्वरी युवा संगठन

प्रो. कल्पना गगडानी
अध्यक्ष
अभा माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी की उपादेयता को सिद्ध करें

माहेश्वरी वंशोत्तपति दिवस महेश नवमी जन्म, निर्माण अपने आप में एक सुखद अहसास है। जन्म की उपादेयता निर्माण को सार्थक कर पूरी होती है। हम माहेश्वरी इस पैमाने में सफल सिद्ध हुए हैं। उन्नति एक अनवरत प्रयास है। निश्चित मुकाम पर पहुंचने से भी अधिक कठिन है, उस मुकाम पर सदैव बने रहना या और आगे बढ़ना। सांस्कृतिक संक्रमण और वैश्वीकरण के इस जटिल सामाजिक, पारिवारिक एंव आर्थिक समन्वयकाल में अपने प्रभुत्व को सुरक्षित एवं विकसित करने हेतु इस पावन सामाजिक पर्व के अवसर पर हम मिलकर चिंतन-मनन करें एवं इससे प्राप्त नवनीत के स्वाद को अगली पीढ़ी को आनंद अवसर की सौगात दें।

महेश नवमी के सुअवसर पर सुनहरे भविष्य की सहस्र शुभकामनाएँ

प्रो. कल्पना गगडानी
अध्यक्ष अभा माहेश्वरी महिला संगठन

- रामकुमार भूतड़ा
प्रदेश कोषाध्यक्ष-राजस्थान प्रदेश भाजपा
पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा

जहां रहें वहीं से करें मानवता की सेवा

समाज के उत्पत्ति पर्व की समस्त समाजजनों को शुभकामनाएं देते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना करता हूं।

इस पावन अवसर पर मैं सभी समाजजनों से समाज की एकता के साथ संस्कारों की रक्षा के लिये संकल्पित होने की अपील करता हूं। याद रखें मानवता की सेवा हमारे संस्कारों में है और ये भगवान महेश द्वारा प्रदत्त ही हमारा विशिष्ट गुण है। अतः आप चाहे व्यवसाय में हों, नौकरी या राजनीति जिस क्षेत्र में भी हो अपने इस संस्कारों से सुसज्जित रहें। अपने कर्त्तव्यों का समुचित व निष्पक्षता के साथ निर्वहन ही सच्ची मानवता की सेवा है। समाज के सबसे निचले वर्ग को भी साथ लेकर चलें। यदि हम ऐसा करने में सफल होते हैं, तभी हमारा पर्व मनाना आनंदमय और उद्देश्यपरक होगा। यह सुखद संयोग है कि वर्तमान में देश की शासन व्यवस्था भी समाज के उन्हीं आदर्शों को स्थापित कर रही है। जो हमारे पूर्वजों के खून और संस्कारों में थे। समाज राजनीतिक क्षेत्र में भी जो योगदान देता रहा है, उसको और बढ़ाएं और समय को देखते हुए सेवा के कार्य करने के अवसर प्राप्त करें ताकि राष्ट्रसेवा में भी हमारा योगदान बना रहे।

- रामकुमार भूतड़ा
प्रदेश कोषाध्यक्ष-राजस्थान प्रदेश भाजपा
पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा

- रामपाल सोनी
पूर्व सभापति-अभा माहेश्वरी महासभा

संस्कारों के साथ करें परिवर्तन

माननीय बंधुओ, बहिनो एवं भावी कर्णधार युवाओ महेश नवमी माहेश्वरी समाज का प्रत्योपन पर्व है। इस पर्व को हमें उसी उत्साह लगन एवं उल्लास से इस पर्व को मनाना चाहिए, जिस प्रकार हम अपना जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ मनाते हैं। मित्रों! विश्व पटल पर जिस तेजी से सभी क्षेत्रों में परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं। उनके प्रभाव से हम अछूते नहीं रह सकते। हमें हमारे पूर्वजों से प्राप्त संस्कारों को आत्मसात रखते हुए वैश्विक परिवर्तनों को भी आत्मसात करना होगा, अन्यथा हम सफलता की दौड़ में इतने पिछड़ जाएंगे कि उसकी क्षति पूर्ति असंभव हो जाएगी। वर्तमान में हम शिक्षा एवं व्यवसाय के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं किंतु आज भी समाज के 17 से 20 प्रतिशत परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम है। आगामी पाँच वर्षों में मध्यम परिवारों के सक्षम बना वार्षिक आय 3 से पाँच लाख रुपयों तक पहुँचाना है। इसी प्रकार इन परिवारों के बालक-बालिकाओं के लिए गुणवत्ता पूर्व शिक्षा में भी सहभागी बनना है। पारिवारिक जीवन में नित नई समस्याएँ एवं मूल्य विपरीत समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। इनका समाधान भाषणों एवं प्रवचनों से होने वाला नहीं है, अपितुः सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करते हुए वैज्ञानिक क्रांति का माध्यम अपनाना होगा। इसके लिये बुद्धिजीवी चिंतकों को आगे आकर सहयोग करना होगा। पुनः आप सभी को इस पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएँ।

- रामपाल सोनी
पूर्व सभापति-अभा माहेश्वरी महासभा

देवकरण गग्गड़
उपसभापति (पश्चिमांचल)
अ. भा. माहेश्वरी महासभा

समस्याओं का करें समाधान

महेश नवमी के ऐतिहासिक पर्व पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! भगवान महेश एवं माँ पार्वती से प्रार्थना है कि वे सभी समाजजनों को सुसंस्कार प्रदान करते हुए आरोग्यवान एवं ऐश्वर्यशाली बनाये रखें।

विगत तीस वर्षों में शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से समाज ने आशानुरूप प्रगति की है, किन्तु आज भी समाज के लगभग 17-18 प्रतिशत परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रूपये से कम है। गाँवों के मेधावी बालक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा से वंचित है और इसी के कारण ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार एवं वैवाहिक समस्याएँ बढ़ती जा रही है। जनगणना में जहाँ सभी जातियों में जनसंख्या वृद्धि बता रही है, वही माहेष्वरी समाज की आबादी 10 वर्ष पूर्व 10 लाख से अधिक बताई जाती थी, आज घट कर 6-7 लाख (अनुमानो के आधार पर) हो गई है । इसी प्रकार बालिकाओं की संख्या बालकों के मुकाबले 15 प्रतिशत संख्या कम होना परिवार और समाज के लिए चिन्ताजनक है। परिवारों का विघटन, सम्बन्ध विच्छेद, तलाक, अन्य जातियों मे हो रहे विवाह आदि ऐसी समस्याएँ है जिनका निदान रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यमों से विचारो में परिवर्तन लाते हुए सुदृढ और एकता पूर्ण समाज के मन से लिये गए सर्वसम्मत निर्णयों से होगा ।

देवकरण गग्गड़
उपसभापति (पश्चिमांचल) अ. भा. माहेश्वरी महासभा

छगनलाल मूंदड़ा
अध्यक्ष सीएसआईडीसी, रायपुर

फहराते रहें अपनी गौरव पताका

सभी स्वजनों को महेश नवमी पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए समाज के सभी वर्ग को स्वस्थ, समृद्ध व संस्कारवान बनाये रखने की भगवान महेश से कामना करता हूँ। वर्तमान दौर में शासन की नीतियाँ बदल रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आर्थिक परिदृश्य बदल रहा है, पर यह हकीकत नहीं है। वास्तव में तो यह सबकुछ उद्योग व्यवसायों व आमजन की सुविधा के लिये है, बस इसे समझने की जरूरत है। यदि इस संबंध में किसी भी भाई को कोई परेशानी हो तो सहयोग के लिए मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही मैं समाज के उद्यमियों को छत्तीसगढ़में उद्योग स्थापना का आमंत्रण भी देता हूँ। यहाँ नवीन उद्योगों के अनुकूल अत्यंत सरल उद्योग नीति बनाई गई है। छत्तीसगढ़में उद्योग स्थापना के लिये प्रदेश शासन से हरसम्भव सहयोग प्राप्त होगा, यह मैं विश्वास दिलाता हूँ।
पुनः सभी को शुभकामनाएँ।

छगनलाल मूंदड़ा
अध्यक्ष सीएसआईडीसी, रायपुर

मोहन राठी
उपाध्यक्ष-मध्यांचल
अभा माहेश्वरी महासभा

गौरव दिवस है महेश नवमी

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त मध्यांचल के माहेश्वरी बंधुओं की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

यह पर्व हमारे लिए गौरव दिवस है, इस दिन साक्षात् देवाधीदेव महादेवजी के आशीर्वाद से हमारा प्रादुर्भाव हुआ, मेरे ख्याल से हमारे सम्पूर्ण समाजबंधुओं द्वारा इस दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। महेश नवमी के पावन पर्व पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी माहेश्वरी बंधु समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करें, ग्रामीण क्षेत्र में बसे हमारे स्वजातीय बंधुओं की समस्याओं को समझकर उन्हें समाज की अग्रिम पंक्ति में लाने का संकल्प लेवें। इसके लिए समाज में फैली ज्वलंत समस्याओं को दूर कर समाज हित के महत्वपूर्ण कार्यों को संकल्पित होकर पूर्ण करना चाहिए।

पुनः महेश नवमी पर्व की बधाई एवं भगवान महेश से प्रार्थना करता हूँ कि सभी समाजबंधुओं को स्वस्थ, खुशहाल, समृद्ध एवं प्रगतिशील बनाये रखें

मोहन राठी
उपाध्यक्ष, अभा माहेश्वरी महासभा, मध्यांचल

सी.ए. शरद गट्टानी
संयुक्त मंत्री (मध्यांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

समाज एवं राष्ट्र निर्माण में बनें सहायक

महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामना!

सहकार्य, समन्वय, सद्भाव, सदाचार एवं सद्विचार ये 5 संस्कार हैं, जो किसी भी जीवन को सार्थक करते हैं। इस पावन पर्व पर भगवान महेश से करबद्ध प्रार्थना है कि हमारे समाज में ये संस्कार फलीभूत हों तथा हम एक मजबूत समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में सहायक बनें।

समाज के समस्त परिवारों में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण हमेशा बना रहे, ऐसी मंगलकामनाओं के साथ।

सी.ए. शरद गट्टानी
संयुक्त मंत्री (मध्यांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

- एड. राजेंद्र ईनाणी
अध्यक्ष-
पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

चिंतन मनन का पर्व है महेश नवमी

महेश नवमी पर्व पर समस्त माहेश्वरीजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं।

महेश नवमी के पावन अवसर पर हमें चिंतन एवं मनन करना है। अनेक गंभीर समस्याएं समाज में है। जिनका समाधान निकालना है। प्रजातंत्र में संख्या बल का सबसे ज्यादा महत्व है। जिससे समाज में नेतृत्व क्षमता के बावजूद राजनीति में स्थान बनाये रखना चुनौती बन गया है। हम सब मिलकर प्रयास करें कि देश की राजनीति में भी माहेश्वरी समाज को उचित स्थान प्राप्त हो।

नीति निर्धारण करने वाली संस्थाओं में माहेश्वरीजन अधिक स्थान बना सकते हैं। माहेश्वरी समाज के प्रतिभाशाली युवक व युवतियों का कोई मुकाबला नहीं है। माहेश्वरी समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में भेजने के सामूहिक रूप से प्रयास होने चाहिए। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महासभा एवं अनेक संगठन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं।महासभा ने सत्र का नारा दिया है कि "साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे अर्थात सभी "माहेश्वरीजन को साथ चलना है-साथ-साथ बढ़ना है।" आइये संकल्प लें इसे अपनी एकता से साकार करेंगे।

- एड. राजेंद्र ईनाणी
अध्यक्ष- पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

- त्रिभुवन काबरा
प्रदेश अध्यक्ष
गुजरात प्रांतीय, माहेश्वरी सभा

गुजरात को बनाएंगे रोल मॉडल

"महेश नवमी" पर्व की समस्त समाजजनों को शुभकामनाऐं देते हुए मैं अपील करता हूं कि समाज के उत्थान के लिये जिन्हें जो जिम्मेदारी मिली है या जिनका जो उत्तरदायित्व है, उसका वे समर्पित भाव से निर्वहन करने का संकल्प लें।

मुझे गुजरात प्रदेश के मतदाताओं ने प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे मैं सभी के साथ व सहयोग से पूर्ण करने का संकल्प लेता हूं। सपना है, समाज हित में ऐसी योजनाएं संचालित करना, जिससे प्रदेश अन्य संगठनों के लिए "रोल माडल" बने। संगठन का प्रमुख लक्ष्य समाज की विधवा महिलाओं तथा दो लाख रुपए से कम आये वाले परिवारों का उत्थान एवं विद्यार्थियों के लिये ऐसी योजना लाना है, जिससे उनकी उच्च शिक्षा में अर्थ की कमी बाधा न बने। वर्ष 2019 में देशभर के समाज के लिये एक अत्यंत वृहद सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन भी करेंगें।

- त्रिभुवन काबरा
प्रदेश अध्यक्ष गुजरात प्रांतीय, माहेश्वरी सभा

युवा संगठन का उद्घोष 'सशक्त युवा–समृद्ध युवा

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के 12वें सत्र की प्रथम कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

कोटा. अभा माहेश्वरी युवा संगठन के 12वें सत्र की प्रथम कार्यसमिति की बैठक पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के संयोजन तथा कोटा जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में माहेश्वरी भवन कोटा में सम्पन्न हुई। इसमें संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों तथा संयोजकों का मनोनयन तो किया ही गया, साथ ही कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने कहा कि युवाओं को सशक्त करके ही समाज को समृद्ध बनाया जा सकता है। उक्त बैठक में कोटा सांसद ओमकृष्ण बिड़ला, प्रवीण सोमानी, दीपक चांडक, संदीप करनानी, अरुण बाहेती, राजेश बिड़ला, मनीष भदादा सहित देश और विदेश से नेपाल सहित 27 प्रदेशों के प्रदेशाध्यक्ष, सचिव कार्यसमिति सदस्य एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय युवा संगठन की बैठक में इस सत्र के सभी प्रमुख कार्यक्रमों, योजनाओं और आगामी बैठकों के आयोजन संबंधी निर्णय सर्वानुमति से हुए। राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम कोलकाता में वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में, राष्ट्रीय खेल महोत्सव जयपुर में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में, राष्ट्रीय युवा महाअधिवेशन दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में एवं राष्ट्रीय बिजनेस कॉन्क्लेव महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में होंगे।

आगामी बैठकों व कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

इस सत्र की आगामी बैठकें रामेश्वरम, जगन्नाथपुरी, बद्रीविशाल और द्वारकाधीश में आयोजित करने के लिए संबंधित प्रदेशों के निमंत्रण को स्वीकार किया गया। एक बैठक भारत से बाहर आयोजित करने का निर्णय हुआ। साथ ही गगटॉक, शिमला, पचमढ़ी, इंदौर, मुंबई, बनारस, हैदराबाद (रामोजी फिल्म सिटी), बेंगलुरु, जोधपुर, अजमेर, नेपाल, आसाम, इचलकरंजी, छत्तीसगढ़ सहित अन्य कई प्रदेशों से राष्ट्रीय बैठक आयोजित करने का निमंत्रण मिला। विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय सेमिनार, कॅरियर काउंसलिंग, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, कॅरियर गाइडेंस, सिविल सर्विसेज के लिए कोचिंग, रोजगार मेले, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, परिचय सम्मेलन आयोजित कराने का निश्चय किया और इस हेतु राष्ट्रीय संगठन द्वारा ट्रेनर्स और संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

जिम्मेदारी के लिये पदाधिकारी मनोनीत

श्री काल्या ने अपनी कार्यकारिणी में विभिन्न पदाधिकारियों व संयोजकों का मनोनयन किया। उपाध्यक्ष (दक्षिणांचल) राहुल बाहेती, संगमनेर, उपाध्यक्ष (पूर्वांचल)-पंकज राठी कोलकाता, उपाध्यक्ष (उत्तरांचल)-अमित सारडा लुधियाना, संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल)-अनंत समदानी चित्तौड़गढ़, संयुक्त मंत्री (पूर्वांचल)-नीरज काकानी जोराहट, बधाई संयोजक- प्रदीप लड्ढा चित्तौड़गढ़ और आईटी हेड-अक्षय सारडा सूरत मनोनीत किये गये।

ये महत्वपूर्ण निर्णय भी हुए

- राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तहत 50000 से 70000 सदस्यों को स्थानीय संगठन से सक्रिय सदस्यों के रूप में जोड़ने का निश्चय किया गया। इसके तहत अब तक 22000 सदस्य जोड़े जाने की जानकारी सदन में प्रस्तुत की गई।
- महेश नवमी महोत्सव 2017 को हर्षोल्लास के साथ मनाने तथा एक समस्या समाधान एवं संगठन से आशाएं और अपेक्षाएं संबंधित फॉर्म देशभर से भरवाकर मंगाए जाने का निश्चय किया गया।
- शिक्षा हेतु एक ट्रस्ट बनाए जाने का निर्णय लिया गया, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को शिक्षा का स्तर सुधारने हेतु सहायता प्रदान की जाएगी।
- ऑनलाइन न्यू बिजनेस आइडिया कांटेस्ट कराने, वेबसाइट को समाजोपयोगी बनाने के लिए मैट्रिमोनियल और जॉब पोर्टल से संबंधित लिंक जोड़ने, विधान संशोधन करने का भी निर्णय लिया गया।
- पर्यावरण दिवस पर संपूर्ण भारतवर्ष में वृहद स्तर पर पौधारोपण कराने का निश्चय किया गया।
- भारतवर्ष के अधिकतर शहरों में महेश सर्कल या महेश स्तंभ के रूप में सर्कलों का नामकरण कराये जाने का प्रयास किया जाएगा।
- राष्ट्रीय संगठन की स्वच्छ छवि को खराब करने के लिए दुष्प्रचार करने वाले साथियों के प्रति सदन द्वारा शत-प्रतिशत सर्वानुमति से अनुशासनात्मक कार्रवाही करने का निर्णय लिया गया।
- उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम पर निर्माणाधीन भवन को जल्द पूरा कर

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

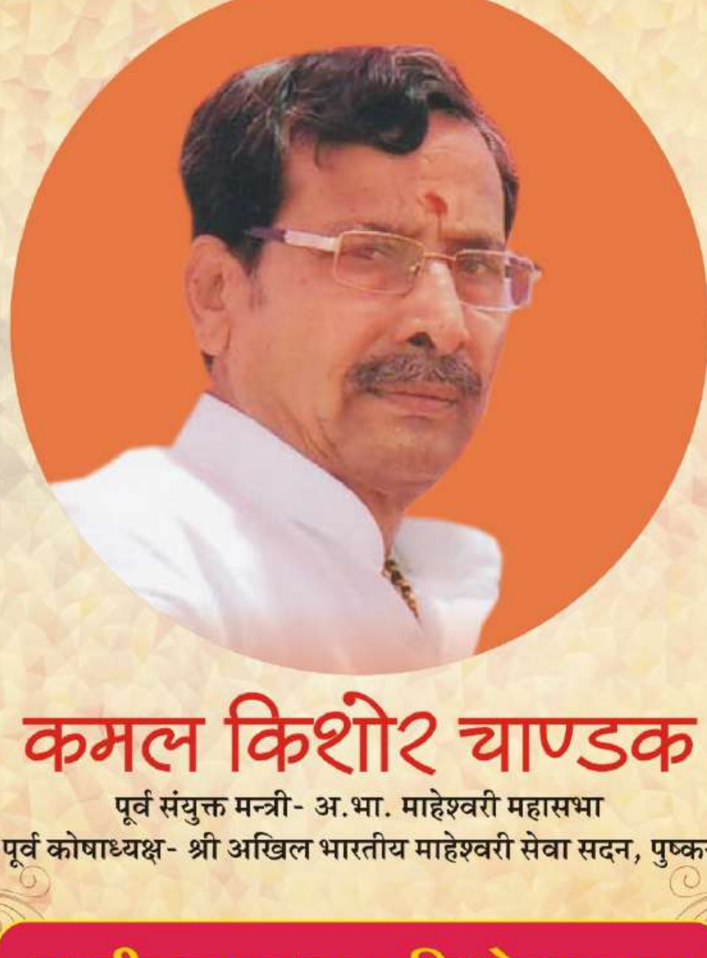

कमल किशोर चाण्डक

पूर्व संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक

ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स

चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

कोठारी के हाथ दक्षिण राजस्थान की बागडोर

निर्विरोध सम्पन्न चुनाव में प्रदेश ने चुना अपना नया नेतृत्व, विरोध के स्वर भी उठे

भीलवाड़ा. महासभा के निर्देशानुसार प्रादेशिक चुनावों की शृंखला में गत दिनों सांगानेर के माहेश्वरी भवन में दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी जगदीशप्रसाद कोगटा के नेतृत्व में निर्विरोध रूप से सम्पन्न इस निर्वाचन में कैलाशचंद्र कोठारी प्रदेशाध्यक्ष चुने गये। श्री कोठारी वर्तमान में भीलवाड़ा जिला माहेश्वनी सभा के अध्यक्ष भी हैं। इस चुनाव के मतदान में भीलवाड़ा के प्रदेश प्रतिनिधियों का ही बहुमत होने से विरोध के स्वर भी उठ खड़े हुए हैं। वैसे चुनाव अधिकारी ने इसे पूर्णतः वैधानिक बताते हुए अपनी स्वीकृति की मोहर लगा दी है।

क्या है मामला?

भीलवाड़ा में तथाकथित रूप से प्रावधानों और संविधान के विपरीत धांधलीपूर्ण अपूर्ण मतदाता सूची तैयार कर (कार्यकारी मंडल) उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़जिला सभा के निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मिलित नहीं होने पर भी यह चुनाव करवाया गया। जिला मंत्री सम्पतलाल मंडोवरा ने उक्त आरोप लगाते हुए बताया कि प्रदेश सभा की इस प्रकार की अनुचित चुनाव प्रक्रिया को देखकर उदयपुर संभाग के राजसमंद, बांसवाड़ा एवं प्रतापगढ़ जिला सभा के प्रतिनिधियों ने भी चुनावों का बहिष्कार कर समाज के व्यापक हित में एकता का परिचय दिया। उन्होंने प्रश्न उठाया कि दक्षिणी राजस्थान के 6 जिलों में से 5 जिलों की प्रदेश के चुनाव में भागीदारी नहीं होने पर भी सर्वमान्य चुनाव कैसे माना जा सकता है? यह विधान की घोर अवहेलना है। उन्होंने पत्र प्रेषित कर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा से इस असंवैधानिक तरीके से सम्पन्न हुए चुनाव को समाज हित में निरस्त करने की मांग की है।

जो किया नियमानुसार ही किया

इस चुनाव को सम्पन्न करवाने वाले चुनाव अधिकारी जगदीश कोगटा का कहना है कि यह चुनाव नियमानुसार व संगठन के निर्देशानुसार ही हुआ है। चित्तौड़गढ़ जिले के चुनाव सम्पन्न नहीं हुए थे और उदयपुर के चुनाव का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। अतः वहाँ से प्रतिनिधि बुलाना तो सम्भव ही नहीं था। बांसवाड़ा तथा डूंगरपुर से प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था लेकिन वे किसी कारण से उपस्थित नहीं हुए। अतः उपस्थित सदस्यों के मतदान से ही चुनाव करवाये गये। महासभा से सम्बद्धता के लिये प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव अनिवार्य था। अतः इसे रोका नहीं जा सकता था।

चारभुजाजी की निकली शोभायात्रा

भीलवाड़ा. गत 28 मार्च को श्री चारभुजानाथ बड़े मंदिर में प्रातः 10.15 बजे से छप्पन भोग की झाँकी के दर्शन हुए। मंदिर ट्रस्ट के मंत्री रामस्वरूप सामरिया ने बताया कि दोपहर 12.15 बजे भगवान की महाआरती हुई व छप्पन भोग लगाया गया। शाम 4.15 बजे भगवान चाँदी के विमान में विराजमान होकर एवं रथ में सवार होकर भक्तों के संग होली खेलने निकले।

आप भले ही करोड़ों की जायदाद के मालिक हो
पर जब तक
शाम को चार दोस्त आपका इंतजार न कर रहे हो
आप गरीब हो।

महिलाओं ने देखा संसद भवन

हापुड़. गत 10 अप्रैल को स्थानीय महिला मंडल की सुरम्य समिति के अंतर्गत एक दिवसीय पर्यटन का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अंतर्गत सदस्यायें संसद भवन देखने गईं। राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों को देखने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम में राँची झारखंड के सांसद महेश पोद्दार व राजेंद्र अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कांता महेश के नेतृत्व में साधना लोया, सीमा तापड़िया, मधु खटौड़, आशा तापड़िया, आशा सोमानी, मंजू, शालिनी, अलका, शशि, रश्मि आदि कई सदस्याएँ शामिल थीं।

सप्त दिवसीय महेश कथा का होगा आयोजन

दिल्ली. माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल नवमी से पूर्णिमा तक सप्त दिवसीय महेश कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन होगा। समाज सदस्यों की सहभागिता से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समाज व राष्ट्र उत्थान संकल्प सप्ताह का आयोजन हो भी रहा है। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष किरण लड्ढा व सचिव श्याम भंगाड़िया ने बताया कि उक्त कार्यक्रम श्री सनातन धर्म मंदिर सी ब्लॉक, मानसरोवर गार्डन पर आयोजित होगा।

MDH

Real Masala You Can Trust

With Best Compliments

- Suresh Rathi
- Sharad Rathi

Mahashian Di Hatti Pvt. Ltd.

Tausar Road, Nagaur - 341 001 (Rajasthan)
Phone : 01582-242040, 242343 Resi : 240454
Mob.: +91-9414118181 Fax : 01582-243343

Unit II : RIICO Industrial Area, Bikaner Road, Nagaur (Raj.)
Tel. : 01582-244532 Fax : 01582-243736
e-mail : nagaur@mdhspices.in

महेश भवन के निर्माण पर चर्चा

परली. शहर माहेश्वरी महासभा की ओर से होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मोहनलाल बियाणी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। नगर निगम के नवनिर्वाचित सदस्य जयप्रकाश लड्ढा व चंदुलाल बियाणी की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर शहर में महेश भवन के निर्माण पर सकारात्मक रूप से चर्चा हुई। चंदुलाल बियाणी, सचिन सारडा व विजय लड्ढा ने भवन निर्माण की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। साथ ही भवन निर्माण समिति का चयन भी हुआ। समिति अध्यक्ष अशोक भाला को बनाया गया। शहर माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष विजय लड्ढा, सचिव चंद्रप्रकाश काबरा, कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश सारडा, उपाध्यक्ष बद्रीनारायण बाहेती, सतीश सारडा, अनिल मोदानी, विजय सोनी, कमलकिशोर सारडा, गोविंदप्रसाद सोमाणी, सुरेश सारडा आदि मौजूद थे।

काल्या बने कांग्रेस प्रदेश महामंत्री

भीलवाड़ा. कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के निर्देशानुसार समाज सदस्य सुमित काल्या को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ में महामंत्री एवं प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने की।

लड्ढा बने प्रदेश महामंत्री

भीलवाड़ा. दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सीपी नामधराणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की सहमति से भीलवाड़ा निवासी जगदीश लड्ढा को प्रदेश संगठन में महामंत्री का दायित्व प्रदान किया है। प्रदेशाध्यक्ष नामधराणी ने बताया कि यह निर्णय कोटा में सम्पन्न अभा भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र की प्रथम कार्यसमिति की बैठक में हुआ।

अलकाश्रीजी की सुंदरकांड प्रस्तुति

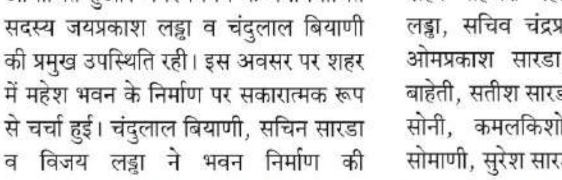

अंबाजोगाई (जिला बीड). हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर विदर्भ मीरा नाम से ख्यात संतश्री अलकाश्रीजी का संगीतमय सुंदरकांड समारोह सम्पन्न हुआ। धर्मशाला के मैदान पर हुए इस भव्य सुंदरकांड का आयोजन राजस्थानी परिवार अंबाजोगाई ने किया। पूर्ण व्यवस्था अंबाजोगाई तहसील युवा माहेश्वरी संगठन ने संभाली। समारोह के मुख्य आयोजन सुभाष बाहेती व बीड जिला युवा माहेश्वरी उपाध्यक्ष सतीश तोषनीवाल ने संत अलकाश्रीजी का स्वागत तथा सम्मान किया। इस समारोह में बीड, लातूर व परभणी जिले के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

'इज्जत और तारीफ, मांगी नही जाती है, कमाई जाती है'

महिला मंडल द्वारा डी फ्रीज भेंट

नपासर. गत 20 मई को स्थानीय नापासर माहेश्वरी महिला मंडल ने परोपकारी कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते हुए एक अच्छा कदम बढ़ाया। समाज के सामाजिक संवाददाता पवन राठी ने बताया कि महिला मंडल अध्यक्ष दुर्गादेवी झँवर के नेतृत्व में आमजन की मांग को ध्यान में रखते हुए डेडबॉडी डी फ्रीज भेंट किया। यह संत सेवाराम गौशाला में रखवाया गया है। इसका उपयोग कोई भी परिवार जरूरत पड़ने पर निःशुल्क कर सकता है। श्रीमती झँवर ने बताया कि पूर्व में इसकी आवश्यकता पड़ने पर यह बीकानेर से मंगवाया जाता था। इस अवसर पर संत सेवाराम गौशाला के अध्यक्ष श्रीराम सोमाणी, गोपाल झँवर, श्यामसुंदर करनाणी, ललित झँवर, मनमोहन करनाणी, मनोज सोमाणी, घनश्याम पेड़ीवाल सहित कई गणमान्य माहेश्वरी बंधु मौजूद थे।

स्वर्गीय वैकुण्ठवासी श्री रामदयालजी हेड़ा परिवार की ओर से
महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

कालूराम रामदयाल हेड़ा
नड़ियाद, गुजरात (गाँव-धमाना, राजस्थान)
M. 94276-10041

PRANAV METAL MART
NON FERROUS METAL MERCHANT, COMMISSION AGENT

5, GOKUL SHOPPING CENTER, KACCHIWAWAD, NADIAD - 387001

SHIVAM METALLOYS
COPPER WIRE ROD MANUFACTURER

SURVEY NO.52 PAKI, NR.SIDDHI VINAKA ESTATE
PIJ ROAD. VILLAGE : TUNDEL. TA : NADIAD. GUJARAT

PROP : SANJAY KUMAR HEDA
M.9712302222

VINAYAK INDUSTRIES
COPPER WIRE ROD MANUFACTURER

BHARAT HEDA
M.9825036895

DEEPAK HEDA
M.9712914651

PLOT NO.4, S NO.145, NR.HARIOM IND.ESTATE
PIJ ROAD. VILLAGE : TUNDEL. TA : NADIAD, DIST : KHEDA. GUJARAT - 387320
Email : vinayak_industries@ymail.com

माहेश्वरी कॉलेज का भूमिपूजन

सिलीगुड़ी. उत्तर बंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा उत्तर बंग माहेश्वरी कॉलेज का भूमिपूजन एवं शिलान्यास सिलीगुड़ी में किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि महासभा के सभापति श्याम सोनी थे। विशेष अतिथि के रूप में उपसभापति रमेश तापड़िया एवं सह मंत्री नंदकिशोर लखोटिया उपस्थित थे। सिलीगुड़ी के सभी समाज के प्रबुद्धजन व समाजबंधुओं के कई गणमान्य समाजबंधु मौजूद थे। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र के घोष वाक्य सशक्त युवा-समृद्ध समाज का उद्घोष महासभा के सभापति श्याम सोनी द्वारा किया गया।

लाठी बने भाजपा प्रवक्ता

बूंदी. अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के विशेष आमंत्रित सदस्य संजय लाठी को उनकी कार्यकुशलता व संगठन क्षमता को देखते हुए भाजपा बूंदी का जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान के प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा ने बताया कि श्री लाठी वर्तमान में श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के अध्यक्ष हैं। इससे पूर्व श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य व बूंदी जिला माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री भी रह चुके हैं। राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के शहर महामंत्री व भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी रहे हैं।

शीतल जल सेवा प्रारंभ

अकोला. भीषण गर्मी में आम लोगों के लिए अकोला शहर के रतनलाल प्लाट में डोडिया निवास के सामने आशीष निरंजन डोडिया द्वारा संचालित निःशुल्क शीतल जल सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर निरंजन डोडिया, पुष्प डोडिया, प्रियंका डोडिया, चंपालाल जाजू, रामेश्वर काबरा, प्रेमरत्न लखोटिया, सागर धवले आदि मौजूद थे।

कमल वाहिनी की नई कार्यकारिणी गठित

उयदपुर. महिलाओं में सामाजिक नेतृत्व विकसित करने के उद्देश्य से गठित कमल वाहिनी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें आशा गेलड़ा अध्यक्ष, रेखा ऊंटवाल सचिव, आजाद उदावत संरक्षक, मधु साल्वी कोषाध्यक्ष, उषा बोल्या, उर्मिला भंडारी व मंजू शर्मा उपाध्यक्ष, अनिता दरक प्रचार प्रसार सचिव और निर्मला तलेसरा सहसचिव चुनी गईं।

विदेश राज्यमंत्री के शिष्ट मंडल में शामिल डॉ. माहेश्वरी

लुधियाना. डॉ. आर.एस. माहेश्वरी डायरेक्टर लाइफ लाइन अस्पताल लुधियाना को भारत सरकार के विदेश राज्यमंत्री के शिष्टमंडल में शामिल किया गया है। यह शिष्टमंडल श्री एम.जे. अकबर विदेश राज्यमंत्री के नेतृत्व में योरोपीय समूह के देश लेतविया की राजधानी रिया में दो दिवसीय व्यापारिक सम्मेलन में भाग लेगा। इस सम्मेलन में दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि व उद्योग विकास के क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने के क्षेत्र में विचार-विमर्श किया जावेगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. माहेश्वरी इससे पूर्व राष्ट्रपति के शिष्ट मंडल में स्वीडन की यात्रा भी कर चुके हैं।

रामलीला का हुआ आयोजन

मानवत. गीता परिवार मानवत द्वारा माऊली मंगल कार्यालय में गत 13 मई को शिवमय् रामलीला का आयोजन किया गया। इससे शिव-पार्वती विवाह उत्सव तथा रामायण के विविध प्रसंगों को रामलीला के माध्यम से दर्शाया गया। इसमें गीता परिवार के प्रमुख डॉ. संजय मालपानी संगमनेर व महामंडलेश्वर मनीष चैतन्य महाराज की प्रमुख उपस्थिति रही। आयोजन में लगभग 150 कलाकारों ने भाग लिया। डॉ. राजकुमार, प्रकाश पोरवाल, विजया बांगड़, लता मंत्री, कौशल्या मंत्री, अरुणा चांडक, सुनीता लड्ढा, सुरेखा सोमाणी, आशा चांडक, पूजा बांगड़ सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

किसी का सरल स्वभाव उसकी कमज़ोरी नहीं होता है। संसार में पानी से सरल कुछ भी नहीं है, किन्तु उसका बहाव बड़ी से बड़ी चट्टानों के भी टुकड़े-टुकड़े कर देता है।

AN EMOTIONAL EXPERIENCE SINCE 1996

A COMPLETE SOLUTION
FOR
PERFECT DESTINATION
WEDDINGS
&
CORPORATE EVENTS...!!

SERVICES :
Venue Selection, Theme Decoration, Hospitality, Travel & Logistic, Artist & Celebrity Management, Varmala Concept, Bride & Groom Entry, Sound & Light, Beauticians, Photography & Videography, Choreography, Fire Works, Vendor Management, Venue Management, Corporate Conference, Dealer & Customer Meet, Award Ceremony, Birthday & Anniversary Party, Mehandi Function, Sangeet Programme... and Many More.

Kanchan Jajoo
Choreographer & Anchor
Cell : 09314732157

The Rajasthan's First "Quality Brand Award" Winner Company.

Suresh Jajoo
Director
Cell : 09982221213

BASK
ENTERTAINMENT CO. PVT. LTD.
An ISO 9001 : 2015 Certified Company

Head Office : 2nd Floor, Above Zaara Fashion, Opp. Gold Plaza, 2nd B' Road, Sardarpura, Jodhpur (Raj.), INDIA
Phone: +91 291 263 1213 Mobile: +91 998 222 1213 • Visit us at: www.baskentertainment.com
Email : baskentertainment@gmail.com • contact@baskentertainment.com

SERVICES AVAILABLE AT ALL OVER INDIA & ABROAD

CreativePoint

महासभा पदाधिकारियों का अभिनंदन

श्रीडूंगरगढ़। गत 21 अप्रैल को श्री डूंगरगढ़स्थित शेसोमूं स्कूल के चेयरमैन जगदीशप्रसाद मूंदड़ा और उनकी धर्मपत्नी ने उत्तरी राजस्थान के भ्रमण पर आए महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी पूर्व उपसभापति राधाकिशन सोमाणी को स्कूल में आमंत्रित कर उनका अभिनंदन किया व स्कूल परिसर में स्थित गोशाला, पाकशाला, पौधशाला, प्रयोगशाला, छात्रावास और शिक्षक कक्षों का भ्रमण कराया। श्री मूंदड़ा अमेरिका में इंजीनियर थे। उन्होंने पुनः अपने पैतृक निवास आकर इस धोरा धरती पर एक खूबसूरत स्कूल का निर्माण किया। यहां आज देश के प्रायः सभी प्रांतों के 800 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं।

मिल्क शेक का शुभारंभ

बैंगलोर. गत 1 मई को सदाशिव नगर स्थित इस्टीम प्लाजा में ''केवेन्टर द ऑरिजन मिल्क शेक'' के नये ब्रांड का उद्घाटन एम.एल.सी. लहरसिंह सिरोया एवं रमणश्री ग्रुप के चेयरमैन एस शादाक्षाहरी व सुरेश लखोटिया पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सौहार्द को ऑपरेटिव लि. के उपाध्यक्ष की उपस्थिति में किया गया। राधेश्याम डागा ने पुष्प गुच्छ तथा इस आउटलेट के सुरेश लखोटिया एवं अनूप डागा ने शॉल से अतिथियों का सम्मान किया। श्री लखोटिया ने बताया कि एक अन्य आउटलेट का भी शुभारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लखोटिया व डागा परिवार का फूड इंड्रस्टी की ओर बढ़ता यह पहला कदम है।

आगे बढ़ने वाला व्यक्ति कभी किसी को बाधा नहीं पहुंचाता और दूसरों को बाधा पहुंचाने वाला व्यक्ति कभी आगे नहीं बढ़ता।

निःशुल्क सिखाई साड़ी ड्रेपिंग

नागपुर. सीताबर्डी स्थित श्री शिवम् में गत 8 से 10 अप्रैल तक प्री वेडिंग लाँच किया गया। इसमें शादी को लेकर कई डिजाइनर्स कलेक्शन का अवलोकन करवाया गया। प्री व्यू में आई महिलाओं को श्री शिवम् द्वारा फ्री साड़ी ड्रॉपिंग की ट्रेनिंग दी गई। इसमें 21 से अधिक साड़ी ड्रेपिंग के प्रकार सिखाए गए। ट्रेनर पूनम राठी व सहयोगी रीना नबीरा ने साड़ी ड्रेपिंग के बारे में संक्षिप्त जानकारी व ट्रेनिंग भी दी।

युवा मंडल का चुनाव सम्पन्न

रायपुर. स्थानीय युवा मंडल की वार्षिक आम सभा एवं चुनाव गत दिनों संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष आशीष राठी, सचिव मनीष मोहता, उपाध्यक्ष हितेश नथ्थानी, सहसचिव संजय हरनारायण मोहता, कोषाध्यक्ष कृष्णा लाखोटिया, प्रसार प्रचार संयोजक अभिषेक राठी, खेलकूद संयोजक संजय राठी एवं दीपक लड्डा, बधाई संयोजक आशीष बागड़ी व सांस्कृतिक संयोजक सुमित बागड़ी चुने गए। कार्यकारिणी व विभिन्न समितियों में भी सदस्यों का निर्वाचन हुआ।

क्षेत्रीय सभा के चुनाव सम्पन्न

विजयनगर. गत 9 अप्रैल को माहेश्वरी सेवा सदन बरल रोड में पर्यवेक्षक ज्वालाप्रसाद काकाणी एवं चुनाव अधिकारी काशीराम जागेटिया के निर्देश में क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा विजयनगर के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें सूरतराम गंदोड़िया अध्यक्ष, काशीराम जागेटिया उपाध्यक्ष, हनुमानदास सोमानी मंत्री, बद्रीनारायण नवाल उपमंत्री, गिरधर आगीवाल कोषाध्यक्ष, धनराज पंडवार संगठन मंत्री चुने गये। बाबूलाल चौखड़ा, रामप्रकाश चितलांग्या, सुनीलकुमार सोमानी, गोपीकिशन आगीवाल, श्यामसुंदर बाल्दी और दामोदर शारदा सदस्य चुने गये।

महिला संगठन ने किया वर्कशॉप का आयोजन

काटोल. तालुका माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा बच्चों के लिये 7 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें मेहंदी, रंगोली, कैलीग्राफी, साड़ी पहनना आदि विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षिका दीप्ति डागा, शीतल कपूरिया, चंचल नबीरा व पायल चांडक थीं। डॉ. संपत दरक ने मासिक धर्म के समय क्या परिवर्तन होता है, इसे समझाया। अध्यक्ष नीलिमा चांडक के नेतृत्व में सचिव सरिता नबीरा, राजश्री भूतड़ा, रेखा भूतड़ा, अलका नबीरा, अरुणा बिसानी, लता टावरी, वंदना नबीरा, ज्योति केला, शिखा भूतड़ा आदि का सहयोग रहा। आभार प्रदर्शन व मंच संचालन कनक नबीरा ने किया।

www.buldanaurban.in
buldanaurban@rediffmail.com
बुलडाणा अर्बन
को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७
ISO-9001 : 2000 एवंम
SA 8000-2002 मानांकित
:(07262) 242705, 243705
संस्था का कार्यक्षेत्र - • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजराथ • अंदमान-निकोबार
▪ संस्था की वर्तमान स्थिती ▪
कुल जमाराशी ५२०० करोड
कुल ऋणराशी ४००० करोड
कुल गोदाम ३००
कुल शाखा ४०१
कुल गोल्ड लोन ११०० करोड
कुल सदस्य ७५१०००
कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)
संस्था की योजनाए
• पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
• उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
• तिरुपती (आंध्रप्रदेश) में भक्तनिवास • माहूर (जि.नांदेड) में भक्तनिवास
• छात्रा के व्यक्तिमत्व विकास मे कामयाब शिबीर का आयोजन
• २ मई से ३० मई तक किया जाता है ।
• बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
• ३१० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
• बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
भविष्यकालीन योजनाएँ
• जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम एवं वेदविद्यालय
• शिर्डी में भक्तनिवास
बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित
सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय
विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१
AQSR
ISO 9001-2000 Registered
www.sahakarvidyamandir.in
(07262) 244707, 245705
वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)
विशेषताए ▪
• बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
• अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से परिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
• पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
• शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
• भारतीय संस्कृतीये आधारित एक परिपूर्ण शिक्षण, जहाँ आपका पाल्य शिक्षा एवंम् नैतिक मुल्यका खुदका विकास कर एक आदर्श नागरीक बने.
• छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २१००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
• मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।
• विनित •
सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा
राधेश्याम चांडक
संस्थापक अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा
डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा
सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!
सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!

सेवा कार्यों से महेश नवमी की शुरुआत

वाराणसी. महेश नवमी के पूर्व त्रिदिवसीय मानव सेवा कार्यों के अंतर्गत माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 22 मई 2017 को काशी सेवा समिति रामकटोरा द्वारा संचालित अनाथालय में निराश्रित बच्चों को आम, लस्सी और दैनिक उपयोग की सामग्रियों का वितरण किया। कृष्णा राजकुमार कोठारी, राजकुमारी चितलंगया, प्रीति झंवर, कृष्णा लड्ढा, अनु माहेश्वरी, संगीता मूंदड़ा, शकुंतला सोमानी, सुषमा चितलंगया, जयश्री धूत का सहयोग प्राप्त हुआ। 23 मई 2017 को दशास्वमेघ घाट के निकट निर्धनों को खिचड़ी बांटी गई। इंदू चांडक, प्रिया करवा, ममता मूंदड़ा, आशा राठी, कविता मारू, मुक्ति मूंदड़ा, सविता जाजू, रेखा सोमानी, सरोज भरानी का सहयोग मिला। 24 मई क्रो सदर थाना कैंट, बहादुर शहीद की मजार के निकट कैंटोनमेंट पर अनाथ बच्चों में भोजन तथा दैनिक उपभोग की विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया। प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष शशि नेवर, अंजू बियानी, वीना कोठारी, सुषमा कोठारी, सुधा डागा का सहयोग मिला।

सखी संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की चयन प्रक्रिया संरक्षक व भूतपूर्व अध्यक्षाओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इसमें अध्यक्ष मीना मूंदड़ा, सचिव अनुराधा अजमेरा व कोषाध्यक्ष सरिता लाहोटी चुनी गई। कार्यसमिति में नीलिमा मालू, नीलम मालपानी, संगीता राठी, सुमन काबरा, रेखा राठी, अर्चना झँवर, अनुमा काबरा, दीपा धूत, रक्षा मणियार, वंदना बिड़ला सदस्य चुनी गईं।

बालाजी महिला मंडल का पुनर्गठन

पुणे. स्थानीय श्री माहेश्वरी बालाजी महिला मंडल, कसबा पेठ की सभा शोभा भट्टड़ की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। ललिता तापड़िया ने बताया कि इस अवसर पर नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें अध्यक्ष शकुंतला नंदकिशोर फोफलिया, उपाध्यक्ष चंद्रकला सुभाष जाजू, सचिव शांता अशोक जाजू, सहसचिव ललिता भंवरलाल राठी, कोषाध्यक्ष नंदा अशोक भट्टड़ व उत्सव प्रमुख शकुंतला रमेश सोनी सर्वसम्मति से चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्य व सलाहकारों का भी चयन हुआ।

श्रीलक्ष्मीनृसिंह मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

उज्जैन. छोटा सराफा स्थित करीब 150 वर्ष पुराने श्रीलक्ष्मी नृसिंह मंदिर के जीर्णोद्धार का भूमिपूजन कार्यक्रम गत 8 मई को आयोजित किया गया। इस अवसर पर रामानुजाचार्य श्री कांताचार्य महाराज (तिरुपति धाम) व युवराज स्वामीश्री माधवप्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा हवन-पूजन करवाया गया। मंदिर के जीर्णोद्धार के अंतर्गत आधुनिक सुविधाओं से युक्त करीब 25 हजार वर्गफीट के चार मंजिला भवन का निर्माण किया जाएगा। इसमें 6 हजार वर्गफीट का प्रवचन हॉल, 30 कमरे व लिफ्ट आदि शामिल रहेंगे। यह सभी कार्य श्री माहेश्वरी समाज के सदस्यों द्वारा दिये जा रहे दान से किया जा रहा है। भूमिपूजन में महेश तोतला, पुष्प माहेश्वरी महासचिव, डॉ. काबरा जिलाध्यक्ष, डॉ. रवींद्र राठी सदस्य अभा माहेश्वरी सभा तथा ऊर्जा मंत्री पारस जैन आदि मौजूद थे। मंदिर जीर्णोद्धार समिति में मुख्य संयोजक महेश लड्ढा को बनाया गया है।

श्रीमद् भागवत के साथ कलश स्थापना

किशनगढ़. अखिल भारतीय माहेश्वरी पोरवाल/परवाल परिवार की ओर से ग्राम अरांई (किशनगढ़) जिला अजमेर स्थित कुलदेवी मातेश्वरी मंदिर प्रांगण में आगामी 18 जून से 24 जून तक श्रीमद्भागवत कथा का पारायण परम श्रद्धेय रामस्नेही संतश्री दिलखुश रामजी महाराज (पुष्कर वाले) के श्री मुख से होगा। मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य भी प्रगति पर है। इसके अंतर्गत 25 जून को मंदिर पर कलश प्रतिष्ठा समारोह, महाआरती व महाप्रसाद का वितरण होगा। सायंकालीन अन्य धार्मिक आयोजन भी होंगे। आगंतुको के आवास-भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

पुणे में ब्रह्मोत्सव सम्पन्न

पुणे. श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर संस्था के कसबा पेठ मंदिर में ब्रह्मोत्सव गत 3 मई को मनाया गया। महाअभिषेक संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर तथा सभासद की ओर से रमेश सोनी तथा श्री निवास काबरा ने सपत्नीक किया। आरती, दर्शन तथा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर मंदिर को फूलों तथा मंडप से सजाया गया। महिला संगठन पुणे की भूतपूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी, महेश गौरव पत्रिका की संपादिका निर्मला सारडा, जिला माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष नरेंद्र चांडक सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे। संस्था के अशोक व रमेश जाजू, धीरज मूंदड़ा, रमेश मूंदड़ा, जगदीश राठी आदि का सहयोग रहा।

पता नहीं क्यों लोग रिश्ते छोड़ देते हैं लेकिन जिद नहीं

With Best Compliment From

Shri Anilkumar Modani & Family

Sharad Modani

Ashu Modani

Bungalow No. 4, Vrindavan Bungalows-2, Opp. Madhuvan Farm, Thaltej Shilaj Road,
Thaltej, Ahmedabad (Guj.) - 380059
Phone : 079-32442623, Mo. 98985 00755

SIMPLICITY IS THE NATURE OF GREAT SOUL

सुर्खियो में रबड़ी क्लब की रबड़ी पार्टी

भीलवाड़ा. समाज में क्लब तो अनेक बने हुए देखे हैं परंतु भीलवाड़ा में एक ऐसा मार्निंग क्लब है, जो रबड़ी क्लब के नाम से जाना जाता है। इस क्लब की खासियत है कि कभी-कभार सुबह का जो ब्रेकफास्ट होता है उसमें रबड़ी खाने का लुत्फ उठाते हैं। इसमें न केवल मार्निंग क्लब वाले ही बल्कि उनके परिचित भी शामिल होते हैं। गत 14 मई को महेश छात्रावास में ऐसी ही रबड़ी पार्टी का विस्तृत रूप में आयोजन हुआ। इसमें लगभग समाज के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों के साथ, सभी खेमों के सदस्य व चिर-परिचितों सहित लगभग 600-700 व्यक्तियों की उपस्थित थी। इस रबड़ी पार्टी के आयोजन से समाजजन कयास भी लगा रहे हैं कि कहीं ये श्री महेश सेवा समिति के चुनाव का तो आगाज नहीं। कोई कयास लगा रहा था कि कहीं ये तीसरे मोर्चे का गठन तो नहीं है।

जेठा बने प्रदेश संयुक्त मंत्री

जबलपुर. म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष विजय राठी (इटारसी) द्वारा जबलपुर जिला सभा के अध्यक्ष श्यामसुंदर जेठा (माहेश्वरी) को प्रदेशा सभा में संयुक्त मंत्री मनोनीत किया गया है। प्रदेश सभा द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मप्र विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा, अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, उपसभापति मोहन राठी, संयुक्त मंत्री शरद गट्टानी, प्रदेश सभा के महामंत्री लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

आर्णी. आर्णी माहेश्वरी मंडल द्वारा स्व. कोमल पनपालिया की स्मृति में गत 19 मई को झाँसी की रानी बहुद्देशीय संस्था के सभागृह में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 60 महिला-पुरुषों ने स्वयं स्फुर्ति से रक्तदान कर समाज का ऋण अदा किया। माहेश्वरी मंडल विगत 10 वर्षों से महेश नवमी पर रक्तदान आयोजित करता आ रहा है। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम राठी व पवन पनपालिया के हाथों हुआ। प्रकल्प अधिकारी पवन पनपालिया, मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत राठी, सचिव प्रदीप राठी, कोषाध्यक्ष विशाल माहेश्वरी, चंपालाल राठी, राजेश माहेश्वरी, मनोज गंगन, कचरूलाल दुगड़, दिलीप बजाज सहित कई गणमान्यजनों का सहयोग रहा।

उपलब्धियों को संजोएगी राजस्थान बुक ऑफ रिकार्ड्स

जोधपुर. वरिष्ठ समाजसेवी कमलकिशोर चाँडक के पौत्र व सक्रिय युवा समाजसेवी विकास चाँडक ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तरह राजस्थान के लोगों की शीर्ष उपलब्धियों को संजोने के लिये ''राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स'' के प्रकाशन का निर्णय लिया है। इसमें पत्रिका ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' मीडिया पार्टनर होगी। संस्थापक श्री चाँडक ने बताया कि इसकी कोर कमेटी में ख्यात लेखक हरिप्रकाश राठी पूर्व एसआई लोहावत, जितेंद्रकुमार-जोधपुर (समाजसेवी), क्रिकेट फेम गजेंद्रसिंह राठौर अजमेर, युवा नेता सुदर्शन उपाध्याय बीकानेर आदि कई गणमान्यजन शामिल हैं। ब्रांड प्रमोटर डोनाल्ट डक के कीर्तिनारायण होंगे। संस्था द्वारा सम्मान रिकॉर्ड व प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जाएंगे।

पुण्य स्मृति में श्रीमद् भागवत कथा

नागौर. ग्राम तोषीणा में स्व. सेठ श्री चुन्नीलालजी एवं माताजी स्व. श्रीमती भगवानदेवी लड्डा की स्मृति में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक किया गया। चुन्नीलाल-श्रीकिशन लड्डा परिवार हैदराबाद द्वारा इस कथा का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया गया।

'लोगों की नज़रों में फर्क
अब भी नहीं है ....
पहले मुड़ कर देखते थे,
अब देख कर मुड़ जाते हैं...!

डॉ. शैली को माहेश्वरी विभूषण सम्मान

उदयपुर. जिला माहेश्वरी सभा ने डॉ. राजेश भराड़िया की आत्मजा डॉ. शैली माहेश्वरी को जामनगर विश्वविद्यालय से वर्ष 2017 में एमडी (मेडिसीन) में सर्वोच्च स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर माहेश्वरी विभूषण सम्मान प्रदान किया। जिला सभा अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण माहेश्वरी ने बताया कि समारोह में डॉ. शैली के पिताजी डॉ. राजेश भराड़िया का भी सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में जिला सभा अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण माहेश्वरी, मंत्री रामस्वरूप सेठिया, कोषाध्यक्ष राकेश मूंदड़ा, नगर सभा अध्यक्ष रामनारायण कोठारी, पुरुषोत्तम मंडोवरा, विजयराज गदिया, बृजगोपाल चांडक, राजेंद्र नुवाल, गोपाल देवपुरा, सीपी माहेश्वरी, भुवनेश माहेश्वरी, लक्ष्मीलाल सोडाणी सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

पुण्य स्मृति में बनवाया प्रवेश द्वार

भीलवाड़ा. कंचन ग्रुप द्वारा अपने पैतृक बनेड़ा ग्राम के लिए कंचन प्रवेश द्वार स्व.श्री ब्रजेश बांगड़ व स्व. श्री सोहनलाल बांगड़ की पुण्य स्मृति में बनाया गया। इसका भव्य लोकार्पण गत 10 मई को विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, सरपंच पराक्रमसिंह, पूर्व सांसद हेमेंद्र सिंह, मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर, सांसद सुभाष बहेड़िया, भीलवाड़ा डेयरी अध्यक्ष रामलाल जाट, कंचन ग्रुप के चेयरमैन लादूलाल बांगड़, कृष्णगोपाल बांगड़, दुर्गेश बांगड़, नीलेश बांगड़, नगर विकास न्याय अध्यक्ष गोपाल खंडेलवाल, संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी, नितिन स्पिनर्स के अध्यक्ष आरएल नौलखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर लादूराम बांगड़ ने क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करने की इच्छा व्यक्त की।

महेश सभा ने शुरू की प्याऊ

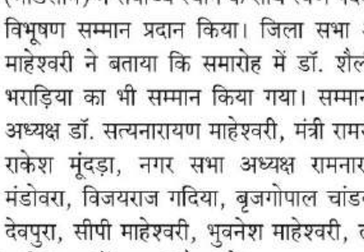

रायपुर. महेश सभा ने द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए शहर के मध्य सुंदरनगर चौक, में प्याऊ का उद्घाटन किया गया। विशेष रूप से किसनगोपाल करवा, राजेंद्र सोमानी, मंजू करवा, अरुणा सोमानी आदि उपस्थित रहे। जानकारी महेश सभा रायपुर के सचिव किसनगोपाल करवा ने दी।

प्याऊ का किया शुभारंभ

नागदा. स्थानीय राठी परिवार द्वारा 50 सालों से प्याऊ का संचालन किया जाता है। इस श्रृंखला में स्व. श्री शिवनारायण सोनीबाई एवम स्व. श्री दामोदरजी, रामचंद्रजी, राधेश्यामजी, मोहनलालजी एवम् अनिल राठी की स्मृति में शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ महात्मा गांधी मार्ग पर किया गया।

निवेशक सेमिनार का हुआ आयोजन

रायपुर. गत 10 मई को अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा फिक्की के संयुक्त तत्वावधान में अहमदाबाद के होटल नोवोटल में गुजरात के निवेशकों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियररिंग सेक्टर में निवेश हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अमर अग्रवाल मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग तथा छगनलाल मूंदड़ा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रिल डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा निवेशकों को संबोधित किया गया। इस आयोजन में लगभग 35 कंपनियों के 100 प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।

वल्लभ जयंती का हुआ आयोजन

गुना. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा वल्लभ जयंती गत 22 अप्रैल को ममता भट्टर के यहाँ आशू राठी की अध्यक्षता में मनाई गई। इसमें भजन गाये गये व प्रसादी वितरण किया गया।

बाहेती जिलाध्यक्ष, काकानी सचिव

रतलाम. जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव सर्वानुमति से हुए। इसमें सतीश बाहेती जिलाध्यक्ष तथा सुरेंद्र काकानी बड़ावदा सचिव चुने गये। पर्यवेक्षक पंकज डागा व चंचल बाहेती थे।

कुछ शिकायतें बनी रहें तो बेहतर है,, चाशनी में डूबे रिश्ते वफ़ादार नहीं होते...!!!

ग्रीष्मकालीन शिविर सम्पन्न

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 27 अप्रैल से 7 मई तक दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में हुआ। शिविर में भाग लेने वाले बच्चों के अभिभावकों को भी समारोह में आमंत्रित किया गया और उन्हें बच्चों द्वारा इस शिविर के दौरान सिखाई गईं कलाकृतियां एक प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाई गईं। शिविर की संयोजिका सरिता सोमाणी एवं सहसंयोजिका सुमन मनियार ने बताया इस शिविर में 5 से 15 वर्ष तक के बच्चे शामिल थे। इस अवसर पर कई अभिभावकों ने शिविर की सार्थकता एवं सफलता पर विचार रखे। मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी मंत्री मृदुबाला दरक एवं सभी पदाधिकारी और मंडल की सदस्याएं मौजूद थीं।

निःशुल्क मेडिक्लेम बीमा योजना का चौथा वर्ष

इंदौर. स्थानीय माहेश्वरी परिवार जिनकी वार्षिक आय (स्वघोषित) दो लाख से कम है, उनके लिये माहेश्वरी समाज इंदौर जिला द्वारा निःशुल्क बैंक ऑफ इंडिया नेशनल स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी (मेडिक्लेम बीमा योजना) महेश नवमी के पावन पर्व पर इस वर्ष भी निरंतर लागू की जा रही है। इस योजना में परिवार के 3 माह से 65 वर्ष उम्र के चार सदस्यों का 50-50 हजार रुपए का बीमा होता है। गत तीन वर्षों से निरंतर चल रही इस योजना का लाभ समाज के अनेक परिवार ले चुके हैं। संयोजक भरत सारडा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि योजना के आवेदन फॉर्म माहेश्वरी भवन सीतला माता बाजार व समस्त क्षेत्रीय संगठनों के अध्यक्ष/मंत्री के पास उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फॉर्म सारडा फाउंडेशन, रतलाम कोठी मेन रोड, इंदौर से भी प्राप्त किये जा सकते हैं। इसमें श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला, समस्त क्षेत्रीय संगठन, सारडा फाउंडेशन तथा श्रीनिवास मालपानी व वीडी राठी सहयोगी हैं।

सोनी को सेवा गौरव पुरस्कार

औरंगाबाद. ख्यात नेत्रदान प्रचारक किशोर सोनी को औरंगाबाद माहेश्वरी मंडल द्वारा "सेवा गौरव" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। माहेश्वरी मंडल के शपथ ग्रहण में ये पुरस्कार मंडल अध्यक्ष शिवप्रसाद तोतला और भूतपूर्व अध्यक्ष अनिल सोनी के हाथों श्री सोनी और उनकी पत्नी कांचन सोनी को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री सोनी अपनी खर्च से गत 18 वर्ष से नेत्रदान के प्रति संस्था व्यंकटेश परिवार के द्वारा सतत जनजागरण कर रहे हैं।

307 यूनिट रक्तदान

दिल्ली. गत 22 अप्रैल को सलेक्ट सिटीवॉक मॉल में दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन साउथ दिल्ली ने 307 यूनिट रक्त इकट्ठा कर ब्लड बैंक को सौंपा कर कीर्तिमान बनाया। सभापति श्याम सोनी अतिथि रूप में उपस्थित थे। वीणा जाजू एवं उनकी पूरी महिला संगठन टीम ने शिविर को सफल बनाने में कसर नहीं छोड़ी। मधु मूंधड़ा, राजश्री मोहता, बेला मूंधड़ा, सुषमा डागा, ममता मोहता, मधु मूंधड़ा, नीता डागा, सुधा डागा, खशबू जाजू, उमा सोनी, संतोष राठी ने अपना योगदान दिया।

युवा सामाजिक गतिविधियों का अंग

पिपरिया. युवा समाजिक गतिविधियों का अंग हैं। हम युवाओं को समाज में जनजागृति लाना है, साथ ही नई-नई योजानाओं का क्रियान्वयन करना है। उक्त विचार माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष उत्तम चांडक ने माहेश्वरी युवा संगठन के नगराध्यक्ष निखिल सर्राफ के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस अवसर पर कार्य समिति सदस्य अतुल जावंधिया ने कहा कि सामाजिक गतिविधियों ने महेश नवमी पर सभी संगठन मिलकर कार्यक्रमों का आयोजन करें। पिपरिया के सचिव अजय घुरका, पूर्व जिलाध्यक्ष जगमोहन बाहेती, युवा संगठन के अखिल भारतीय पूर्व पदाधिकारी राजन गोदानी, सचिव पराग लोया, पूर्व अध्यक्ष राजराठी, गिरिराज चांडक सहित युवा संगठन के पदाधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे।

ऊंचाइयों पर देखकर हैरान है बहुत लोग,
पर किसी ने मेरे पैरों के छाले नहीं देखे.

बिंझानी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित चेन्नई महानगर में आपका आवास

रमा भवन

चेन्नई महानगर देश का एक प्रमुख चिकित्सा केन्द्र है। यहाँ देश के विभिन्न प्रांतों से अनेक वर्गों के बन्धु हृदय, गुर्दे, नेत्र इत्यादि रोगों की चिकित्सा के लिए आते हैं। इन रोगों की चिकित्सा हेतु उन्हें कुछ लम्बी अवधि के लिए भी यहां ठहरना पड़ता है। ठहरने के लिए उचित स्थान की उपलब्धता एक बड़ी समस्या बनकर सामने आती है। यद्यपि यहां अनेक समाजों एवं संस्थाओं की धर्मशालाएं एवं भवन भी हैं लेकिन वे प्रायः सामाजिक कार्यक्रमों के लिए अथवा यात्रियों द्वारा पहले से ही आरक्षित रहते हैं तथा वे केवल 3-4 दिनों के लिए ही उपलब्ध होते हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर 'रमा भवन' का निर्माण किया गया है।

बिंझानी चेरिटेबल ट्रस्ट, चेन्नई द्वारा निर्मित यह भवन चेन्नई सेन्ट्रल रेल्वे स्टेशन से केवल एक किलोमीटर की दूरी पर ही, शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र साहुकारपेट में स्थित है। इस भवन के इस क्षेत्र में स्थित होने का विशेष लाभ भाषा और भोजन की सुविधा है जो आमतौर पर यहां आए उत्तर भारतीय व्यक्तियों की प्रमुख समस्या होती है।

'रमा-भवन' आपके शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ की कामना करते हुए आपकी सेवा-सुश्रुषा के लिए तैयार है।

चेन्नई के हिन्दी भाषी क्षेत्र साहुकारपेट में स्थित 'रमा भवन' में उपलब्ध सुविधाएँ

- 2 कमरों एवं रसोईघर वाले - 4 फ्लैट।
- 2 कमरे (एक वातानुकूलित) एवं रसोईघर वाले - 2 फ्लैट।
- सभी फ्लैट्स के रसोईघरों में गैस एवं आवश्यक बर्तन उपलब्ध।
- 10 व्यक्तियों के ठहरने हेतु एक बड़ा हॉल।
- गरम एवं ठंडे पानी की व्यवस्था।
- टेलीफोन सुविधा उपलब्ध।
- हॉल में टेलीविजन
- केन्द्रीय ऑडियो सिस्टम द्वारा भजन एवं संगीत प्रसारण।

रमा भवन

6, नरसिंहमादासरी लेन, 61, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड के पीछे, (वीरप्पन स्ट्रीट के सामने) चेन्नई-600 079

सम्पर्क कार्यालय

ओरियन्ट चेम्बर्स, 73 आरमिनियम स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001

फोन - 044-5227553, 5227024, फैक्स - 91-44-5231570, ई-मेल - **orient@eth.net**

समाज के कार्पोरेट कार्यालय का लोकार्पण

जयपुर. रामनवमी के पावन अवसर पर श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के पूर्ण सुसज्जित नवीन कार्पोरेट कार्यालय परिसर का लोकार्पण प्रमुख वस्त्र निर्यातक एवं समाजसेवी राजकिशोर मालपाणी के कर कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि उद्योगपति एवं सक्रिय समाजसेवी सत्यनारायण काबरा (अम्बाबाड़ी) व विशेष अतिथि उद्योगपति एवं समाजसेवी दीपक-सुशील बियाणी थे। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने अतिथियों का स्वागत किया। महामंत्री संजय माहेश्वरी ने समाज की गतिविधियों एवं महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहाणी ने ईसीएमएस की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर समन्वयक बिहारीलाल साबू एवं मनीष भूतड़ा, आर्किटेक्ट अभिषेक पंसारी एवं उनकी धर्मपत्नी निशा पंसारी (इंटीरियर डिजाइनर) तथा सहयोग हेतु रामकिशन सोनी व रवि तामड़ी का अभिनंदन किया गया। लगभग 11 हजार वर्गफुट में निर्मित अत्याधुनिक समाज कार्यालय परिसर में समाज एवं ईसीएमएस के प्रशासनिक कार्यालय, महिला परिषद, नवयुवक मंडल एवं माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो कार्यालय, स्वागत कक्ष में लॉबी, बोर्ड मीटिंग रूम, पदाधिकारी कक्ष एवं सुविधा सम्पन्न सभागार सम्मिलित हैं। कार्यक्रम का संचालन रामकिशन सोनी एवं पूनम आगीवाल ने किया।

स्वीमिंग एवं ई–एज्युकेशन क्लास का आयोजन

छिंदवाड़ा. स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा संगीता-राजकुमार राठी की अध्यक्षता में महिलाओं व नवयुवतियों के लिए एक माह की स्वीमिंग क्लासेस का आयोजन किया गया। इसी के साथ ही वृंदा बागड़ी चेन्नई ने ई एजुकेशन क्लास का संचालन किया। क्लास निःशुल्क रखी गई। इसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अल्पना भैया, सुचिता राठी, अरुणा राठी, संगीता राठी, लता चांडक, अर्चना चांडक, ममता मालपानी, नीलू राठी, ब्रजलता राठी, रशमीका राठी, विमला राठी का सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर. श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा उत्सव, विद्याधर नगर तथा तिलक नगर में आयोजित महारक्तदान शिविर में कुल 1302 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। समाज महामंत्री संजय माहेश्वरी ने बताया कि 1550 रक्तदाता रक्तदान हेतु आए। मेडिकल जांच में 248 रक्तदाताओं को चिकित्सकों ने रक्तदान की अनुमति नहीं दी। नवयुवक मंडल अध्यक्ष सीपी धूत, सचिव अजय सारड़ा, संयोजक महेंद्र तापड़िया, ओम जैथलिया के साथ प्रायोजक पिंक लाइन फाइनेंस कंपनी व मोतीलाल रामनिवास चितलांग्या चैरिटेबल ट्रस्ट तथा सभी संयोजकों व समन्वयकों का विशेष योगदान रहा। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने सभी का आभार माना।

दरगड़ परिवार महासभा गठित

वृंदावन. गत दिनों सम्पन्न बैठक में अखिल भारतीय दरगड़ परिवार महासभा का संविधान पारित कर प्रथम सत्र के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्वानुमति से हेमंत दरगड़ मुंबई महामंत्री निशिमोहन दरगड़ आगरा संगठन मंत्री श्रीगोपाल दरगड़ भीलवाड़ा, कोषाध्यक्ष अनूप दरगड़ बांसी, प्रचार मंत्री दुर्गेश दरगड़ कछोला, उपाध्यक्ष विनोद दरगड़ मैनपुरी, नीता दरगड़ दिल्ली, श्यामसुंदर किशनगढ़, राधेश्याम भीलवाड़ा, रामकुमार दरगड़ कोलकाता, संयुक्त मंत्री प्रभातकुमार दरगड़ आगरा, किशनगोपाल दरगड़ किशनगढ़, राजेश दरगड़ भीलवाड़ा, रजनीश दरगड़ जोधपुर, गोपाल दरगड़ कासगंज निर्वाचित हुए। ओमप्रकाश दरगड़ जयपुर एवं चौथमल भीलवाड़ संरक्षक नियुक्त किए गए।

गलतियां हमेशा माफ़ की जा सकती हैं,
यदि आपके पास उन्हे स्वीकार करने का साहस हो !!

भूतड़ा का किया अभिनंदन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के तत्वावधान में राजस्थान प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा का अभिनंदन व सम्मान समारोह किया गया। समारोह प्रबंधक मुकेश काकाणी ने बताया कि जयकिशन बल्दुआ-मंडल अध्यक्ष भाजपा, सुनीलकुमार मूंदड़ा-उपसभापति नगर परिषद ब्यावर, श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा उपाध्यक्ष-विष्णुगोपाल हेड़ा मंचासीन थे। अतिथियों का अभिनंदन व स्वागत साफा व माला पहनाकर अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेड़ा, उपमंत्री सत्यनारायण तापड़िया, संयोजक मुकेश काकाणी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन रमेशचंद्र भराड़िया, राजेंद्र काबरा ने किया। सत्यनारायण तापड़िया, अमरचंद मूंदड़ा, सत्यनारायण असावा, विजय पोरवाल, नरेश झँवर, श्यामसुंदर झँवर आदि मौजूद थे।

राहगीरों को पिलाया शीतल मट्ठा

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति सदर बाजार द्वारा गत 10 मई को बैसाख माह की तपती गर्मी में राहगीरों को शीतल मट्ठा पिलाया गया। इसके अंतर्गत समिति द्वारा 250 किलो दही का मट्ठा बनाकर गोपाल मंदिर सदर बाजार के सामने बांटा गया। इसका 3500 राहगीरों ने लाभ लिया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विजय दम्मानी, कोषाध्यक्ष गोपाल राठी, अजय सारडा, गोपीदास बागड़ी, नंदलाल मोहता, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन उपाध्यक्षा ज्योति राठी आदि का विशेष सहयोग मिला। शशि बागड़ी, नंदा भट्टर, संगीता चांडक, रमा मल्ल, माधुरिका नत्थानी, प्रतिभा नत्थानी, भावना मूदड़ा आदि सदस्याएँ मौजूद थीं।

महिला समिति के चुनाव सम्पन्न

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) रायपुर की 44वीं वार्षिक आमसभा एवं चुनावी बैठक का आयोजन "वृंदावन सभागार" सिविल लाइन में किया गया। इसमें सत्र 2017-18 के लिए महिला समिति की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसके अनुसार अध्यक्ष रेखा हुरकट, सचिव संगीता राठी, उपाध्यक्ष नीलिमा लड्ढा, कोषाध्यक्ष नीमा राठी, सहसचिव सविता कैला चुनी गईं। विभिन्न समिति व कार्यकारिणी सदस्याओं का भी चयन किया गया।

पं. दीनदयाल मंच में माहेश्वरी नारी शक्ति

उदयपुर. पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच के महिला मंच की शहर जिलाध्यक्ष अनिता दरक ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें उपाध्यक्ष किरण अजमेरा, आशा गेलड़ा, प्रचार प्रसार मंत्री चित्रा लड्ढा, कार्यालय मंत्री मंजू मूंदड़ा, मंत्री अनिता सोनी, सुमन सोनी व सुशीला जागेटिया आदि माहेश्वरी समाज से चुनी गईं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के तत्वावधान में स्वामीश्री कृष्णानंद महाराज की प्रेरणा से भारतीय सेवा समाज राजस्थान व डालमिया सेवा ट्रस्ट दिल्ली द्वारा गठिया, मधुमेह, दमा आदि के निःशुल्क जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर संयोजक अरमचंद मूंदड़ा ने बताया कि शिविर माहेश्वरी भवन, श्रद्धानंद बाजार में रखा गया। शुभारंभ श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष विष्णु गोपाल हेड़ा व मंत्री दिलीपकुमार जाजू ने किया। शाम 5 बजे तक चले शिविर में लगभग 125 रोगियों की जाँच की गई। इसमें गठिया, मधुमेह, दमा के रोगी शामिल थे। सत्यनारायण हेड़ा, विष्णु गोपाल हेड़ा, दिलीपकुमार जाजू, सुरेशचंद्र लोहिया, मुकेश काकाणी, गिरधारीलाल नुवाल, रमेश अजमेरा, अरमचंद्र मूंदड़ा, नरेश झँवर, पुरुषोत्तम भूतड़ा, सूर्यप्रकाश झँवर, कपिल मूंदड़ा आदि ने सेवाएँ दीं।

इंसान को हमेशा ये सोचना चाहिए....
गलती आपकी हो या मेरी
रिश्ता तो हमारा है ना...!

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संगरिया. सामाजिक संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना, युवा पीढ़ी को शिक्षा व रोजगार के साधन उपलब्ध करवाना, सामाजिक कुरीतियों को दूर करना है और संगठन इनके लिए प्रतिबद्ध है। उक्त विचार अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी नागपुर ने व्यापार संघ धर्मशाला में हनुमानगढ़ जिला माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सभा हनुमानगढ़ जंक्शन द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में उत्तर राजस्थान सभा के प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी, महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष लता मूंधड़ा, युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम चितलांगिया, माहेश्वरी सभा के श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष राजेंद्र राठी, हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बियाणी, जिला सचिव रतनलाल लाहोटी, संरक्षक रामेश्वरलाल पेड़ीवाल, महिला मंडल जिलाध्यक्ष चंदा चांडक, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नोरंग सोमानी, जंक्शन सभा अध्यक्ष नारायण राठी का स्थानीय इकाई द्वारा स्वागत किया गया। प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी ने अखिल भारतीय संगठन द्वारा जारी योजनाओं में जिले को विधवा पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य योजना के तहत प्राप्त राशि की जानकारी प्रदान की। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बिहाणी ने अतिथियों को हनुमानगढ़ जिले के बारे में बताया। मंच संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील राठी व युवा संगठन के जिला उपाध्यक्ष अजय लखोटिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम को नोहर अध्यक्ष जुगलकिशोर मर्दा, जिला कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश करवा, टाउन सभा के महामंत्री विजय सिकची आदि ने भी संबोधित किया।

उ.प्र. की तर्ज पर पूरे देश में बंद हो बूचड़खाने

भीलवाड़ा। बेजुबानों के अधिकारों के लिए कार्यरत राष्ट्रीय संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अवैध बूचड़खाने बंद करने के फैसले का स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान प्रदेश की मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रदेश व देश में अवैध रूप से बेजुबानों को काटकर मांस बेचने वाले अवैध बूचड़खानों को पूर्णतः बंद करने की अपील भी की। श्री जाजू ने बताया कि प्रमाणित आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो दुनिया में गौ-मांस में भारत का योगदान साढ़े तेईस प्रतिशत है। 24 लाख टन गौ-मांस भारत से बाहर अन्य देशों में निर्यात हो रहा है। देश में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली केंद्र सरकार होने के बावजूद वर्ष 2014-15 में ही भारत गौ-वंश मांस निर्यात में नं.1 बन गया।

शुक्र है कि मौत सबको आती है
वरना अमीर तो इस बात का
भी मजाक उड़ाते
कि गरीब था
इसलिए मर गया...!!

महाराष्ट्र में हुआ 'सुकृत्य' का आयोजन

जलगाँव. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के सप्तम सत्र की शुरुआत कार्यकर्ता प्रशिक्षण तथा कार्यसमिति की बैठक सुकृत्य से हुई। उद्घाटन समारोह में प्रो. कल्पना गगडानी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), ज्योत्सना लाहोटी (प्रदेशाध्यक्ष), लता लाहोटी (पूर्व अध्यक्ष), सतीश चरखा (राष्ट्रीय सहसचिव दक्षिणांचल), शैला कलंत्री (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दक्षिणांचल), पुष्पा तोषनीवाल (राष्ट्रीय प्रभारी सुगंधा), अर्चना लड्ढा व तहसील अध्यक्षा मीना मानधने ने स्वागत उद्बोधन दिया। रमेश लाहोटी द्वारा लिखित पुस्तिका "मेरी बहू मेरी बेटी" का इस अवसर पर विमोचन भी हुआ। एरंडोल तहसील सचिव विद्या ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता शिविर में लता लाहोटी, शैला कलंत्री, कल्पना गगडानी, पुष्पा तोषनीवाल, निर्मला करवा, सूर्यमाला मालानी, भाग्यश्री चांडक आदि ने मार्गदर्शन दिया।

सेवा संस्थान को डीफ्रीज भेंट

भीलवाड़ा। शास्त्री नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में महेश सेवा संस्थान शास्त्री नगर में डी फ्रीज भेंट किया गया। युवा संगठन अध्यक्ष राजेंद्र तोषनीवाल, उद्योगपति लादुराम बांगड, पश्चिमांचल अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, फतहलाल जैथलिया, युवा संगठन के संरक्षक हरिनारायण मोदाणी, कंवरलाल पोरवाल, संजय जागेटिया, सुशील मरोठिया, शिव नुवाल आदि उपस्थित थे। संगठन मंत्री मनोज जागेटिया ने बताया कि अतिथियों को नीम, काली मिर्च, मिश्री देकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई।

श्री निम्बार्क ब्रिजधाम–वृद्धाश्रम, सोलापुर

''वृद्धों की निःशुल्क सेवा यही हमारा ध्येय है!''

भोजन, चाय, रहने की और वैद्यकिय सेवा तथा आश्रम में समस्त सुविधाएँ निःशुल्क है।

अपत्यहीन, निराधार, निराश्रित और पारिवारिक सुख से वंचित दुःखी माता–पिता के लिए इस ब्रिजधाम की स्थापना की गई है। यहाँ पर जो वृद्ध आयेंगे उन्हें बिना मूल्य प्रवेश देकर उनका आजीवन पूरा खर्चा संस्था कर रही है।

सोचिए समझिये माता–पिता दो बात कहें तो सुन लीजिए। मकान हो, बंगला हो, गाड़ी हो अनेक सुख–सुविधाएं हों, उनके पास अपने माता–पिता के आराम के लिए पांच फीट की जगह नहीं होती। जब वो छोटे थे तब माँ तो उनको अनाथाश्रम नहीं छोड़ आयीं? अब आप उनको वृद्धाश्रम में छोड़ने क्यों जाते हैं? माँ–बाप को जीते जी बिस्तर नहीं दिया, भोजन नहीं दिया और जब स्वर्गवास हुआ तो उनके पीछे शैय्या (सज्रा) भरो, पलंग- गद्दे दान में दो, लड्डू खावो खिलावो उसका क्या मतलब है। जाने के बाद याद आते हैं ये बताने का, उनके पीछे धूप दिया जलाने क्या अर्थ है? ब्रिजधाम सोलापुर शहर में एक लाख चौरासी फीट जगह पर वृद्धाश्रम बनाकर सिर्फ सोलापुर में ही नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र में व्यक्तिगत व्यवस्था से एकमेव प्रकल्प बन गया है।

संस्था की विशेषताएं

- शहर के शांत और रम्य वातावरण में इसका निर्माण
- इतिहासकालीन कलाकृति के साथ भ्रमण के लिये
- चालीस हजार स्क्वेयर फीट का भव्य लेण्ड स्क्रेपिंग
- विविध प्रकार की जड़ी बुटियाँ एवं फूल पौधों के साथ
- प्रार्थना हेतु शिवालय, भगवान शिवजी की सात फीट की दिव्य आकर्षक शिवमूर्ति
- विशाल कैलाश पर्वत से बहता झरना
- ध्यान के लिए पुरातनकालीन कुटिर
- फर्श का दस हजार फीट व्यासपीठ, मंद प्रकाश योजना
- कहीं भी बैठकर सुन सकेंगे इस प्रकार की ध्वनि योजना
- चित्रबाग और भित्तिचित्रों से सुसज्जित आंगन
- पुरुष और स्त्री वृद्धों के लिए स्वतंत्र निवास व्यवस्था
- भव्य व आकर्षक वास्तु, अद्यावत रसोईघर तथा भोजन कक्ष
- प्रत्येक वृद्ध के लिए स्वतंत्र रूप से पलंग, गद्दी, तकीया, चद्दर, भोजन के लिए आवश्यक बर्तन, लॉकर की व्यवस्था
- दो बार ताजा गरम भोजन और चाय की व्यवस्था
- स्वतंत्र कार्यालय, स्नानगृह, प्रार्थना मंदिर, अतिथि कक्ष, सुंदर मंदिर और भव्य बगीचा ऊपर की मंजिल पर स्वतंत्र और प्रशस्थ ध्यान मंदिर
- ग्रन्थालय, धार्मिक कार्याक्रम तथा दूरदर्शन का प्रबंध
- वैद्यकीय सुविधा
- ज्ञानवृद्ध, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक मार्गदर्शन शिविर
- वृद्धाश्रम के प्रवेशद्वार तथा सिटी बस की व्यवस्था

ब्रिजमोहन फोफलिया श्री राधासर्वेश्वर कंपनी

443, चाटी गली, सोलापुर, फोन– 0217-2328888, 32329999, 2323333

कार्यकारी मंडल की बैठक सम्पन्न

बरेली. गत 16 मई को जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन हुआ। जिलाध्यक्ष शिवकुमार माहेश्वरी ने लोगों से समाज को और अधिक जागरूक, ऊर्जावान, एकजुट करने के लिए सुझाव मांगें। महामंत्री अजय माहेश्वरी ने सदस्यता अभियान की जानकारी दी। संगठन मंत्री ममलेश माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर महेश नवमी पर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए आर्ट कॉम्पीटिशन व 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सचिव श्री माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का भी सम्मान किया जाएगा। डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी, केके माहेश्वरी, शशांक चांडक, शताक्षी शारदा, विनय माहेश्वरी, कुमार गौरव माहेश्वरी, घनेश्वर राठी, पुष्पेंद्र माहेश्वरी, तरुण माहेश्वरी, सुनीता बियाणी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

शिकार मामले में कार्रवाई की मांग

भीलवाड़ा. वन्य जीवों कें अधिकारों के लिए कार्यरत संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने उत्तरप्रदेश में मेरठ में डीआरआई द्वारा मारे गये छापे में रिटायर्ड कर्नल देवेंद्र सिंह के घर से वन्य जीवों के सींग, खाल व हिरण का मांस मिलने पर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड के चेयरमैन व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रजिस्टर्ड व ई-मेल से पत्र भेजकर कर्नल देवेंद्र कुमार एवं उनके पुत्र प्रशांत विश्नोई के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत कार्रवाई की अपील की है।

चेतना लहर समिति ने करवाया चिंतन

वाराणसी. अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की चेतना लहर समिति संयोजिका बिमलादेवी साबू व यूपी के प्रभारी लोकेंद्र करवा के सम्मिलित प्रयास से बनारस में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में करीब 250 समाजजन उपस्थित रहे। इसके मुख्य विषय दाम्पत्य जीवन के बिखरते हुए रिश्ते, परिवार में संवादहीनता, विवाह-शादी समय पर न होना आदि थे। उपस्थित लोगों ने वार्तालाप द्वारा विचारों व भावनाओं को प्रकट किया। गोवर्धन झँवर, वीरेंद्र भुराड़िया, राम दुजारी, गौरीशंकर नेवर, नंदकिशोर झँवर, प्रदेशाध्यक्ष शशि नेवर आदि ने विचार प्रकट किये।

भजन संध्या का हुआ आयोजन

वाराणसी. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 16 अप्रैल को माहेश्वरी भवन के सभागार में भक्ति के रंग ईश्वर के संग के प्रतिरूप में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भगवान के विभिन्न प्रतिरूपों को सजाया गया। अल्पना सोनी, मधु मल्ल, मुक्ति मूंदड़ा, सरोज भरानी, जयश्री धूत, कृष्णा सोमानी, सुषमा कोठारी, वंदना कोठारी, ममता मूंदड़ा, अलका बाहेती ने भजनमाला के मोतियों को अपने स्वरों के माध्यम से पिरोया। अध्यक्षता पारू झंवर ने की। संचालन इंदू चांडक तथा आभार प्रदर्शन प्रकाश पूनम सोमानी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कृष्णा राजकुमार कोठारी, सीमा लड्ढा, सरिता लाखोटिया और कृष्णा सोमानी ने किया। भजनों की प्रस्तुति के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

सोमानी की पुस्तक विमोचित

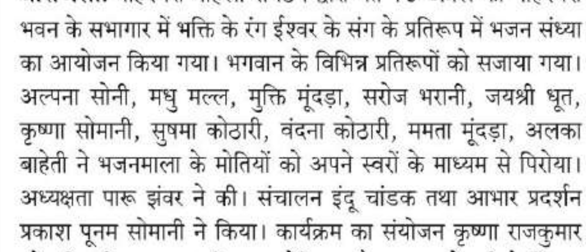

डूंगरगढ़. गत 21 अप्रैल को श्रीडूंगरगढ़ माहेश्वरी सभा के कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने जुगलकिशोर सोमाणी, संयुक्त मंत्री महासभा की चौथी पुस्तक 'जागो संतों अब तो जागो' का विमोचन किया। इस अवसर पर श्रीडूंगरगढ़ माहेश्वरी सभा अध्यक्ष संजय करनानी, भवन अध्यक्ष भंवरलाल राठी, कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश राठी जोरहाट और देवकिशन सोमाणी आदि मौजूद थे।

मरुधरा संस्थान की कार्यकारिणी गठित

भीलवाड़ा. मरुधरा माहेश्वरी संस्थान के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नंदकिशोर झँवर ने सत्र 2017-18 के लिए अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए राकेश काबरा को पुनः सचिव व महेश जाजू को पुनः कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी प्रकार कार्यकारिणी में संरक्षक शांतिप्रकाश झँवर, मुरारीलाल बिहानी, राजेंद्र मूंधड़ा व पुरुषोत्तमदास राठी, उपाध्यक्ष दामोदरलाल सिंगी, मनोज सारडा, महेश हुरकट व राजेंद्र दम्माणी, सहसचिव रामेश्वर बाहेती, दिनेश राठी, संगठन मंत्री नवीन काकानी, सांस्कृतिक मंत्री जगदीश सोनी, खेलकूद मंत्री भेरूदान करवा तथा प्रचार-प्रसार मंत्री मनोज चांडक नियुक्त किये गये। कार्यकारिणी सदस्य भी नियुक्त किये गये।

दोस्ती शब्द का अर्थ
बड़ा ही मस्त होता है ..., (दो-हस्ती)
जब दो हस्ती मिलती हैं ...,
तब दोस्ती होती है ... ...

भक्त निवास का हुआ भूमिपूजन

चित्तौड़गढ़. सोमानी, मर्दा, थीरानी, बागड़ी, गादिया व छापरवाल परिवारों की कुलदेवी बधर माता के पावन धाम कानड़खेड़ा, ताना जिला चित्तौड़गढ़(राजस्थान) में भक्त निवास के लिए भूमिपूजन का कार्यक्रम गत 28 अप्रैल को अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में बधर माता ट्रस्ट चेयरमैन श्यामसुंदर सोमानी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। ट्रस्ट मंत्री नितिनकुमार सोमानी ने बताया कि पहाड़ी पर स्थित बधर माता के मंदिर तक भक्तों को जाने-आने की सुविधा प्रदान करने हेतु रोड बनाने के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम कानड़खेड़ा में आयोजित हुआ। सीमेंट रोड का भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी के भूपालसागर क्षेत्र अध्यक्ष तथा पंचायत उपाध्यक्ष भीमसिंग झाला और ट्रस्ट चेयरमैन श्यामसुंदर सोमानी के हाथों हुआ। भक्त निवास का रामनिवास सोमानी मुंबई व उनकी धर्मपत्नी ने भूमिपूजन किया। रमेश सोमानी बीड़, लवराज गादिया उदयपुर, ट्रस्ट के स्थानीय कार्यालय व्यवस्थापक ओमप्रकाश सोमानी आदि मौजूद थे।

चैरिटी शो आयोजित किया

रायपुर (छग). स्थानीय महिला संगठन द्वारा बाहुबली-2 के चेरिटी शो का आयोजन किया गया। इसमें आपके हिसाब से कटप्पा का रोल किसे करना चाहिए? जैसे प्रश्न तथा "बाहुबली भल्लादेव 5 बार बोलो" जैसे टंग प्रश्न पूछे गए और दर्शकों ने भी बड़े मजेदार जवाब देकर इनाम जीते। सभी ने एक परिवार की तरह साथ बैठकर फिल्म का लुत्फ उठाया। इस मौके पर मंडल की अध्यक्षा रेखा हुरकट, सचिव संगीता राठी, नीलिमा लड्ढा, नीना राठी, सविता केला आदि मौजूद थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा बल्दुआ, निधि सारडा, रमा बागड़ी, सुमन माहेश्वरी, शीतल मूंदड़ा, एकता झँवर सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों का सहयोग रहा।

खुशियों का खजाना का हुआ आयोजन

दिल्ली. पश्चिमी दिल्ली माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सरोज दम्मानी व सचिव संगीता कासट के नेतृत्व में आयोजित राजेश्वरी मोदी के कार्यक्रम "खुशियों का खजाना" ने सकारात्मक ऊर्जा से जीवन की दिशा व दशा बदल दी। व्यास पीठ से उन्होंने नारायण शास्त्र के 5 अध्यायों के माध्यम से जीवन जीने के तरीके बताए। संगठन मंत्री मंजू बांगड़, उत्तरांचल सहसचिव शर्मिला राठी, श्री परवाल, श्यामल बिहानी, प्रतिभा श्याम जाजू, आई.टी. कमिश्नर चंदन पुगलिया, प्रदेशाध्यक्ष किरन लड्ढा, इंदु लड्ढा आदि मंचासीन थे। स्वादिष्ट भोजन व टीम वर्क के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

**पेड़ों ने शर्तें नहीं मानी,
इसलिए कट गए,
गमलों ने हदें
तय कर ली,
तो आसरा
मिल गया...**

विदाई के साथ छात्रों का सम्मान

भिलाई. विगत दिनों महेश एजुकेशनल एंड चेरिटेबल ट्रस्ट भिलाई द्वारा संचालित सेठ मीठालाल राठी माहेश्वरी छात्रावास एवं सेठ श्रीकिशन रामप्यारीबाई डागा छात्रावास में छात्रों का बिदाई एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग दीपांशु काबरा एवं विशिष्ट अतिथि उषा टावरी जिलाध्यक्ष भाजपा थीं। ट्रस्ट की ओर से अतिथियों का स्वागत स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। अतिथि स्वागत मोहन राठी, बृजकिशोर सूरजन, जेपी मोहता, महेश टावरी, सुनंदा राठी, मधु सोमानी एवं चंदा राठी के द्वारा किया गया। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी एवं महासभा के उपसभापति मोहन राठी ने गत सात सत्रों से संचालित दोनों छात्रावासों की प्रगति पर प्रकाश डाला। साथ ही छात्रावासों की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में दोनों छात्रावासों की विशिष्ट साख के फलस्वरूप एडमिशन में काफी छात्र प्रतीक्षा सूची में होने के कारण आगामी सत्र में दोनों छात्रावासों में दो मंजिल और बढ़ाकर 100-100 छात्रों की संख्या की जाएगी। साथ ही उन्होंने छात्रावास के समस्त छात्रों की सराहना करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मानद मंत्री बृजकिशोर सूरजन द्वारा छात्रावासों के निर्माण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात दोनों छात्रावासों में अध्ययनरत 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले 55 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट प्रतिभाओं को बेस्ट स्टूडेंट आदि पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

होम्योपैथी चिकित्सा शिविर सम्पन्न

हापुड़. जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में चैंबर ऑफ कॉमर्स चंडी रोड के हॉल में गत 16 अप्रैल को होम्योपैथिक पद्धति से फुल बॉडी जांच एवं मोटापा प्रबंधन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली से आये ख्यात चिकित्सक डॉ. धीरज वाधवा एवं उनकी टीम ने फुल बॉडी मैगनेटिक ऐनेलाइजर मशीन द्वारा कम्प्यूटराईज्ड जांच करके मरीजों को परामर्श दिया गया। इस शिविर का लगभग 175 मरीजों ने लाभ उठाया। जिला सभा के प्रधान दिनेश बाहेती व मंत्री दीपक सोमानी ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक कार्य किये जाते रहेंगे। इस शिविर को सफल बनाने में सुभाषचंद्र महेश, दिनेश बाहेती, राकेशकुमार महेश, दीपक सोमानी, राधेकिशन माहेश्वरी, मुकेश जावंधिया, जितेंद्र माहेश्वरी, राघव माहेश्वरी, सौरभ साबू, मनोज तोषनीवाल, पुनीत तापड़िया आदि का सहयोग रहा। मनोज तोषनीवाल एवं मुकेश जावंधिया शिविर संयोजक थे।

माहेश्वरी मंडल के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद. माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव गत 16 अप्रैल को संपन्न हुए। मंडल के परामर्शदाता मुरलीधर झँवर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी राधेश्याम मूंदड़ा तथा सहयोगी श्यामसुंदर तोषनीवाल थे। इसमें विजय राठी अध्यक्ष, लोकनाथ मारू उपाध्यक्ष, लक्ष्मीकांत झँवर मंत्री, केशवलाल डागा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गणेशचंद्र सोनी एवं विजयकुमार मंत्री सहमंत्री, संजय मोदाणी कोषाध्यक्ष, शिवकुमार बंग प्रचार-प्रसार मंत्री चुने गये। अमीर पेट उपविभाग से विनोदकुमार लोहिया, लक्ष्मीकांत भक्कड़, बालानगर से जगदीश झँवर, पुरुषोत्तम चांडक, बेगमपेट से राधेश्याम मूंदड़ा, बोईनपल्ली से सूरजकरण मर्दा, विष्णुदास होलाणी, एर्रागड्डा से विनोद सोनी, पंकज तोतला, खैरताबाद से प्रदीपकुमार मूंदड़ा, कुकटपल्ली से श्यामसुंदर भराड़िया, लिंगमपल्ली से बृजगोपाल मालपाणी, राजेश तापड़िया, सनतनगर से लक्ष्मीनारायण सोनी, गोपाल तोषनीवाल संयोजक चुने गये।

ब्राह्मण समाज के जुलूस का स्वागत

सनावद। भगवान परशुरामजी की जयंती के उपलक्ष्य में 30 अप्रैल को सर्वब्राह्मण समाज का जुलूस निकला। प्रकाश लाहोटी के निवास स्थान के सामने माहेश्वरी समाज सनावद ने जुलूस का स्वागत किया। इसमें आनंद परवाल, अध्यक्ष महेश परवाल, मांगीलाल मंत्री, लक्ष्मीनारायण परवाल, उपाध्यक्ष गिरधारी मंत्री, चंद्रप्रकाश मंत्री, लक्ष्मीकांत राठी, डॉ. राजेंद्र पलोड़, कोषाध्यक्ष राम मूंदड़ा, ओम मूंदड़ा, विजय परवाल, अनिल पलोड़ सहित कई समाजजन व महिला मंडल अध्यक्ष प्रमिला मंत्री के नेतृत्व में सदस्याऐं उपस्थित थीं।

पुण्य स्मृति में हुआ चिकित्सा शिविर का आयोजन

पिपरिया. ब्रजमोहन दास भट्टर की स्मृति में दो दिवसीय निःशुल्क एक्युप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। इसके शुभारंभ अवसर पर माहेश्वरी सेवा मंडल के अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर, जिलाध्यक्ष बालकिशन टावरी, अभा माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, प्रदेश महासचिव राजश्री राठी, जिला सचिव आशा मालपानी, माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, पूर्व अध्यक्ष दुर्गा गट्टानी, सीता भट्टर व पूर्व सचिव शोभा पलोड़ उपस्थित थीं। शिविर में सुशीला देवी मोहता नागपुर, कुसुमदेवी चांडक काटोल, निर्मलादेवी लढ्ढड़ नागपुर द्वारा साध्य व असाध्य रोगों के निवारण हेतु जानकारी दी। जिलाध्यक्ष श्री टावरी ने अभा. प्रदेश व जिलास्तर पर समाज द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। महिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती मूंदड़ा ने परिषद के उद्देश्यों से अवगत कराया। आभार सचिव अरुणा मूंदड़ा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अभा महिला संगठन की पूर्व कोषाध्यक्ष आशा लड्ढा फिरोजाबाद द्वारा एक्यूप्रेशर शिविरों में दी गई जानकारियों की पुस्तक का विमोचन भी हुआ। इसका प्रकाशन अ.भा. कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर के सौजन्य से हुआ।

जलील न किया करो किसी फ़क़ीर को
अपनी चौखट से साहब
वो सिर्फ भीख लेने नहीं, दुआ देने भी आता है!

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:
Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories
Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain
Caps & Bottle for Pharmaceuiticals
(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691
Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

समितियों ने चलाई सेवा यात्रा

मेरठ. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल सीलू ने राष्ट्रीय संगठन के अनुसार सेवा गतिविधियां संचालित कीं। इसमें सुगंधा-समिति के अंतर्गत अचरुंदा नामक गाँव में जाकर वहां रह रही महिलाओं से भेंट की गई। सौष्ठा-समिति के अंतर्गत डॉ. ऋतु केला ने महिलाओं में होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी। सुश्रीता- समिति के अंतर्गत वहाँ की जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार दिया गया। सुगंधा-समिति के अंतर्गत गांव में चल रही आंगनवाड़ी में बच्चों को ठंडा शरबत, बिस्कुट व नाश्ते के पैकेट तथा स्टेशनरी का सामान दिया गया। आंगनवाड़ी की अध्यापिका को महिला मंडल की तरफ से 3100 रुपए की धनराशि दी गई। सुरभि-समिति के अंतर्गत महिला मंडल द्वारा पक्षियों को दाना व पानी दिया गया। इसमें सभी महिलाओं का योगदान रहा।

गवरजा गीत माला का विमोचन

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की अग्रणी संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा गणगौर की पुरातन परंपराओं व धरोहर को संरक्षित करने के उद्देश्य से माहेश्वरी सदन के प्रांगण में गवरजा गीता माला के एक विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समाज की 9 मंडलियों ने हिस्सा लेकर गवरजा के गीतों का गायन किया। अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी ने बताया कि क्लब के महामंत्री नारायणदास दम्मानी एवं पूर्व मंत्री अशोक बागड़ी द्वारा बीकानेर के माहेश्वरी समाज में ''गणगौर-उत्सव'' मनाने की परिकल्पना की गई थी। अतः श्री दम्मानी का विशेष सम्मान किया गया। मंगलाचरण से पूर्व 'गवरजा गीत माला' नामक पुस्तक का विमोचन संरक्षक व समाजसेवी मगनलाल चांडक, जुगल राठी, नृसिंह बिन्नाणी, लता मूंधड़ा, सरला लोहिया, रेखा लोहिया, अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, मंत्री नारायण दम्माणी, मंजुलता गट्टानी के कर कमलों द्वारा किया गया।

दम्मानी बने मीडिया प्रभारी

पुष्कर. अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन की प्रचार समिति के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक सेवा सदन अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला की अध्यक्षता में पुष्कर में संपन्न हुई। इसमें सदन के प्रचार-प्रसार की व्यवस्थाओं को देखते हुए बीकानेर के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य नारायणदास दम्माणी को सेवा सदन का मीडिया एवं प्रचार-प्रभारी बनाया गया। अनिल लड्ढा (किशनगढ़) को सेवा सदन की मासिक पत्रिका के संपादक का कार्यभार सौंपा गया।

स्वास्थ्य परिचर्चा का किया आयोजन

बूंदी. श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान की ओर से जैतसागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर नरेशकुमार ठकराल थे। अध्यक्षता जगदीश जैथलिया ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ सी.पी. श्रीवास्तव व डॉ अंशु काबरा पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने परिचर्चा की उपयोगिता की जानकारी दी। प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा ने बताया कि परिचर्चा में नारायणा हॉस्पिटल के चिकित्सक सी.पी. श्रीवास्तव और अंशु काबरा ने कार्डिएक सर्जरी व हार्ट अटैक पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि अन्य देशों की तुलना में एशिया में इस बीमारी के मरीज ज्यादा हैं, कारण है खानपान। यहां के लोग तैलीय व चिकनाईयुक्त भोजन ज्यादा लेते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। परिचर्चा का संचालन आशुतोष बिड़ला व सचिव विजेंद्र माहेश्वरी ने किया। परिचर्चा में शहर काजी अब्दुल शकूर कादरी, अनिल शर्मा, त्रिलोक जैन, रेवती बिरला, राजेंद्र बाहेती, द्वारकाप्रसाद जाजू आदि मौजूद थे।

दूसरो को सुनाने के लिए अपनी 'आवाज' ऊँची मत करो.
बल्कि
अपना 'व्यक्तित्व' इतना ऊँचा बनाओ कि
आपको सुनने के लिए 'लोग' इंतज़ार करे

ज़हर का स्वाद शिव से पूछो...
मीरा से पूछोगे तो अमृत ही कहेगी...

आखातीज एवं दानदाता सत्कार

नागपुर. माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी द्वारा आखातीज एवं दानदाता सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि राजमल दलाल सपत्नीक थे। अध्यक्षता पंचायत के उपाध्यक्ष दिनेश जाखोटिया ने की। श्री जाखेटिया ने बताया कि सर्वप्रथम स्वर्गीय श्री कुंदनलाल चांडक ने अपना निज निवास पंचायत को दान दिया एवं वहीं से कदम बढ़ाते हुए आज हमारे पास तीन-तीन भवन हैं। स्व. चंपालालजी राठी ट्रस्ट द्वारा स्व. श्री चंपालाल राठी का निज निवास भी पंचायत में आ गया, जहां विद्यार्थियों का छात्रावास है। इस अवसर पर कई दानदाता परिवारों का सत्कार किया गया। अक्षय तृतीया का विशेष व्यंजन खीच बाटी आदि का सभी ने आनंद लिया। मंच पर पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चांडक, युवा संगठन अध्यक्ष सचिन बजाज, महिला संगठन अध्यक्ष लता जेठा भी मौजूद थे। कार्यक्रम के संयोजक सुनील मंत्री व सहसंयोजक अशोक गांधी ने आभार प्रदर्शन किया। संचालन सचिव विजय जीवनकुमार राठी ने किया।

कन्या विवाह में दिया सहयोग

जोधपुर. वैशाख के पवित्र महीने में माहेश्वरी महिला संगठन उत्तरी क्षेत्र की ओर से दो लड़कियों के विवाह के लिए सहयोग राशि एकत्र कर दो गोदरेज की अलमारी, दो कूलर, दो मेकअप किट, सोने की पॉलिश की हुई ज्वेलरी, साड़ियाँ आदि सामान दिया गया। विवाह की पूर्व संध्या पर ढोल-ताली के साथ विनायक स्थापना कर शगुन की मेहंदी लगाई गई। बाद में तिलक लगाकर नारियल नेग से खोल भरकर सारा सामान दिया गया। सचिव लता राठी ने बताया कि अध्यक्ष मीना साबू, डॉ. वीणा मूंदड़ा, संतोष भूतड़ा, कांता राठी, डॉ. फूलकौर मूंदड़ा, प्रेरणा मंत्री, रक्षा भूतड़ा, रेखा काबरा, उषा बंग, मंजू लोहिया, संतोष भैया, नंदिनी मानधना, मोनिका धूत, पूर्णिमा राठी, पारूल माहेश्वरी, राजू मूथा, पिंकी गट्टानी सहित कई सदस्याओं ने सहयोग दिया।

सेवा गतिविधि का आयोजन

बरेली. माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा ग्रीष्मकालीन निःशुल्क सेवा शिविर गत 5 मई से बरेली स्थित सीआई पार्क में लगाया गया। इसमें माहेश्वरी महिलाओं के अतिरिक्त दूसरे समाज ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग का लाभ लिया। इसी प्रकार हनुमान जयंती के अवसर पर महिलाओं ने सुंदरकांड का पाठ करके हनुमानजी की प्रार्थना की। सुनीता राठी, बबीता परवाल, अंतुला माहेश्वरी, मनीषा माहेश्वरी, सुधा मोहता, निशि चांडक, माया राठी, सीमा लखोटिया आदि उपस्थित थीं। जानकारी अध्यक्ष प्रभा मूना व सचिव शशि साबू ने दी।

महिला समिति ने की समाजसेवा

पुरुलिया. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति की संपादक जयश्री सारडा ने बताया कि समिति द्वारा गत 18 अप्रैल को आईसक्रीम क्लास का आयोजन किया गया। सुनीता मोहता और मैना मोहता ने इसका कार्यभार संभाला। इसी प्रकार 1 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर लगभग 200 मजदूरों को 150 पैकेट लस्सी, 100 किग्रा तरबूज, 10 किलो भीगे चने, 50 पैकेट रियल ज्यूस आदि का वितरण किया गया।

लगे पॉलिथिन निर्माण पर रोक

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि देश के कुछ प्रदेशों में पॉलीथिन थैलियों के निर्माण, क्रय-विक्रय व उपयोग पर रोक है। परंतु सभी प्रदेशों में रोक नहीं होने से अन्य प्रदेशों से रोक वाले प्रदेशों में पॉलीथिन महंगे दामों में लाकर बेची जा रही है। इससे रोक के बावजूद आमजन पॉलीथिन का उपयोग कर रहा है। श्री जाजू ने पत्र में पूरे देश में पॉलीथिन को प्रतिबंधित करने की मांग की।

कभी मैं अपने हाथों की
लकीरों से नहीं उलझा,
मुझे मालूम है किस्मत का
लिक्खा भी बदलता है

हमें जमीर बेचना आया ही नहीं,
वरना दौलत कमाना
इतना भी मुश्किल नहीं था।

दीपक एडवरटाइजिंग क्रेडाई राजस्थान से पुरस्कृत

इंदौर. राजस्थान के अब तक के सबसे बड़े प्रॉपर्टी एक्सपो के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु क्रेडाई राजस्थान द्वारा दीपक एडवरटाइजिंग एजेंसी को विशेष प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि क्रेडाई राजस्थान रियल एस्टेट एक्सपो 2017 अपनी भव्यता एवं त्रुटिहीन संचालन हेतु सराहा जा रहा है। दीपक एडवरटाइजिंग एजेंसी, जयपुर के डायरेक्टर दीपेश माहेश्वरी ने यह प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि लगातार चौथे वर्ष क्रेडाई राजस्थान से यह सम्मान पाना पूरी टीम के लिए गर्व की बात है। उनकी एजेंसी पिछले 20 वर्ष में कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट्स को सेवा प्रदान कर चुकी है। अपनी क्रिएटिविटी और इनोवेशंस के साथ एजेंसी अब तक 135 से अधिक नेशनल-इंटरनेशनल अवॉर्ड्स प्राप्त कर चुकी है।

संस्थान के चुनाव सम्पन्न

उदयपुर। महेश सेवा संस्थान की कार्यकारणी के द्विवार्षिक चुनाव चुनाव अधिकारी सुरेश न्याती की देखरेख में गत 17 अप्रेल को संस्थान भवन में संपन्न हुए। राधाकृष्ण गट्टानी अध्यक्ष, गोविंद लावटी व बालकिशन जागेटिया उपाध्यक्ष, श्यामलाल मूंदड़ा सचिव, कमलेश कुमार माहेश्वरी सह सचिव, डॉ. पी.आर. सोमानी कोषाध्यक्ष तथा जानकीलाल मूंदडा, शंकरलाल भदादा, राजेंद्रप्रसाद देवपुरा, रमेशचंद्र काबरा, बसंत काबरा व रामबाबू खटौड़ सदस्य चुने गए। जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

बछड़ी का मनाया जन्मदिन

भीलवाड़ा. लापसी से बना केक कटा व हैप्पी बर्थ डे गूंजा। ऐसा सुखद नजारा था रमेशचंद्र व्यास नगर में 10 आर 10 सेक्टर स्थित अधिवक्ता अशोक गट्टाणी के गोधाम का। यह जन्मदिन का मौका किसी बच्चे या बड़े का नहीं, बल्कि एक वर्षीय गौरी 'बछड़ी' का था। बछड़ी की मां गोपी यानी गोमाता का भी परिजनों व रिश्तेदारों ने श्रृंगार कर रखा था। बछड़ी के सींग पर चांदी के मुकुट लगा रखे थे।

जीएसटी पर आयोजित हुई कार्यशाला

रायपुर. गत 8 मई को रिंग रोड स्थित कलर्स मॉल में इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की रायपुर शाखा द्वारा जीएसटी पर आयोजित कार्यशाला में सीएसआईडीसी के चेयरमैन छगनलाल मूंदड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि अभी व्यापारियों के बीच जीएसटी को लेकर काफी भ्रम की स्थिति है, जिससे व्यापारी जीएसटी को "घणो सारो टैक्स" भी कहने लगे हैं। जबकि केंद्र व राज्य सरकार के 8-8 प्रकार के टैक्स के स्थान पर अब केवल जीएसटी लगेगा। उन्होंने उपस्थित सभी चार्टर्ड अकॉउंटेंट्स, कंपनी सेक्रेटरी व अधिवक्ताओं से उम्मीद जताई कि व्यापारियों के बीच जीएसटी को लेकर जो भ्रम है। उसे वे दूर करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सीए, कंपनी सेक्रेटरी व अधिवक्तागण मौजूद थे।

चिकित्सा उपकरणों की सौगात से पगड़ी की रस्म

बाग। समाज के पूर्व महामंत्री रहे स्वर्गीय श्री राधेश्याम अगाल (मामा जी) की तेहरवीं की पगड़ी रस्म का आयोजन हुआ। इसमें ईलाज के लिए मेडिकल उपकरणों की जरूरतों से कोसो दूर लोगों की जरूरतों के लिए 30 मिनट में पौने दो लाख रुपए परिवार वालों व समाज बंधुओं ने एकत्र कर सराहनीय कार्य किया। इस कार्यक्रम में अगाल परिवार के पुत्र निर्मल व मनीष के द्वारा समाज को भोजन के लिए स्टील थाली सेट एवं संत सेवा व गौसेवा के लिए राशि एवं नरसिंह मंदिर बाग के लिये भी पिताश्री की स्मृति मे समर्पण राशी प्रदान की गई।

भरोसा ' ईश्वर ' पर है,
तो जो लिखा है तकदीर में,
वो ही पाओगे...
मगर , भरोसा अगर '
खुद ' पर है ,
तो ईश्वर वही लिखेगा ,
जो आप चाहोगे

With Best Compliments

GANNON DUNKERLEY & CO., LTD.

An infrastructure Company established since 1924

Regd. office :
New Excelsior Building, (3Rd Floor),
A, K. Nayak Marg, Fort Mumbai-400 001
Tel : 022 2205 1231, Fax : 022-22051232

Office : Ahmedabad. Hyderabad, Kolkata, Mumbai & New Delhi

उत्कर्ष ने जीते 3 स्वर्ण पदक

उत्कर्ष राठी को विविध शैक्षणिक स्पर्धात्मक परीक्षाओं में तीन स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उत्कर्ष ब्रजलाल बियाणी कॉलेज के प्राध्यापक सीताराम राठी तथा जेसीआय राष्ट्रीय प्रशिक्षक संगीता राठी के सुपुत्र हैं। उन्होंने इंटरनेशनल मैथ्य ऑलम्पियाड परीक्षा में स्वर्ण पदक, नेशनल लेवल साइँस टैलेंट सर्च परीक्षा में स्वर्ण पदक तथा नेशनल इंटरेक्टिक्ट मैथ्य ओलम्पियाड में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

आईआईएम से किया एमबीए

हैदराबाद. वरिष्ठ समाज सदस्य गिरिराज कलंत्री के सुपौत्र एवं अलवार (राजस्थान) निवासी नरेंद्र कलंत्री (अध्यक्ष माहेश्वरी प्रगति मंडल अलवर) के सुपुत्र कुणाल कलंत्री ने बीई के पश्चात आईआईएम बैंगलोर से एमबीए की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर बेस्ट स्टूडेंट के सम्मान व स्कॉलरशिप से भी उन्हें नवाजा गया है।

पलक बीडीएस में टॉपर

राऊ. कॉलेज ऑफ डेंटल व साइंस, राऊ से बीडीएस फाइनल में समाज की प्रतिभा पलक कुईया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पलक बीडी तोषनीवाल (माहेश्वरी) बाल मंदिर के कोषाध्यक्ष व श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी के संचालक मनोज कुईया की सुपुत्री हैं।

राहुल ने किया पीजीडीएम

गुड़गाँव. समाज की प्रतिभा संस्था एसडीआई गुड़गांव से पीजीडीएम की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में राहुल प्रतिष्ठित जस्सो छात्रवृत्ति के साथ एनयूसीबी जापान में स्टूडेंट एक्सचेंज पर भी गए। उन्होंने आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी से स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद 2 साल सहायक प्रबंधक के रूप में कोल इंडिया लिमिटेड के साथ भी काम किया। वह वर्तमान में टाटा पावर, मुंबई के साथ काम कर रहे हैं।

मनीष को जेईई में सफलता

खरगोन. समाज की प्रतिभा मनीष बियाणी ने जेईई मेन्स परीक्षा उत्तीर्ण की है। मनीष समाज सदस्य विनोद-स्मिता बियाणी के सुपुत्र हैं।

श्रेया बनीं चैम्पियन

वडोदरा. समाज सदस्य गिरीश काबरा की सुपौत्री श्रेया चिंतन शाह काबरा ने वडोदरा में चेस एसोसिएशन ऑफ वडोदरा द्वारा आयोजित चेस स्पर्धा में पूरे जिले में द्वितीय स्थान 5 से 7 वर्ष आयु वाले वर्ग में प्राप्त किया। हाल ही में गुजरात स्टेट चेस एसोसिएशन अहमदाबाद द्वारा आयोजित चेस प्रतियोगिता में भी श्रेया ने चौथा स्थान प्राप्त किया है।

केशव ने 12वीं में किया टॉप

देवास. कठोर परिश्रम से 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर केशव माहेश्वरी (भुराड़िया) ने मप्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में देवास की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। केशव विद्यादेवी व विनोदकुमार माहेश्वरी के सुपुत्र तथा स्व. श्री बंकटलाल व कौशल्यादेवी माहेश्वरी के पौत्र हैं।

महेश नवमी पर्व पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।
गंगाराम चाँदमल तोतला
'श्री नरसिंग निवास' 3-5-45, जागृति कॉलेज के सामने, रामकोट, हैदराबाद - 500 095
फोन : +91 9248022503, 9849022503

KWC Estd. 1969
Kamal Watch Co.
Sales & Service

FLAGSHIP STORE: Road No. 36, Near Peddamma Temple Circle, Jubliee Hills, Hyderabad, Ph. 040-23558621

HYDERABAD - Abids 040-66782818, Abids Gunfoundary 040-66660585, Dilsukhnagar 040-66177658, Banjara Hills 66463366, Forum Mall 040-30534001 SECUNDERABAD - MG Road 040-66322191, Vikrampuri 040-64646551 VIZAG - Rama Talkies Road 0891-6636613, CMR Central mall 0891-6464622 VIJAYAWADA - PVP Mall 0866-6005999, Trendset Mall 0866-6004999 KURNOOL - Jyoti Mall 9246668766 KAKINADA - Beside Apollo Hospital 0884-6663336

Shop Online www.kamalwatch.com | EMI Facility also available | Follow us on / KamalWatch

PETERS
PRINCE
PHENYLE

Disinfectant
Best
By Test

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com
CIN NO. U24110TG1992PLC014256
An ISO 9001:2008 Certified Company

For Distributorship Enquiries Please Contact
Mr. Raju on Cell No. 09701343335

|| जय महेश ||

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

|| जय महेश ||

NSK- RHP Bearings

Authorized Indenting Agents & Distributors in India

SONI INTERNATIONAL

3, Varalaxmi Market, 62 M.G. Road,
Secunderabad- 50003
Ph : 040-27710757, 27718113 Mo. : 98490-51176

www.soninsk.com E-mail : info@soni-international.com

सभी देशवासियों को महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

Somany Sanitation

Authorised Distributors For A.P.
- Somany Aquaware
- Sanitry Ware
- Somany C.P. Fittings

PROUD BNI MEMBER

Authorised Dealers for
Somany Vitrified &
Ceramic Wall & Floor Tiles and
Digital Tiles, Complete
Bathroom Fittings & Accessories

Jagur CP Fitting and all Jagur Products

Rahul Somany +91 98490 48000
Dharmendra Kalantri +91 94413 30440

5-4, 78-1, Opp. TVS Sundaram Motors, M.G. Road, Ranigunj,
Secunderabad - 500003, **Ph** : 27545455, 66383940

कैसे हुई थी माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान महेश के आशीर्वाद से हुई थी। ''माहेश्वरी'' पूर्व में क्षत्रिय थे तथा भगवान महेश की प्रेरणा से कर्म परिवर्तन कर वैश्य बने और माहेश्वरी कहलाये। समाज की नवीन पीढ़ी के लिये प्रस्तुत है, उस पौराणिक कथा के अंश, जिनसे हुई समाज की उत्पत्ति।

▶▶ SMT टीम

खंडेलपुर जिसे खंडेलानगर और खंडिल्ल के नाम से भी उल्लेखित किया जाता था, नामक राज्य में सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा खड्गलसेन राज्य करता था। इसके राज्य में सारी प्रजा सुख और शांति से रहती थी। खड्गलसेन इस बात को लेकर चिंतित रहता था कि पुत्र नहीं होने पर उत्तराधिकारी कौन होगा? राजा ने मंत्रियों से मंत्रणा कर के धोसीगिरी से ऋषियों को ससम्मान आमंत्रित कर पुत्रेष्टी यज्ञ कराया। यज्ञ से प्राप्त हवि को राजा और महारानी को प्रसादस्वरूप में भक्षण करने के लिए देते हुए ऋषियों ने आशीर्वाद दिया और साथ-साथ यह भी कहा कि तुम्हारा पुत्र बहुत पराक्रमी और चक्रवर्ती होगा, पर उसे 16 साल की उम्र तक उत्तर दिशा की ओर न जाने देना, अन्यथा आपकी अकाल मृत्यु होगी। कुछ समयोपरांत महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसका नाम सुजानसेन रखा। वह राजकाज, विद्या और शस्त्र विद्या में आगे बढ़ने लगा समय आने पर सुजानसेन का विवाह चंद्रावती के साथ हुआ।

ऐसे पहुंचा सुजानकुंवर उत्तर दिशा में

देवयोग से एक जैन मुनि खंडेलपुर आए। कुंवर सुजान उनसे बहुत प्रभावित हुवा। उसने अनेक जैन मंदिर बनवाए और जैन धर्म का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया। जैनमत के प्रचार-प्रसार की धुन में वह भगवान विष्णु, शिव और देवी भगवती को मानने वाले को ही नहीं बल्कि ऋषि-मुनियों को भी प्रताड़ित करने लगा, उन पर अत्याचार करने लगा। ऋषियों द्वारा कही बात के कारण सुजानसेन को उत्तर दिशा में जाने नहीं दिया जाता था, लेकिन एक दिन राजकुंवर सुजान 72 उमरावों को लेकर हठपूर्वक जंगल में उत्तर दिशा की ओर ही गया। उत्तर दिशा में सूर्य कुंड के पास महर्षि पाराशर की अगुवाई में सारस्वत, ग्वाला, गौतम, शृंगी और दाधीच ऋषि यज्ञ कर रहे थे। यह देख वह आगबबूला हो गया और क्रोधित होकर बोला, इस दिशा में ऋषि-मुनि शिव की भक्ति करते हैं, यज्ञ करते हैं, इसलिए पिताजी मुझे इधर आने से रोकते थे। उसने क्रोध में आकर उमरावों को आदेश दिया कि इसी समय यज्ञ का विध्वंस कर दो। आज्ञा पालन के लिए आगे बढ़े उमरावों को देखकर ऋषि भी क्रोध में आ गए और उन्होंने श्राप दिया कि सब निष्प्राण हो जाओ। श्राप देते ही राजकुंवर सहित 72 उमराव निष्प्राण, पत्थरवत हो गए। यह समाचार राजा खड्गलसेन ने सुना तो अपने प्राण तज दिए। राजा के साथ उनकी 8 रानियाँ सती हो गईं।

भगवान महेश ने किया श्राप मुक्त

राजकुंवर की कुंवरानी चंद्रावती 72 उमरावों की पत्नियों के सहित रुदन करती हुईं उन ऋषियों के चरणों में गिर पड़ी और क्षमायाचना करने लगी। तब ऋषियों ने उपाय बताया कि देवी पार्वती के कहने पर भगवान महेश्वर ही इनमें प्राणशक्ति प्रवाहित करेंगे। अतः निकट ही एक गुफा है, वहाँ जाकर भगवान महेश के अष्टाक्षर मंत्र 'ॐ नमो महेश्वराय' का जाप करो। राजकुंवरानी सारी स्त्रियों सहित गुफा में गई और मंत्र तपस्या में लीन हो गई। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महेश देवी पार्वती के साथ आये। पार्वती ने इन जड़त्व मूर्तियों को देखा। उनके दर्शन होते ही सारी स्त्रियाँ देवी पार्वती के चरणों में गिर पड़ी। देवी पार्वती ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महेश से सुजानकुंवर तथा सभी 72 उमरावों को श्राप मुक्त करवा दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी से उनके शस्त्र लेकर सूर्यकुंड में डलवाये और उन्हें वैश्य कर्म प्रदान किया। सुजानकुंवर को इस अपराध का मुख्य दोषी होने के कारण जागा का काम दिया और शेष 72 उमरावों से 72 माहेश्वरी खांपों की उत्पत्ति हुईं। श्राप देने वाले ऋषियों को इन सभी के गुरु का सम्मान प्रदान किया।

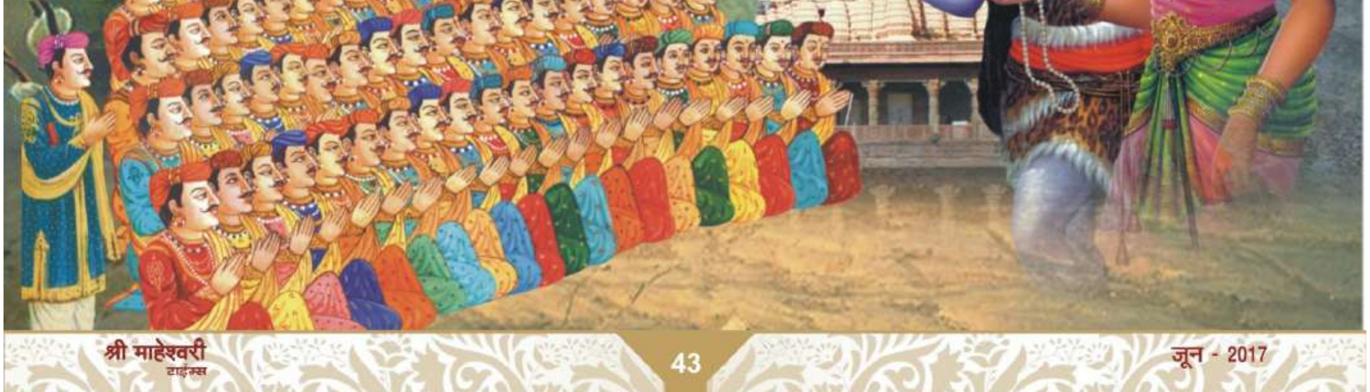

क्या हैं हम?
अपने आपको तो जानें

वर्तमान की युवा पीढ़ी सिर्फ यही जानती है कि हम माहेश्वरी हैं। इसके सिवा वह अपने समाज के बारे में अधिक नहीं जानती। जबकि दुनिया को जानने से पहले यह जरूरी है कि हम अपने आपको जानें। तो आइये जानें अपनी पहचान।

▸▸ SMT टीम

क्षत्रिय जाति से उत्पत्ति

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की कृपा से क्षत्रिय चौहान जाति के कर्म परिवर्तन से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई है। वास्तव में मूल रूप से तो हमारे पूर्वज क्षत्रिय ही थे। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के बाद मोहता, टावरी आदि कई खांप के हमारे पूर्वजों ने राजशाही के समय सेनाओं का नेतृत्व किया और अपनी वीरता से युद्ध का स्वरूप बदलकर रख दिया। देश की स्वतंत्रता के लिये हुई सशस्त्र क्रांति में भी माहेश्वरी पीछे नहीं रहें।

''खांप'' और ''नख'' पहचान

मुंधड़ा, लड्ढा, टावरी आदि 77 खापें हैं। प्रत्येक खांप में उपखांप हैं, जिसे नख कहते है। इनकी संख्या लगभग 960 थीं। चूंकि इनका निर्माण व्यवसाय, निवासी क्षेत्र व प्रतिष्ठा के आधार पर किया गया। अतः इनकी संख्या बढ़ती गई। कुछ वर्ष पूर्व तक लड़की के मामा, लड़के के मामा तथा खुद लड़का-लड़की की खांपे याने 4 खांप छोड़कर विवाह संबंध किये जाते थे। अब केवल अपनी ही खांप छोड़ी जाती है। आजकल उपखांपों की जानकारी न रहने से सगोत्र में विवाह होने की खबरें मिलती रही हैं।

धर्म एक मत अनेक

माहेश्वरी जाति हिन्दू धर्म का अभिन्न अंग है, सभी वैष्णव हैं। काल के प्रवाह में विभिन्न मतावलंबी जैसे रामानुज, रामस्नेही, वल्लभकुल, महानुभाव जैसे पंथ को भी मानने वाले हो गये हैं। किन्तु सभी का धर्म हिन्दू ही है।

राजस्थान से निकली भाषा

मारवाड़ी, मेवाड़ी, शेखावटी, हाड़ौती, बागड़ी, ढूंढाली आदि राजस्थानी परिवार की समृद्ध बोलियां हैं। राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र से स्थलांतरीत होने पर विभिन्न प्रांत में उन्हें मारवाडियों के नाम से पहचाना जाने लगा। माहेश्वरी वंश के लोगों की बोली मारवाड़ी है व भाषा राजस्थानी है। जहां-जहां जाकर बसे वहां की स्थानीय भाषा को भी उन्होंने व्यवहार मे अपना लिया है। समस्त राजस्थानी समुदायों द्वारा राजस्थानी भाषा का प्रयोग किया जाता है। इनकी संख्या देश की जनसंख्या की तुलना में दस प्रतिशत से अधिक है। अतः वैधानिक मान्यता की हकदार है। यह हक प्राप्त करने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़नी होगी।

नाम पर क्षेत्रवाद हावी

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति खंडेला के लोहार्गल तीर्थ क्षेत्र, राजस्थान में सीकर के पास डीडवाना में हुई उन्हें डीडू माहेश्वरी कहा जाता है। फिर जहाँ-जहां से उत्पत्ति हुई या जाकर बस गये उन सुबों के नाम पर जैसे कोलवार, जैसलमेरी, बीकानेरी, बड़ी मारवाड़, पोकरण, फलोदी आदि के नाम से पहचाने जाने लगे इनके मध्य रोटी-बेटी का व्यवहार अपवाद स्वरूप ही होता था। अब ऐसा कुछ नहीं है। तथापि भाषा, रीति रिवाजों में अन्तर स्पष्ट नजर आता है। अब दिसावर में बराड़ी, खानदेशी, मेवाड़ी, गुजराती, युपी जैसे प्रदेशों के नाम से पहचाने जाने लगे हैं। इन पर स्थानीय भाषा, खानपान आदि का गहरा प्रभाव पड़ा हैं। कहीं-कहीं तो इनकी स्वतंत्र पहचान ही सहज नहीं रही।

राजस्थानी खान-पान

राजस्थानी मूल के होने से लगभग सभी माहेश्वरी समाजजनों का खान-पान राजस्थानी ही है। यह ऊंचे दर्जे का शाकाहारी तथा शुद्ध देशी घी-दूध से बने पकवानों का है। दाल-बाटी-चुरमा, बाजरे की रोटी-छाछ से बनी राबड़ी, मूली के पत्ते की सब्जी, केर-सांगरी-काचरी, मोठ जैसी सुकी सब्जियां, खिचड़ी-बड़ी का साग उनके पकवान हैं। घेवर, फैनी, मूंग मोगर का हलवा, बीकानेर की सेव, ब्यावर की तिल पपड़ी आदि राजस्थान की ही देन है। राजस्थान में विशेष प्रसंगों पर अफीम की गोली का प्रचलन भी परंपरा में रहा है।

देश की अर्थव्यवस्था का आधार

वाणिज्य तथा कृषि माहेश्वरी जाति के प्रमुख व्यवसाय रहे हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उद्योग-धंधों व व्यवसाय में संलग्न हो गये, फिर आयात-निर्यात का कार्य करने लगे। छोटे शहरों में किराना, कपड़ा, अनाज, कपास, मसाले जैसे व्यवसाय में रहे। कृषि के साथ कुछ सम्पन्न परिवार ब्याज-बट्टे का भी काम करते थे। नौकरी करना अच्छा नही समझा जाता था। पुश्तैनी व्यापार में अधिक ध्यान रहता रहा है, लेकिन आज परिस्थितियां बदल गई है। उद्योग, व्यवसाय, कृषि के साथ नौकरी को भी प्राथमिकता दी जाने लगी है। साहुकारी व्यवसाय लगभग बंद हो गया है। शिक्षा का स्तर उंचा उठ जाने से अब प्रोफेसर, मास्टर, डॉक्टर, वकील, वैज्ञानिक तथा अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है। वहीं कलाकार, साहित्यकार, पत्रकार भी बढ़ रहे हैं। प्रोफेशनल्स भी बढ़रहे हैं।

स्वाभिमान समाज का आदर्श

राजस्थान के अकाल पीड़ित क्षेत्र के होने से अनाज, पानी, कपड़ा, धन सब कुछ संचय एवं सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति रग-रग में बसी है। अब वह बचत के रूप में परिवर्तित हो गई है। कभी किसी के सामने हाथ फैलाये नहीं। समाज में मजदूर मिल जायेंगे किंतु भीख मांगने वाला नहीं। अल्प आय होने पर भी परोपकार का कार्य करने की सहज वृत्ति है। पूर्व के तथा आज के समाज के सदस्यों की आर्थिक स्थिति में बड़ा फर्क है।

पर्व त्यौहारों पर राजस्थानी प्रभाव

प्रायः सभी हिन्दू तीज त्यौहार बड़े उत्साह और आनंद के साथ पवित्र भावना से मनाते हैं। स्थान-स्थान, जात-जात के प्रभाव में नाम में तथा पद्धति में अंतर होता रहता है। माहेश्वरी समाज में प्रति दिन कोई ना कोई तीज, त्यौहार, पर्व,उत्सव, बड़ी आस्था और विश्वास के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्रीयन समाज में मंगला गौरी का जितना महत्व है, उतना ही माहेश्वरी समाज में गणगौर और श्रावणी तीज का। घर की साफ -सफाई, पर्वों पर विविध वृक्षों की पूजा की प्रथा केवल माहेश्वरी समाज में ही दिखाई देती है। रंगोली और मांडने घर परिसर की शोभा बढ़ाते हैं। मेंहदी तो अविभाज्य घटक बनकर न केवल माहेश्वरी समाज में बल्कि देश और विदेश में भी आकर्षण का केन्द्र है।

मानव सेवा में सबसे आगे

सार्वजनिक कार्यो में माहेश्वरी जाति ने जिस उदारता के साथ अपनी सम्पत्ति को खर्च किया है, वह आश्चर्यजनक है। देहली से रामेश्वरम् तक धर्मशालाएं बनी हैं, शिक्षा संस्थाओं का तो पूरे देश में जाल सा बिछ गया है, चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी हैं। मंदिर, गौशाला निर्माण और देखभाल कार्य, छात्रवृत्तियां, असहाय के लिये अन्न, छत्र, दुर्बलों को आर्थिकों सहायता, नैसर्गिक विपदा में मदद के लिये दौड़कर जाने वाला समाज है। कुएं, बावड़ी, प्याऊ का कार्य तो हजारों वर्षों से चल रहा है। जहां-जहां माहेश्वरी जाकर बसे हैं, वहां-वहां अधिकांश स्थानों पर माहेश्वरी भवन या महेश भवन हैं। अब छात्रावासों तथा तीर्थ क्षेत्र में समाज सदनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। इसका बड़ी संख्या में अन्य समाज के सदस्य भी लाभ उठाते है।

महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं

Rg. MSCS/CR/811/2013

PRIYADARSHANI MULTI STATE CO-OP. CREDIT SOCIETY LTD. PARLI-VAIJNATH

प्रियदर्शनी मल्टीस्टेट को–ऑप. क्रेडीट सोसा.लि.

जैन कॉम्प्लेक्स, मोंढा मार्केट, दु.नं. 4, परली वैजनाथ 431515 जि.बीड (महाराष्ट्र)

सत्यनारायण लोहिया
अध्यक्ष

–संचालक–
केदार लोहिया
बालकिशन तोतला
नंदकिशोर गट्टाणी
पंकज चांडक
डॉ. राहुल राठी

जयप्रकाश लड्डा
उपाध्यक्ष
(सदस्य – परली वैजनाथ, नगर निगम)

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Spectrum™
Where service is religion

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

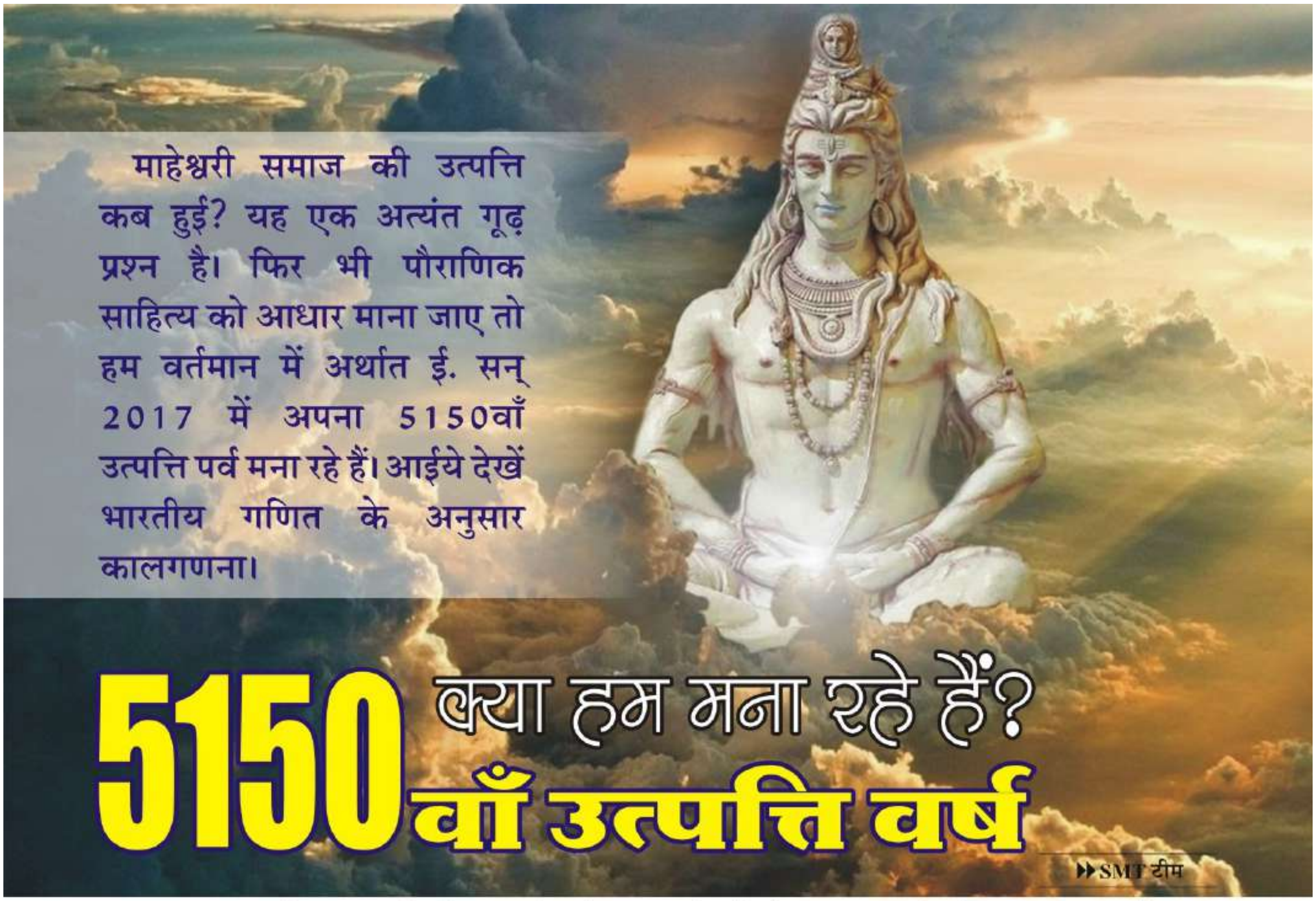

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति कब हुई? यह एक अत्यंत गूढ़ प्रश्न है। फिर भी पौराणिक साहित्य को आधार माना जाए तो हम वर्तमान में अर्थात ई. सन् 2017 में अपना 5150वाँ उत्पत्ति पर्व मना रहे हैं। आईये देखें भारतीय गणित के अनुसार कालगणना।

5150वाँ उत्पत्ति वर्ष क्या हम मना रहे हैं?

▸▸ SMT टीम

परंपरागत मान्यता के अनुसार माहेश्वरी समाज की वंशोत्पत्ति युधिष्ठिर संवत 9 की ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को हुई थी। तब से माहेश्वरी समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को 'महेश नवमी'' के नाम से माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस बहुत धूमधाम से मनाता है। माहेश्वरी समाज के ऐतिहासिक साहित्य में माहेश्वरी समाज की वंशोत्पत्ति के समय के बारे में एक श्लोक के द्वारा बताया गया है, जो इस कालगणना को स्पष्ट करता है-

''आसन मघासु मुनयः शासति युधिष्ठिरे नृपते स
सूर्यस्थाने महेशकृपया जाता माहेश्वरी समुत्पत्तिः सस

अर्थात-जब सप्तर्षि मघा नक्षत्र में थे। युधिष्ठिर राजा शासन करता था। सूर्य के स्थान पर अर्थात राजस्थान प्रांत के लोहार्गल में (लोहार्गल जहाँ सूर्य अपनी पत्नी छाया के साथ निवास करते हैं और जो माहेश्वरियों का वंशोत्पत्ति स्थान है भगवान महेशजी की कृपा-वरदान से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई।

आसन मघासु मुनयः

मुनया, मुनि अर्थात आकाशगंगा के सात तारे जिन्हें सप्तर्षि कहा जाता है। ब्रह्मांड में कुल 27 नक्षत्र हैं। सप्तर्षि प्रत्येक नक्षत्र में 100 वर्ष ठहरते हैं। इस तरह 2700 साल में सप्तर्षि एक चक्र पूरा करते हैं। पुरातनकाल में किसी महत्वपूर्ण अथवा बड़ी घटना का समय या काल दर्शाने के लिए सप्तर्षि किस नक्षत्र में हैं या थे? इसका प्रयोग किया जाता था। माहेश्वरी वंशोत्पत्ति के संबंध में कहा गया है कि सप्तर्षि उस समय मघा नक्षत्र में थे। द्वापर युग के उत्तरकाल जिसे महाभारत काल कहा जाता है, में भी सप्तर्षि मघा नक्षत्र में थे। इस तरह से बताया गया है कि माहेश्वरी वंशोत्पत्ति द्वापर युग के उत्तरकाल में अर्थात महाभारत काल में हुई। श्लोक के ''शासति युधिष्ठिरे नृपते'' इस पद शब्द समूह से इस बात की पुष्टि होती है, कि यह समय महाभारत काल का ही था।

शासति युधिष्ठिरे नृपते

कालगणना अनुसार पांडु पुत्र युधिष्ठिर का इंद्रप्रस्थ के राजा के रूप में राज्याभिषेक 17.12.3139 ई.पू. के दिन हुआ। इसी दिन युधिष्ठिर संवत की घोषणा हुई। उसके 5 दिन बाद उत्तरायण माघ शुक्ल सप्तमी-रथ सप्तमी को हुआ। अतः युधिष्ठिर का राज्याभिषेक प्रतिपदा या द्वितीया को था। युधिष्ठिर के राज्यारोहण के पश्चात चैत्र शुक्ल एकम अर्थात प्रतिपदा से ''युधिष्ठिर संवत'' आरंभ हुआ। महाभारत व भागवत की खगोलीय गणना को आधार मान कर विश्वविख्यात विद्वान डॉ. वेली ने यह निष्कर्ष दिया है कि कलयुग का प्रारंभ 3102 बीसी (ईपू) की रात दो बजकर 20 मिनट 30 सेकंड पर हुआ था। यह बात उक्त मान्यता को पुष्ट करती है कि भारत के सर्वाधिक प्राचीन युधिष्ठिर संवत की गणना कलियुग से 40 वर्ष पूर्व से की जाती है। माहेश्वरी वंशोत्पत्ति युधिष्ठिर संवत 9 अर्थात ई.पू 3133 में हुई। कलियुगाब्द में 31 जोड़ने से विक्रम संवत में 3077 अथवा 3133 ई.पू. माहेश्वरी वंशोत्पत्ति वर्ष आता है। वर्तमान में ईसवी सन् 2017 चल रहा है। वर्तमान 2017 प्लस 3133 बराबर 5150 अर्थात माहेश्वरी वंशोत्पत्ति आज से 5150 वर्ष पूर्व हुई है। आज ईसवी सन् 2017 में युधिष्ठिर संवत 5159 चल रहा है। माहेश्वरी वंशोत्पत्ति युधिष्ठिर संवत 9 में हुई है तो इसके हिसाब से माहेश्वरी वंशोत्पत्ति आज से 5150 वर्ष पूर्व हुई। अर्थात ''महेश नवमी उत्सव 2017'' को माहेश्वरी समाज अपना 5150वाँ वंशोत्पत्ति दिन मना रहा है।

(माहेश्वरी वंशोत्पत्ति एवं इतिहास से साभार)

माहेश्वरी समाज की विशिष्ट परम्पराऐं

उत्पत्ति कथा के आधार पर चल रही परंपराएं

▶▶ SMT टीम

मांगलिक आयोजन

माहेश्वरी उत्पत्ति कथा के संदर्भ के अनुसार ही मांगलिक कार्य जैसे विवाह में बिंदराजा को मोड़, मान और कटार धारण करके विवाह की विधियां सम्पन्न करवाई जाती हैं। महेश-पार्वती की तस्वीर को विधिपूर्वक स्थापित करके चार बार परिक्रमा की जाती है। इसे बारला फेरा अर्थात बाहर के फेरे कहा जाता है। माहेश्वरी वंशोत्पत्ति की वह बात याद रहे इसलिए चार फेरे बाहर के लिए जाते हैं। वर्तमान समय में महेश-पार्वती की तस्वीर के बजाय मामा फेरा के नाम से चार फेरे लेने का रिवाज भी कई बार देखा जाता है लेकिन यह अनुचित है। सही परंपरा का पालन करते हुए महेश-पार्वती की तस्वीर को विधिपूर्वक स्थापना करके उनकी चार बार परिक्रमा करके ही यह विधि संपन्न की जानी चाहिए।

युगल रूप में महेश उपासना

माहेश्वरियों को महेश-पार्वती ने साकार रूप में और वह भी पारिवारिक रूप में सपत्नीक दर्शन दिए थे इसीलिए माहेश्वरियों में महेश-पार्वती की युगल स्वरूप में पूजा-आराधना की जाती है। अकेले महेशजी की पूजा नहीं की जाती है बल्कि एकसाथ महेश-पार्वती की पूजा-आराधना की ही परंपरा है।

शमी पत्र से भौतिक सुख

शास्त्रानुसार शिव के निराकार स्वरूप शिवलिंग या शिवपिंड की पूजा-भक्ति करने से सांसारिक सुखों की नहीं बल्कि मात्र मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कारण से सांसारिक मोहमाया से दूर रहने वाले साधु-संन्यासी शिवलिंग या शिवपिंड की पूजा-आराधना करते हैं। सांसारिक व भौतिक सुखों की चाह रखने वालों तथा गृहस्थों को शिव के साकार स्वरूप अर्थात मूर्ति की पूजा-आराधना करना ही उचित है। इससे सांसारिक और भौतिक सुखों-धन-धान्य, ऐश्वर्य आदि के साथ अंत में "मोक्ष-शिवधाम" भी प्राप्त होता है। मोक्ष प्राप्ति की इच्छा से की जाने वाली पूजा-साधना में बेलपत्र चढ़ाने की महिमा है,तो सांसारिक और भौतिक सुखों की चाह से की जानेवाली पूजा में शमीपत्र चढ़ाने का विधान है। धन-धान्यादि ऐश्वर्य प्राप्ति हेतु गणेशजी को भी शमीपत्र चढ़ाने का विधान शास्त्रों में बताया है।

शिवलिंग के स्थान पर मूर्तिपूजा

जाने-अनजाने में कुछ लोगों द्वारा यह प्रचारित किया गया है कि महादेव की मूर्ति पूजा वर्जित है लेकिन यह सत्य नहीं है। शास्त्रों के अनुसार शिव ही एकमात्र देव हैं जो साकार और निराकार दोनों स्वरूपों में विराजित हैं और दोनों स्वरूपों में पूजनीय है। शिवलिंग और शिवपिंड शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक माने जाते हैं। शारीरिक रचना दर्शाती मूर्ति साकार स्वरूप का प्रतीक है। शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक होने के कारण शिवलिंग और शिवपिंड कितना भी खंडित होने पर भी पूजा जा सकता है लेकिन शिव मूर्ति के खंडित होने पर वह पूजने के लिए वर्जित है। बस यही एकमात्र अंतर है। साकार रूप में उत्पत्ति के समय शिव-पार्वती के दर्शन के कारण माहेश्वरी समाज मूर्ति ही पूजता आया है।

सगाई में विशेष भेंट

परंपरा अनुसार सगाई में लड़की का पिता लड़के को मोड़ और कटार भेंट देता है। इसलिए कि ये बात याद रहे "अब मेरी बेटी की और उसके मान की रक्षा तुम्हें करनी है। बिंदराजा को विवाह की विधि में वही मोड़ और कटार धारण करनी होती है। वर्तमान में विवाह की विधि में धारण करने के लिए एक या दो दिन के लिए कटार किराये पर लायी जा रही है। यह मूल विधि के साथ की जा रही अक्षम्य छेड़छाड़ है।

रक्षासूत्र बंधन का पृथक मंत्र

प्राचीनकाल से शुभ प्रसंगों में व प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन गुरु शिष्यों के हाथ पर व पुजारी और पुरोहित अपने यजमानों के हाथ पर सूत्र बांधते रहे हैं, जिसे रक्षासूत्र कहा जाता है। इसे ही आगे चलकर राखी कहा जाने लगा। वर्तमान में भी रक्षासूत्र बांधने की इसी परंपरा का पालन हो रहा है। आमतौर पर यह रक्षासूत्र बांधते हुए ब्राह्मण "येन बद्धो बली राजा दानवेंद्रो महाबलाः। तेन त्वामनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।" यह मंत्र कहते हैं जिसका अर्थ है, दानवों के महाबली राजा बलि जिससे बांधे गए थे, उसी से तुम्हें बांधता हूँ। हे रक्षे! रक्षासूत्र तुम चलायमान न हो, चलायमान न हो। लेकिन तथ्य बताते हैं कि माहेश्वरी समाज में रक्षासूत्र बांधते समय जो मंत्र कहा जाता था वह है "स्वस्त्यस्तु ते कुशलमस्तु चिरायुरस्तु"। इस मंत्र का उपयोग समाज के कुलगुरुओं ने उत्पत्ति के समय किया था।

माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति पर्व महेश नवमी अत्यंत उत्साह के साथ विभिन्न संगठनों द्वारा मनाया जाता है। फिर भी यह जानना जरूरी है कि हम इसे मनाऐं तो किस तरह? क्या है इसका धार्मिक विधान और क्या हैं। इसके आदर्श?

कैसे मनाऐं महेश नवमी पर्व

▶▶ सुमित्रा मूंदड़ा, मालेगांव

माहेश्वरी समाज के लिए यह दिन बहुत धार्मिक महत्व का होता है। इस उत्सव की तैयारी करीब तीन दिन पूर्व ही शुरू हो जाती है। जिनमें धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन उमंग और उत्साह के साथ होता है। जय महेश के जयकारों की गूंज के साथ चल समारोह निकाले जाते हैं। महेश नवमी के दिन भगवान शंकर और पार्वती की विशेष आराधना की जाती है। समस्त माहेश्वरी समाज इस दिन भगवान् शंकर और पार्वती के प्रति पूर्ण भक्ति और आस्था प्रगट करता है। जगत कल्याण करने वाले भगवान शंकर ने जिस तरह क्षत्रिय राजपूतों को शस्त्र छोड़कर व्यापार या वैश्य कर्म अपनाने की आज्ञा दी। यानि हिंसा को छोड़कर अहिंसा के साथ कर्म का मार्ग बताया। इससे महेश नवमी का यह उत्सव यही संदेश देता है कि मानव को यथासंभव हर प्रकार की हिंसा का त्याग कर जगत कल्याण, परोपकार और स्वार्थ से परे होकर कर्म करना चाहिए।

कैसे करें पूजा

महेश नवमी के दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर स्नान करें व शिव मूर्ति के समीप पूर्व या उत्तर में मुख करके बैठ जाएं। हाथ में जल, फल, फूल और गंध, चावल लेकर इस मंत्र से संकल्प लें- ''मम शिवप्रसाद प्राप्ति कामनया महेशनवमी-निमित्तं शिवपूजनं करिष्ये।''

यह संकल्प करके माथे पर भस्म का तिलक और गले में रूद्राक्ष की माला धारण करें। उत्तम प्रकार के गन्ध, फूल और बिल्व-पत्र आदि से भगवान शिव-पार्वती का पूजन करें। यदि किसी कारणवश शिवमूर्ति का सान्निध्य प्राप्त न हो सके तो भीगी हुई चिकनी मिट्टी को ''हराय नमः'' से ग्रहण करके ''माहेश्वराय नमः'' मंत्र का स्मरण करते हुए हाथ के अंगूठे के आकार की मूर्ति बनाएं। फिर ''शूलपाणये नमः'' मंत्र से प्रतिष्ठा और ''पिनाकपाणये नमः'' से आह्वान करके ''शिवाय नमः'' से स्नान कराएं और ''पशुपतये नमः'' से गंध, फूल, धूप,दीप और नैवेद्य अर्पण करें। इसके बाद इस प्रकार भगवान शिव से प्रार्थना करें-

''जय नाथ कृपासिन्धोजय भक्तार्तिभंजन।
जय दुस्तरसंसार-सागरोत्तारणप्रभो।।
प्रसीद में महाभाग संसारात्रतस्यखिद्यतः।
सर्वपापक्षयंकृत्वारक्ष मां परमेश्वर।।''

इस प्रकार पूजन करने के बाद उद्यापन करके शिव मूर्ति का विर्सजन कर दें। इस प्रकार महेश नवमी के दिन भगवान शिव का पूजन करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।

प्रतीक चिह्न के आदर्श को अपनाऐं

सेवा,त्याग सदाचार युक्त यह बोध चिन्ह सिर्फ बोध चिन्ह नहीं, अपितु समाज को गौरवान्वित करके जीवन में एक नई शक्ति प्रदान करने का द्योतक है।अतः इस बहुउद्देशीय बोध चिन्ह को हम अपने जीवन में भी स्वीकार करें।

ॐ- कमल की बीच पंखुडी पर अंकित है, ॐ। अखिल ब्रह्माण्ड का द्योतक, सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार, परमात्मा के अनेक रूपों का समावेश किए सगुण-निर्गुणाकार एकाक्षर ब्रह्म आदि से सारे ग्रंथ भरे पड़े हैं। हमारा समाज आस्तिक एवं प्रभु पर विश्वास एवं शृद्धा रखने वाला है। अतः ईश्वरीय शृद्धा का प्रतीक है, ॐ।

बेलपत्र- त्रिदलीय बिल्व पत्र हमारे स्वास्थ्य का द्योतक है। भगवान महेश के चरणों में अर्पित हैं, श्रद्धा युक्त बेलपत्र, जो शिव को परमप्रिय हैं।

सेवा- समाज का बहुत बड़ा ऋण हमारे ऊपर रहता है। अतः ये नहीं सोचें कि समाज ने हमें क्या दिया वरन समाज को हम क्या दे रहे हैं? ऐसी सेवा भावना होना चाहिए जैसे माता पुत्र की सेवा करती है, परंतु बदले में कुछ नहीं चाहती। सेवा में अनेक समस्याएँ आती हैं, जिन्हें हम सुलझा सकते हैं।

त्याग- त्याग की महिमा से तो हिन्दुओं के ही नहीं संसार के समस्त धर्मों के शास्त्र भरे पड़े हैं। हमारे पूर्वज सादगीपूर्ण जीवन अपनाकर बची पूँजी समाजोपयोगी कार्य में लगाकर स्वयं को धन्य मानते थे।

सदाचार- मानव जीवन में सदाचार का बहुत ऊँचा स्थान है। जिस व्यक्ति में, परिवार में, समाज में चरित्रहीनता, व्यसनाधीनता, अनैतिकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार आदि बड़े पैमाने पर व्याप्त हों तो उस समाज की उन्नति नहीं हो सकती और जब समाज प्रगति नहीं करता, तो उस देश की प्रगति नहीं होती । अतः व्यक्ति का सदाचारी होना आवश्यक है।

अपनी प्रतिभा का परचम फहराने वाले इस समाज की एक प्रतिभा ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई में भी अपनी सफलता का ध्वज फहरा दिया है। यह प्रतिभा है नासिक निवासी वृंदा राठी। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 71वीं रैंक प्राप्त की है।

SMT टीम

वृन्दा को JEE में 71 वीं रैंक

नासिक में अध्ययनरत व दुर्ग के प्रतिष्ठित राठी परिवार की बेटी वृंदा ने जेईई में अपनी सफलता का ध्वज फहराते हुए ऑल इंडिया में 71वीं रैंक प्राप्त की है। इसमें उन्हें 360 में से 321 अंक प्राप्त हुए हैं। वृंदा दुर्ग निवासी इंजीनियर नंदकुमार राठी व आर्किटेक्ट कृष्णा राठी की सुपुत्री तथा उद्यमी एवं अभा माहेश्वरी महासभा के मध्यांचल उपसभापति मोहन राठी व चंदा राठी की पौत्री हैं। इसी प्रकार वृंदा धामनगांव (विदर्भ) म्युनिसिपल कौंसिल के पूर्व चेयरमैन विजयप्रकाश व पुष्पलता भैया की नातिन हैं। सुश्री राठी अपनी सफलता का राज आत्म विश्वास से भरपूर व तनावमुक्त रहने को मानती हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कैसे पाई सफलता उनकी जुबानी...

▸▸ इस सफलता के लिए बधाई। यह बताएं कि आपने JEE मेन परीक्षा में ऑफलाइन मोड चुना था या ऑनलाइन? और इसका कारण क्या था?

मैंने ऑनलाइन एग्जाम दी थी। कारण यह है कि कि ऑफलाइन में समय अधिक लगता है और इसमें मेरे 20 मिनट बचे।

▸▸ क्या अब इंजीनियरिंग करना चाहती हैं?

नहीं, मैं IISC बैंगलोर से बी.एससी. करना चाहती हूँ। कारण यह है कि मुझे गणित विषय अधिक पसंद है। अतः आगे के लिये मैं यही चुनना चाहती हूँ।

▸▸ आपने JEE की तैयार कैसे की?

इसकी तैयारी मैंने 11वीं कक्षा से ही प्रारंभ कर दी थी। अधिकांशतः मैंने इसके लिये NCERT की पुस्तकें ही पढ़ी और वे पर्याप्त भी रहीं।

▸▸ बोर्ड की परीक्षा और JEE दोनों की तैयारी एक साथ कैसे की?

मेरा मुख्य लक्ष्य JEE ही था। अतः मैंने अलग से बोर्ड एग्जाम पर ध्यान अधिक नहीं दिया। उसकी पढ़ाई तो साथ-साथ चल ही रही थी। बोर्ड एग्जाम के लिये मैंने परीक्षा के पूर्व ही 15 दिन अलग से दिये थे।

▸▸ कौन से ऐसे मुख्य सूत्र हैं, जिसने आपको यह सफलता दिलवाई?

मैं इसका कारण अपने एक गुण को मानती हूँ कि मैं एग्जाम पीरियड में कोई तनाव नहीं पालती। मेरा मानना है कि इसी के कारण मैं इतना अच्छा कर पाई थी। फिर संगीत का शौक थके होने की स्थिति में तरोताजा कर देता है।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

राजकुमार काल्या

अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

Realistic

Life Time Satisfaction

Realistic Projects Pvt. Limited
Realistic Natural Resources Pvt. Limited

» Explosives » Real Estate » Mining
» Finance » Agro Farming

Basanti Lal Kalya | **Rajkumar Kalya** | **Sumit Kalya**

Station Road, Gulabpura 311021, Distt. Bhilwara (Raj.)
Ph. No. 224203/04, Fax No. 224605 E-mail : rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office : 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की मेरिट लिस्ट में भी माहेश्वरी प्रतिभा अपनी उपस्थिति का परचम लहरा रही है। इसमें उज्जैन के केशव राठी ने प्रदेश में चतुर्थ तथा उज्जैन जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

म.प्र. बोर्ड की मेरिट में उज्जैन का केशव माहेश्वरी

गत दिनों मप्र माशिमं का कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। इसमें गत वर्षों में कई बार उज्जैन जिला मेरिट लिस्ट में अपनी उपस्थिति से ही अधूता रहा जाता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसमें 96.20 प्रतिशत अंकों के साथ केशव माहेश्वरी ने राज्यस्तरीय मेरिट लिस्ट में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है। केशव ने गणित विज्ञान संकाय के अंतर्गत सभी विषयों में विशेष योग्यता ही प्राप्त की है। केशव समाज सदस्य सतीश व सीमा माहेश्वरी के सुपुत्र हैं। वे अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी आर्थिक परेशानियां के बावजूद माँ के स्नेह व सहयोग तथा अपने स्कूल उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य भरत व्यास व शिक्षक एन के जैन के मार्गदर्शन को देते हैं।

उन्हीं की जुबानी...

कैसे पाई यह शिखर की सफलता

▸▸ क्या आप बचपन से ही पढ़ाई के प्रति ऐसे जागरूक थे या बाद में हुए?

मैं नर्सरी से ही क्लास में टॉपर रहा और 80-90 प्रतिशत अंकों से कम कभी नहीं आये। दसवीं तक लोकमान्य तिलक स्कूल पानदरीबा तथा 11वीं व 12वीं में उत्कृष्ट स्कूल माधवनगर में पढ़ा। 10वीं कक्षा में 85 प्रतिशत अंक के आधार पर ही उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश मिला था।

▸▸ इस सफलता के लिये कठोर मेहनत करनी पड़ी होगी। आखिर आपकी दिनचर्या क्या रही?

मैं माँ के संस्कारों के कारण हमेशा ही सुबह 4.30 बजे उठ जाता हूँ। सुबह 5 से 6 बजे तक पढ़ाई करता, फिर तैयार होकर प्रातः 7.30 बजे से 12.30 बजे तक के लिये नित्य स्कूल जाता। वहाँ से घर आकर भोजन कर कुछ देर विश्राम कर दोपहर 1.30 बजे कोचिंग चला जाता और वहाँ से 6.30 बजे लौटता। घर का कुछ काम निपटाता, भोजन व विश्राम करता तथा रात में 7.30 से 10.30 बजे तक पढ़ाई करता और फिर सो जाता। बस यही दिनचर्या थी।

▸▸ आपका सपना क्या है?

मैं बचपन से ही आईएएस बनना चाहता हूँ। मेरा मानना है कि इससे मैं देश के लिये कुछ कर सकूँगा।

▸▸ क्या समाज के लिये कुछ नहीं करना चाहेंगे?

वास्तव में समाज और अपनों का तो मुझ पर ऋण ही है। मेरी पारिवारिक आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। अतः पढ़ाई के लिए कई लोगों का सहयोग मिला। यदि मैं समर्थ हो जाता हूँ तो न केवल मैं समाज के विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करूँगा, बल्कि जरूरतमंद विद्यार्थियों की हरसंभव आर्थिक मदद भी करूँगा।

SMT हेल्पलाईन ने मदद के लिए बढ़ाएँ हाथ

उक्त छात्र केशव अत्यंत प्रतिभावान है और भविष्य में आईएएस बनने का सपना संजोये है, लेकिन विडंबना यह है कि परिवार की जिम्मेदार पूर्णतः माँ पर ही है। उन्हें भीषण आर्थिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है। उच्च शिक्षा के लिये स्वयं के स्रोतों से व्यवस्था होना संभव नहीं है। अतः **श्री माहेश्वरी टाईम्स** समाज के सभी समर्थजनों से अपील करती है कि इस प्रतिभावान विद्यार्थी को उचित उच्च शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने में आर्थिक मदद अवश्य करें, जिससे आर्थिक परेशानियां बाधा न बनें। सहयोग राशि छात्र केशव माहेश्वरी के बैंक खाते में सीधे जमा की जा सकती है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है।

केशव माहेश्वरी - मो. 077709-17335
बैंक ऑफ इंडिया, छत्री चौक उज्जैन शाखा
Saving A/c. No.: 91001051009057

YARN

Grey P/V Dyed, 100% Polyester, 100% Viscose Poly/Acrylic, Sewing Thread, Carpet yarn, 100% Linen Blend, Catonic Blend, Fancy Yarn, Cotton Combed & Carded, Compact, Yarn with Spandex, Elite & OE Yarn.

FABRIC

Polyester / Viscose, Polyester / Cotton, Pure Cotton, PV Lycra & Polyester Woolen segment. Equipped with latest technology & computerised designing looms like high-speed Air Jet looms. Annual production capacity 30 million meter fabric.

DENIM

SBIT, IBST, Indigo of any caste, Pure Indigo shade of 0.5 to 4.5% Sulphur Dying, Over dyed fabric and flat finish.Denim Annual production capacity 40 million meter.

SEAMLESSS GARMENTS

Equipped with 36 seamless knitting machines. The plant is well equipped to produce active wear, intimate wear, outwear, maternity wear, shape wear and yogawear products. The plant has a capacity to produce 3.5 million pieces per annum. For more information visit us at www.c9fashion.com.

OTHER CSR INITIATIVES

Sangam School of Excellence
A world class school affiliated with (International Baccalaureate) IB, IGCSE & CBSE Boards

Sangam University
Where Aspiration meets Opportunity (Engineering & Management Studies)

Smt. Kesar Bai Soni Hospital
The Center of excellence for holistic healthcare

Sangam
Value through values

SANGAM GROUP - TEXTILE | STEEL | INFRASTRUCTURE | POWER
www.sangamgroup.com | info@sangamgroup.com | 1800-120-4009 (Toll Free)

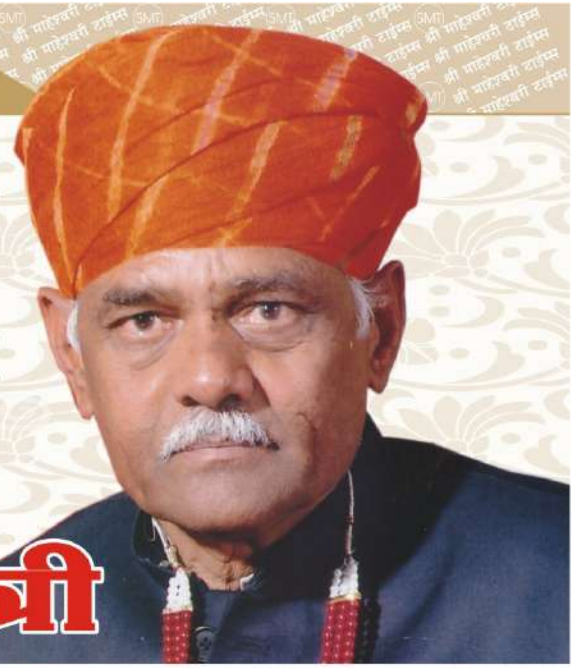

उन्होंने जहाँ भी कदम रखा एक नया इतिहास रच डाला। चाहे वह व्यवसाय जगत का खुला आकाश हो या पीड़ित मानवता की सेवा का पथ। यही कारण है कि उनके योगदानों के सामने हर कोई नतमस्तक हुए बिना न रहा। यह कहानी है, कुचामन सिटी निवासी ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी श्यामसुंदर मंत्री की, जिनकी पहचान आज पूरे शहर की पहचान बन चुकी है।

सेवापथ के "गौरव रत्न" श्यामसुन्दर मंत्री

व्यवसाय हो या सेवा जगत न सिर्फ कुचामन सिटी बल्कि कई सेवा संगठनों के लिये भी श्यामसुंदर मंत्री एक मिसाल हैं। आखिर हों क्यों नहीं उन्होंने जो भी किया अकल्पनीय ही किया। व्यवसाय जगत में शून्य से कदम रखा तो चंद वर्षों में देश के कोने-कोने पर छा गये। इसी प्रकार जब मानवता की सेवा के लिये पदार्पण किया, तो वहाँ भी अपना परचम फहराने में पीछे नहीं रहे। उन्हें संगठनों ने जो लक्ष्य दिया वे उस लक्ष्य पर भी कई गुना इस तरह खरे उतरे कि सभी के लिये मिसाल बन गये।

संघर्ष से जीवन की शुरुआत

श्री मंत्री का जन्म 26 नवंबर 1955 को कुचामन नगर के निकटवर्ती ग्राम हरिपुरा में श्री कल्याणचंद्र मंत्री व रामेश्वरी देवी के यहाँ हुआ। साधारण आर्थिक परिवेश में भी स्नातक स्तर तक अध्ययन किया। फिर नौकरी न करते हुए बिना पूंजी के भी कई प्रकार के छोटे-छोटे व्यवसाय से कॅरियर की शुरुआत की। मार्बल के व्यापार में कदम रखा तो वह दिन प्रतिदिन निखरता गया। आपमें व्यापार के प्रति चुनौती स्वीकारने का गजब का साहस है, जिससे वे बड़े फैसले भी सहज ले लेते थे, जो निरंतर कामयाबी के रूप में बदलते गये। मात्र 10 वर्षों में मार्बल जगत में एक विशिष्ट पहचान बना ली थी। व्यापार को किशनगढ़, जयपुर, दिल्ली, औरंगाबाद, नेल्लूर, हैदराबाद, भुवनेश्वर तक विस्तार कर सुदृढ़ आर्थिक स्थिति प्राप्त कर ली। स्वयं ने तो व्यापार में कामयाबी के शिखर को छुआ ही, साथ ही अपने सभी मित्रों, सहयोगियों एवं परिजनों को भी प्रोत्साहित किया तथा सहयोग कर विभिन्न स्थानों पर कामयाब रूप से स्थापित किया।

रक्तदान को बनाया अभियान

राजकीय चिकित्सालय में रक्त की कमी से घटित घटनाक्रमों में रक्त के महत्व एवं उपयोगिता को लेकर मन द्रवित हो उठा और स्वैच्छिक रक्तदान की जागृति के लिए बीड़ा उठा लिया। उनके प्रयासों से सन् 1993 में नगर में माहेश्वरी युवा संगठन कुचामन सिटी द्वारा पहला रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें 39 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। सन् 1996 से वर्ष 2000 तक प्रतिवर्ष शिविर का आयोजन किया गया। परिणाम स्वरूप नगर में लोग उत्साह से रक्तदान करने लगे। वर्ष 2002 से 2004 तक राज्यस्तरीय कीर्तिमान युक्त 321, 33, 345 ईकाई रक्त का संग्रहण कर इस क्षेत्र को नई पहचान प्रदान की। अब कुचामन का नाम रक्तदान के क्षेत्र में प्रदेश में प्रतिष्ठित रूप से स्थापित हो गया था। नागौर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के रूप में भी अनवरत जनसंपर्क कर पूरे जिले के ग्रामीण क्षेत्र में रक्तदान जागरूकता की नई रोशनी पैदा की। सन् 2011-12 में लायंस इंटरनेशनल प्रांत 323 ई 2 के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहते हुए आपने अपने 4 क्लब अजमेर, किशनगढ़,

अजमेर सिटी एवं कुचामन सिटी में इस वर्ष 1645 यूनिट रक्त संग्रहण किया। वर्ष 2012-13 के प्रांतपाल ने आपको रक्तदान समिति का पूरे प्रांत का सभापति बनाकर 5000 यूनिट रक्त संग्रहण करने का लक्ष्य दिया और उन्होंने 12468 यूनिट रक्त संग्रहण कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अगले वर्ष प्रांतपाल ने पुनः रक्तदान कमेटी का चेयरमैन बनाया और 10 हजार यूनिट रक्त संग्रहण का लक्ष्य दिया और उन्होंने फिर13017 यूनिट रक्त संग्रहित कर दिखाया।

सेवा के वृहद आयाम

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की शाखा कुचमान सिटी में स्थापित कर क्षेत्र में शल्य चिकित्सा के माध्यम से नगर एवं क्षेत्र को पोलियो के अभिशाप से मुक्त करवाने में आपने भागीरथी भूमिका निभाई। साथ ही हजारों विकलांगों को उपकरण वितरित कर आत्मनिर्भर भी बनाया। लायंस क्लब के माध्यम से नगर एवं क्षेत्र में अंधता निवारण हेतु अनेकों शिविरों के माध्यम से कार्य किया। इसी क्लब के माध्यम से सरकार के पल्स पोलियो अभियान में निरंतर सहयोग किया। बचपन से ही घर में गाय रखने की वजह से आपका गोमाता के प्रति विशेष लगाव रहा है। इन्हीं संस्कारों के कारण श्री मंत्री गोशाला से जुड़े एवं लगभग 9 वर्षों तक इस संस्था के अध्यक्ष रहे। अपने कार्यकाल में आपने गोशाला की 450 बीघा जमीन के एक बड़े भू-भाग पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य सम्पादित किया। स्थानीय प्रशासन की अनुशंसा पर निरंतर बड़ी संख्या में गौशाला में गायों की वृद्धि की एवं उनके चारे पानी एवं आवास की समुचित व्यवस्था की। इसी प्रकार पूज्य रामसुखदासजी महाराज के आशीर्वाद से गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति से जुड़कर कन्या भ्रूणहत्या के विरोध में जनजागृति अभियान चलाकर बेटी बचाने के आंदोलन में सार्थक भूमिका निभाई। नगर में बेटियों के उच्च अध्ययन के लिए एच.पी. काबरा गर्ल्स कॉलेज की स्थापना में विशेष भूमिका का निर्वहन किया। श्री मंत्री इस संस्था में पढ़ने वाली सभी छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष अपनी ओर से गणवेश के साथ-साथ जरूरतमंदों को निरंतर छात्रवृत्ति एवं पाठ्य सामग्री भी प्रदान करते हैं।

समाज की सेवा में भी समर्पित

नगर विकास के साथ आप समाज विकास में भी विशेष रुचि रखते हैं। महासभा के पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा की प्रेरणा से समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखा एवं नागौर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रहते हुए जिला स्तर पर प्रतिभावान छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए वृहद् कॅरियर गाइडेंस शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नगर में माहेश्वरी समाज सदन की जनोपयोगी स्थापना में अहम भूमिका निभाई। सतत क्रियाशील रहकर प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर समाज में एक नई छवि का निर्माण किया। इसी के साथ स्व. श्री रामदास अग्रवाल की प्रेरणा से अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन से जुड़कर प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर पद की जिम्मेदारियों का निवर्हन करते हुए अपनी एक राष्ट्रीय छवि का निर्माण भी किया। अपने पैतृक ग्राम हरिपुरा को गोद लेकर अनेक विकास कार्य सम्पादित करवाये। निरंतर राष्ट्रीय पर्वों पर हरिपुरा के छात्रों को समग्र रूप से प्रोत्साहित किया एवं कुचामन महाविद्यालय में पूज्य पिताश्री की स्मृति में 'कल्याणचन्द्र मंत्री इंडोर स्टेडियम' के निर्माण में सहयोगी बने। वर्तमान में समाज में श्री मंत्री अभा माहेश्वरी महासभा में संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) एवं राजस्थान प्रदेश वैश्य महासम्मेलन में संयुक्त महामंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

सेवा ने दिलाया सम्मान

श्री मंत्री को कई संस्थाओं ने उनकी सेवा के लिये सम्मानित किया है। इसके साथ ही वे नारायण सेवा संस्था शाख कुचमान सिटी, जनकल्याण सेवा समिति, कुचामन सिटी व लायंस क्लब चेरिटेबल ट्रस्ट कुचामन सिटी के अध्यक्ष, कुचामन विकास समिति के उपाध्यक्ष, भारतीय संगीत सदन संस्थान कुचामन सिटी के संरक्षक, श्री कुचामन पुस्तकालय कुचामन सिटी के ट्रस्टी, लायंस इंटरनेशनल प्रांत 323 ई 2 में प्रांतीय सभापति तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद में सदस्य की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। प्रशासन एवं सरकार स्तर पर भी आपको क्षेत्रीय, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। सन् 2002 में विकलांगता निवारण के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए भारत सरकार द्वारा सर्वोत्तम व्यक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजस्थान प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री मदनलाल खुराना द्वारा रक्तदान जागरुकता के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भास्कर समूह द्वारा इंडिया प्राइड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कुचामन नगर पालिका द्वारा कुचामन रत्न के रूप में भी सम्मानित किया गया। जिला स्तर पर जिला कलेक्टर, खंड स्तर पर उपखंड अधिकारी तथा तहसील स्तर पर प्रशासन द्वारा अनेकों बार सम्मानित किया गया।

क्या समाज संगठन में जरूरी है?

न्याय का अंकुश

समाज संगठन समाज के हित के लिये समाज द्वारा ही निर्मित संगठन है। संगठन की व्यवस्था भी ठीक वैसी होती है, जैसी देश की शासन व्यवस्था 'विशुद्ध प्रजातांत्रिक'। देश में भी इसी के अंतर्गत "जनता के लिये जनता द्वारा शासन व्यवस्था" होती है। महासभा हो या स्थानीय संगठन हमारी संगठनात्मक व्यवस्था में देश की व्यवस्था की तरह ही चुनावी व्यवस्था भी है, जिसमें मुख्य चुनाव अधिकारी तथा अन्य सहयोगी चुनाव अधिकारी होते हैं, जो विधानानुसार चुनाव करवाते हैं।

फिर भी कमी है क्या?

देश की प्रजातांत्रिक व्यवस्था के तीन प्रमुख आधार हैं। कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा विधायिका। इसमें चतुर्थ स्तंभ की भूमिका मीडिया निभाता है। हमारी संगठनात्मक व्यवस्था में विधायिका में ही कार्यपालिका अर्थात प्रशासन की शक्तियाँ भी निहित हैं। कारण यह है कि यह सामाजिक संगठन है, जिसमें कोई वैतनिक अधिकारी-कर्मचारी नहीं होते। निर्वाचित पदाधिकारी (विधायिका) ही अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से समस्त कार्य सम्पन्न करते हैं। वास्तव में थोड़ी परेशानी चाहे आ रही हो, लेकिन हमारी विधायिका अर्थात संगठन कार्यपालिका की जिम्मेदारी भी काफी हद तक सफलतापूर्वक निभा रहे हैं। चौथे स्तंभ के रूप में समाज की पत्र-पत्रिका हैं, जो हर संगठनात्मक कमी के खिलाफ आवाज बुलंद करती हैं। यहाँ इन पत्र-पत्रिकाओं को संगठन से पर्याप्त सहयोग प्राप्त नहीं होता, फिर भी वे अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। इसके बावजूद सबसे बड़ी तृतीय स्तंभ "न्यायपालिका" की कमी की पूर्ति तो आज तक संगठन कर ही नहीं पाया।

निष्पक्ष न्याय की कमी विवाद का कारण

यदि कुछ वर्षों की स्थिति देखी जाए तो दिल्ली, इंदौर, जयपुर आदि ही नहीं लगभग देश के अधिकांश संगठनों में विवाद की स्थिति बनी है। ऐसी स्थिति सिर्फ स्थानीय नहीं बल्कि स्थानीय से लेकर अंचल व प्रदेश तथा शीर्ष संगठन तक में बनी है। ऐसे मामले कई बार अत्यंत विकराल रूप ले चुके हैं और इनका जब संगठन स्तर पर समाधान नहीं हो पाया तो ये मामले समाज की सीमा से बाहर न्यायालय तक भी जा पहुँचे। ऐसे मामलों के न्यायालय में जाने का कई बुद्धिजीवियों ने विरोध किया और कहा कि ये मामले समाज हित में नहीं हैं। इसके बावजूद इनके सही समाधान की ओर किसी ने चिंतन नहीं किया।

आवाज को दबाना ही बड़े विवाद का कारण

किसी भी विवाद में शामिल पक्षों में से एक पक्ष की समस्या इसके समाधान को लेकर असंतुष्टि ही होती है। उनका आरोप रहता है कि उनकी वैधानिक आवाज को दबाया जा रहा है। वर्तमान में तो कतिपय संगठनों ने यहाँ तक व्यवस्था कर दी है कि यदि कोई संगठन का मामला कोर्ट ले जाता है, तो उसे 6 वर्ष के लिये संगठन से बहिष्कृत कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में समाज में आवाज उठने लगी है कि यदि समाज संगठन में किसी के साथ 'उसकी दृष्टि' में अन्याय हुआ है, तो वह न्याय की गुहार कहाँ लगाये? क्या ऐसे प्रतिबंध अप्रजातांत्रिक देशों की तरह जनभावना व उनकी आवाज को कुचलने वाले नहीं हैं? क्या इसमें संगठन के प्रति विश्वास घटता नहीं है?

कोर्ट जाना कितना सही?

समाज के जो बुद्धिजीवी समाज संगठन के आपसी मुद्दों को कोर्ट ले जाने का विरोध करते हैं, वे पूर्णतः गलत भी नहीं हैं। कोई भी मामला जब तक समाज में है, तब तक समाज का है और जब वह समाज के बाहर चला जाता है, तो आम हो जाता है। ऐसे में समाज की प्रतिष्ठा प्रभावित तो

होती ही है। इसके साथ ही इसमें समाज के समाजहित के लिये एकत्र धन का अपव्यय भी होता है और समाज की शक्ति का ह्रास भी होता है।

कैसे हो समस्या समाधान

संगठन की न्याय व्यवस्था वास्तव में कोई कोर्ट या खांप पंचायत न होकर पूर्णतः निष्पक्ष व सर्वसम्मति से समाधान निकालने का माध्यम हो। सर्वप्रथम हर मामला इसी व्यवस्था में जाएगा। यह मामलों का विधानानुसार सूक्ष्म अध्ययनकर इन मामलों की उचित सुनवाई के बाद ही निर्णय देगी। यदि इय निर्णय से कोई पक्ष संतुष्ट नहीं होगा, तो ही वह विवाद न्यायालय जाएगा। इससे समाज की जनभावना भी बच सकती है और साथ ही कोर्ट की ओर बढ़ती संगठन के विवादों की भरमार भी थमेगी। सिर्फ एक दम किसी को कोर्ट जाने से प्रतिबंधित कर देना तो उचित नहीं होगा। जब समाज में ही न्याय मिलेगा तो फिर कोई भी समाज के मामले बाहर क्यों ले जाएगा?

आंतरिक न्याय व्यवस्था है एक समाधान

इन समस्याओं का समाधान आंतरिक न्याय व्यवस्था से हो सकता है। यह गर्व का विषय है कि समाज में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जैसे कई शीर्ष कानूनविद् हैं, जो देश के कई गंभीर मामलों तक का निराकरण करते हैं। यदि समाज में ऐसे प्रबुद्ध कानूनविदों के सहयोग से आंतरिक न्याय व्यवस्था तैयार की जाए तो समाधान हो सकता है। यह व्यवस्था ठीक वैसी ही होगी, जैसी विभागीय मामलों के समाधान के लिये न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) की होती है। यह न्याय व्यवस्था पूर्णतः स्वतंत्र और निष्पक्ष हो तथा इसके निर्णय शीर्ष संगठन द्वारा भी मान्य हों। इससे यह न्याय व्यवस्था देश की व्यवस्था की तरह संगठन पर भी अंकुश की तरह ही कार्य करेगी।

क्या कहते हैं समाज के गणमान्यजन

समाज हित में आंतरिक न्यायिक व्यवस्था जरूरी

आपने जो मुद्दा उठाया है, वह प्रशंसीय है। समाज में भी असंतुष्टि पर कोर्ट जाना व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है, उसे रोका नहीं जा सकता। फिर भी यदि इससे समाज की छवि धूमिल होती है, तो समाज के कानूनविदों की एक संस्था बनाई जा सकती है, जो विवाद का सर्वमान्य हल निकाले। यह कदम वास्तव में समाजहित में होगा।

- न्यायमूर्ति बी.डी. राठी
पूर्व न्यायाधीश मप्र उच्च न्यायालय

जरूर बननी चाहिये माहेश्वरी लोक अदालत

यदि समाज के मुद्दों को कोर्ट जाने से रोकना है, तो समाज की अपनी लोक अदालत जरूरी है, जो स्वतंत्र संस्था हो और संगठन के दबाव में कार्य न करे। यह सौभाग्य की बात है कि समाज में न्यायमूर्ति आरसी लाहोटी जैसे कई न्यायविद् हैं। इसमें ऐसे कानूनविदों की पैनल बने जो निष्पक्ष रूप से बिना किसी दबाव के सर्वसम्मत निर्णय दे।

ब्रजकिशोर सूरजन
एडवोकट व कार्यसमिति सदस्य महासभा

निष्पक्षता के लिये यह जरूरी

समाज संगठन में आये दिन उठने वाले विवादों को रोकने के लिये एक स्वतंत्र तथा समाज की अपनी आंतरिक न्याय व्यवस्था जरूरी है। इसके लिये एक पैनल बनाया जाना चाहिये, जिसमें कम से कम दो गैर समाज के न्यायविद् भी शामिल हों। इससे किसी भी निर्णय में पूर्ण निष्पक्षता बनी रहेगी।

विमलादेवी साबू
पूर्व अध्यक्ष अभा माहेश्वरी महिला संगठन

स्वागत योग्य विचार

समाज की आंतरिक न्याय व्यवस्था का विचार वास्तव में प्रशंसनीय है। ऐसा करना समाज के लिये जरूरी है। किसी को जबर्दस्ती कोर्ट जाने से रोका नहीं जा सकता। इसके लिये ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जिसमें उसे निष्पक्ष व कानूनविदों के पैनल से न्याय मिले। यदि समाज में ही न्याय मिलेगा, तो फिर कोई कोर्ट क्यों जाएगा?

- घनश्याम तोषणीवाल (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कर्नाटक)

दोनों पक्ष हों संतुष्ट

यह विचार तो वास्तव में स्वागत योग्य है। इससे समाज के मुद्दे कोर्ट जाने से रुकेंगे, लेकिन समाज की गरिमा के लिये जरूरी है कि इस पैनल में केवल समाज के न्यायविद् ही शामिल हों। फिर इस व्यवस्था का औचित्य तभी है, जब ऐसे निर्णय लिये जाएँ, जिसमें दोनों पक्ष संतुष्ट हों। **- कमल भूतड़ा** (पूर्व अध्यक्ष अभा माहेश्वरी युवा संगठन)

स्वागत योग्य है यह विचार

वास्तव में समाज के अपने न्यायाधिकरण की स्थापना का विचार समयानुकूल है और आज समाज की मांग है। इससे निश्चय ही समाज के मामले कोर्ट जाने से रुकेंगे, लेकिन इसकी सफलता तभी है, जब यह दोनों पक्षों को अपने निर्णय से संतुष्ट कर दे। **-शोभा सादानी**
पूर्व अध्यक्ष-अभा.माहेश्वरी महिला संगठन

यह कदम आसान नहीं

संगठनात्मक व्यवस्था अत्यंत पैचिदी होती है। अतः इसमें ऐसी न्याय व्यवस्था तैयार करना आसान नहीं है। यह अत्यंत कठिन कार्य है और मेरी नजर में कितना सफल हो कहा नहीं जा सकता **- रामगोपाल मूंदड़ा**
पूर्व उपसभापति - अ.भा. माहेश्वरी महासभा

माहेश्वरी समाज का सबसे बड़ा खतरा
घटती जनसंख्या

माहेश्वरी समाज वर्तमान में देश का प्रथम एवं विश्व का द्वितीय सबसे सम्पन्न समाज है। इस स्थिति में हमें हमारे कठोर परिश्रम व हमारी ईमानदारी ने पहुंचाया है। लेकिन आज समाज भारी खतरे में है और यह खतरा कहीं बाहर से नहीं है। यह है हमारी घटती जनसंख्या। यदि यही स्थिति बनी रही तो कुछ वर्षों में ही हम विलुप्ति की ओर कदम बढ़ा देंगे।

▶▶ SMT टीम

विगत कुछ वर्षों पूर्व माहेश्वरी समाज की जनसंख्या अत्यंत संतोषप्रद थी। इसकी जनसंख्या सतत रुप से बढ़ती भी चली जा रही थी, लेकिन कुछ ही वर्षों में इसमें ठहराव आ गया और आज यह पतन की ओर बढ़ने की तैयारी कर रही है । किसी समय 20 लाख की आबादी समाज की मानी जाती थी, लेकिन वर्ष 2008 के आँकड़ों के अनुसार माहेश्वरी समाज की कुल जनसंख्या लगभग 12 लाख ही रह गई थी, जो अब तो और भी कम होगी। सांख्यिकी के आंकड़ों से देखें तो इनमें से मात्र 45% अर्थात 5.5 लाख जनसंख्या ही 22 से 35 वर्ष की आयु वालों की है। इनमें लगभग 3.2 लाख पुरूषों पर 2.2 लाख युवतियाँ हैं। आंकड़े देखें तो महिला और पुरुष की संख्या में भारी अन्तर आ गया है। इस अनुपात के अनुसार वर्तमान में प्रति हजार पुरूष पर मात्र 716 महिलाऐं ही रह गई हैं। इनमें से भी लगभग 15% युवतियों की इन्टकॉस्ट मेरिज होने से महिलाओं की संख्या में और भी इनकी कमी आ जाऐगी। ऐसी स्थिति में समाज के लगभग 25 % युवक या तो अविवाहित ही रह जाएंगे या फिर मजबूरी में अन्तर्जातीय विवाह करेंगे जिससे वे विशुद्ध माहेश्वरी नहीं रहेंगे। यह स्थिति समाज की जनसंख्या में कमी करने के बहुत बड़े कारक बनेंगे।

पारसी समाज से लें सबक

किसी भी समाज या सम्प्रदाय का अस्तित्व उसकी जनसंख्या से ही होता है। जनसंख्या घटी कि उसके साथ ही वह समाज तथा उसका अस्तित्व भी खतरे में आ जाता है। इसका ही एक ज्वलंत उदाहरण हमारे देश का पारसी समाज है, जो आज सतत रुप से विलुप्त होने के कगार की ओर बढ़ रहा है । लगभग एक सदी पूर्व पारसी समाज जनसंख्या की दृष्टि से इस देश ही नहीं, वरन् सम्पूर्ण विश्व में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता था, लेकिन अब स्थिति चिंताजनक बन चुकी है। इस समाज की जनसंख्या सतत् रूप से घटती जा रही है। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की एक खरब से अधिक की जनसंख्या में पारसी समाज मात्र 64 हजार की आबादी पर आ सिमटा है और यदि यही स्थिति बनी रही तो जनसंख्या के घटते पारसी समाज आगामी वर्ष 2060 तक पूर्णतः विलुप्त हो जाऐगा। खोजने से भी पारसी परिवार विश्व में दिखाई नहीं देंगे। दुर्भाग्य से माहेश्वरी समाज की स्थिति भी यही है। इसकी जनसंख्या भी हर साल निरन्तर घटती जा रही है।

कैरियर ओरिएण्टेशन विचारधारा

समस्या सिर्फ अन्तर्जातीय विवाहों से ही गम्भीर नहीं हो रही है, बल्कि कॅरियर ओरिऐन्टेड सोच के कारण जनसंख्या वृद्धि में भी भारी कमी आ रही है। एक तो इससे अन्तर्जातीय विवाहों में वृद्धि हो रही है दूसरे इसके कारण युगलों की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित हो रही है। यह स्थिति एक वैज्ञानिक तथ्य है, जो सभी समाजों पर समान रुप से लागू हो रहा है, फिर इससे माहेश्वरी समाज के बचने का तो कारण ही नहीं है । करियर की समस्याओं के कारण कई युगल एक से अधिक बच्चे से ही कतराने लग गये हैं । आंकड़े देखें तो वर्ष 2008 में ही प्रति युगल अनुमानित रूप से 1.2 बालक का अनुपात रहा। यह अनुपात आगामी वर्षों में और भी घट जाऐगा। इस तरह वर्ष 2008 से 2028 तक अधिकतम 2.20 लाख बच्चों का ही जन्म होगा। सांख्यिकी के आंकड़ों के अनुसार उत्पादकता का यह अनुपात वर्ष 2033 से प्रति युगल मात्र 0.5 बच्चे तक सीमित हो जाऐगा जिससे वर्ष 2033 से 2053 तक 45 हजार बच्चे ही उत्पन्न हो पाऐंगे। बच्चों की इस जन्म दर के घट जाने से इस अवधि के अन्त में उत्पादक युगलों की संख्या मात्र 20 हजार रह जाऐगी।

खतरे की पदचाप

इस प्रकार घटती जन्मदर के इस भयावह आंकड़े से यदि अनुमान लगाऐं तो इसके चलते वर्ष 2058 से 2078 तक मात्र 10 हजार बच्चे ही जन्म लेंगे। इनमें से भी 25 फीसदी अन्तर्जातीय विवाह में चले जाऐंगे और मात्र 4 हजार से भी कम युगल ही विशुद्ध रूप से माहेश्वरी समाज की संतति को उत्पन्न करेंगे। इसके बाद वर्ष 2083 से 2103 तक की अवधि तो जनसंख्या घटने के मामले में अत्यंत भयावह होगी। इस अवधि में संतान उत्पादकता में वैज्ञानिक कारणों से भी गिरावट आऐगी । इस अवधि में वैज्ञानिक विकास अधिक हो जाने से मानसिक श्रम की ही अधिकता हो जाऐगी। वैज्ञानिकों का मत है कि जब मानसिक श्रम अधिक होता है और शारीरिक श्रम नहीं के बराबर हो जाता है, तो इससे सर्वाधिक रुप से प्रजनन क्षमता ही प्रभावित होती है । इसके प्रभाव से कई युगल संतानहीन भी रह जाऐंगे और यह उत्पादकता दर प्रति युगल और भी घटकर मात्र 0.1 बच्चा प्रति युगल तक पहुँच जाऐगी। इसी तरह आँकड़ों के आधार पर देखा जाऐ तो वर्ष 2083 से 2103 तक की अवधि में सम्पूर्ण समाज में मात्र 2000 बच्चे ही जन्म लेंगे और इनमें से भी युवा हुए समाजजनों में से मात्र 800 युगल ही प्रजनक युगल के रूप में बचेंगे।

जागो बन्धु जागो

समाज संगठनों को आज की इस बदलती परिस्थिति पर भी चिंतन करना जरुरी है । संगठन जो समाज के हित के लिये कार्य कर रहे हैं और नई-नई योजनाऐं बनाते रहते हैं, वे सोचें कि यदि समाज ही नहीं रहेगा तो ये योजनाऐं काम किसके आऐंगी? जरूरत आज समाज को आर्थिक व शैक्षणिक रुप से तो सुदृढ़ करने की तो है ही, साथ ही जरुरत इस बात की भी है कि हम समाज में संस्कारों का रोपण करें। जब समाज अपनी जिम्मेदारी स्वयं समझेगा तभी हम अपने समाज को बचा सकेंगे। नई पीढ़ी को यह बताना जरुरी है कि वे अपना कॅरियर बना रहे हैं या पैसा कमा रहे हैं तो यह सबकुछ किसलिये कर रहे हैं? एक सुखी परिवार के बिना इसका कोई महत्व नहीं है। अतः आज कॅरियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने की सबसे बड़ी जरुरत है, जिससे दोनों में से कोई भी प्रभावित न हो।

उद्योग जगत की श्रेष्ठ विभूति युवाओं के दीप स्तम्भ एवं प्रेरक

(स्व. आदित्य विक्रम बिरला)

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

समाज के जरूरतमंद, उद्यमशील बन्धुओं को आत्म–निर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने की दिशा में

'अनूठा प्रयास'

SELF EMPLOYMENT
स्वरोजगार

Strength : 850 +Donors

Services : 4900 + Beneficiaries

ENTREPRENEURSHIP
उद्यमिता

क्या आप चाहते हैं अपने स्व व्यवसाय या उद्योग की शुरुआत करना

लेकिन धन की व्यवस्था नहीं है, कोई चिंता की बात नहीं..

हमें बताऐ अपनी परेशानी हम करेंगे आपकी मदद

आखिर अपने ही तो अपनो के काम आते हैं।

माहेश्वरी समाजजनों के स्व व्यवसाय की शुरुआत या विस्तार के लिये

3 लाख रुपये तक ऋण न्यूनतम ब्याज दर पर

वह भी आसान किश्तों में बिना किसी शर्त के।

शर्त एक ही आप भी बनें अपनों की उन्नति में सहयोगी

पदाधिकारी

पद्मभूषण राजश्री बिरला, मुंबई (अध्यक्ष)
श्री कस्तुरचंद बाहेती, चेन्नई (महामंत्री)
श्री श्यामसुन्दर काबरा, मुंबई (संयुक्त मंत्री)
श्री कमलकिशोर चांडक, जोधपुर
श्री सत्यनारायण लाहोटी, बीड
श्री अशोक कुमार जाजू, जलगांव
श्री जोधराज लड्ढा, कोलकाता
श्री पुरुषोत्तम सोमाणी, निजामाबाद
श्री रामगोपाल मूंदड़ा, सूरत
श्री रामबिलास सोनी, औरंगाबाद
श्री रामकुमार भूतड़ा, जालोर

पद्मश्री बंशीलाल राठी, चेन्नई (कोषाध्यक्ष)
श्री हरिकृष्ण झंवर, चेन्नई (अर्थमंत्री)
श्री नवलकिशोर राठी, चेन्नई
श्री बाबूलाल करवा, मुम्बई
श्री कृष्णगोपाल गट्टाणी, उदयपुर
श्री रामरतन मूंदड़ा, भाटापारा
श्री सुरेश राठी, नागौर
श्री जगदीशप्रसाद सोमाणी, भीलवाड़ा
श्री रमेश कुमार बंग, हैदराबाद
श्री शेखर चांडक, चेन्नई

सम्पर्क
4, रामानन रोड, चेन्नई
Phone : 25299052, 25299053 Email : avbmkendra@gmail.com

उत्तर भारत को दी तिरूपति मंदिर की सौगात

दक्षिण भारतीय शैली में ही 90 हजार वर्गफीट में भव्य तिरुपति मंदिर का निर्माण राजगढ़ जिले के जीरापुर कस्बे में हुआ है। इस मंदिर ने इस छोटे से कस्बे को उत्तर भारत के पर्यटन स्थलों में से एक बना दिया है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि उत्तर भारत को तिरुपति धाम की यह सौगात देने वाले भी एक माहेश्वरी ही हैं, ओ.पी. मूंदड़ा।

SMT टीम

ओ.पी. मूंदड़ा के जीवन की कहानी जीरापुरवासा गोविन्दा के उल्लेख के बिना अधूरी ही है। उत्तर भारत तिरुपति बालाजी जीरापुरवासा गोविंदा का मंदिर लगभग 90 हजार वर्गफीट क्षेत्र में पूर्णतया दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित है, जो जीरापुर आने वाले हर व्यक्ति के लिये आश्चर्य का केन्द्र तो होता ही है, साथ ही श्रद्धा का भी। इस मंदिर के निर्माण जैसे असंभव से कार्य को भी संभव बनाने वाले व्यक्ति श्री मूंदड़ा ही हैं। लगभग 15 वर्ष पूर्व देश के नक्शे में गुमनाम सा मध्यप्रदेश का छोटा-सा गाँव जीरापुर वर्तमान में भगवान व्यंकटेश (तिरूपति बालाजी) की कृपा से एक प्रमुख तीर्थ स्थल का रूप ले चुका है। हजारों तीर्थ यात्री नित्य ही यहाँ दर्शनार्थ आते हैं। जीरापुरवासा गोविन्दा मन्दिर राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र. के एक गाँव जीरापुर में स्थित है। इस मंदिर के प्रति भी श्रृद्धालुओं की वही श्रृद्धा है, जो तिरुमला स्थित श्री तिरूपति बालाजी के प्रति है।

पिता के सपने का साकार रूप

श्री श्रीधर ज्ञान प्रसार पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा स्थापित व संचालित श्री वेंकटेश देवस्थान की मनोकामना सन् 1984 में श्री मूँदड़ा के पिता श्री श्रीकिशनजी मूंदड़ा ने संजोयी थी। सन् 1985 में उनके स्वर्गवास के बाद यह कार्य ठंडे बस्ते में चला गया था। इस स्थिति को पत्नी शकुन्तला ने भाँप लिया और पत्नीधर्म का पालन करते हुए सर्व प्रथम अपने पति को तिरूपति बालाजी (आन्ध्रप्रदेश) के दर्शन हेतु प्रेरित किया। यह बात जून सन् 1993 की है। मन्दिर में प्रतिमा के समक्ष दोनों पति-पत्नी ने संकल्प लिया कि घर लौटते ही मन्दिर-निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ करेंगे और इसकी पूर्णता का समस्त भार बालाजी महाराज उठायेंगे। वास्तव में हुआ भी कुछ वैसा ही। वैसे तो परिवार ने आर्थिक व्यवस्था जुटाई थी, फिर भी वह अपर्याप्त थी। ऐसी स्थिति में नित्य आश्चर्यजनक रूप से अर्थ व्यवस्था होती और निर्माण भी इस तरह चलता जैसे विश्वकर्मा स्वयं कर रहे हों।

कैसे चला मंदिर निर्माण

वामन जयंती, भादवा सुदी द्वादशी विक्रम संवत् 2055 अर्थात 3 सितंबर 1998 को स्वामीजी झालरिया पीठाधीश्वर श्री घनश्यामचार्यजी महाराज के सान्निध्य में श्री वेंकटेश देवस्थान का भूमिपूजन हुआ और श्रीधर ज्ञान प्रसार पारमार्थिक ट्रस्ट ने वास्तु अनुसार 300 × 300 (90 हजार वर्गफीट) भूखंड पर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। दक्षिण महाबलिपुरम (चेन्नई) के कुशल शिल्पियों ने 71 इंच ऊंची व दो टन वजनी भगवान श्री बालाजी एवं 63-63 इंच व डेढ़-डेढ़ टन वजनी मां पद्मावती एवं मां गोदम्बा की मूर्तियां बनाईं। स्वामीजी महाराज के आदेशानुसार प्राण-प्रतिष्ठा तक सौ क्विंटल धान में इन मूर्तियों को शयन करवाया गया। पौराणिक व अर्वाचीन शिल्प सामंजस्य के साथ इस देवस्थान का निर्माण कार्य ढाई साल में पूरा हो गया पर स्वामीजी महाराज ने ज्योतिषाचार्यो के साथ चित्रकूट में 100 सालों के पंचांगों से गणना-परामर्श करके प्राण-प्रतिष्ठा (भगवान श्री बालाजी के श्री जीरापुर में जन्म का समय) की शुभ घड़ी एक साल बाद दर्शाई। तदनुसार 29 अप्रैल, 2001 को स्वामीजी के सान्निध्य में ही विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ।

कैसा है मंदिर

मंदिर में भगवान श्री बालाजी, मां पद्मावती एवं मां गोदम्बा यानी गोविंदा का संपूर्ण परिवार एक साथ विराजित है। भगवान श्रीगणेश, शिवजी, राधा-कृष्ण, मुरलीमनोहर, हनुमानजी, सरस्वती, लक्ष्मी एवं दुर्गा की उत्सव मूर्तियां स्थापित की गई हैं। मंदिर परिसर में बारह महीने अनुष्ठान व धार्मिक उत्सव होते हैं। पूर्वाभिमुख स्थापित इन मूर्तियों का तिरूपति स्थित मूल मंदिर की तरह प्रतिदिन मंगलगिरि स्वर्ण, रजत व ताम्र आभूषणों से शृंगार किया जाता है। प्रतिदिन प्रातः व सायंकाल मंदिर में अष्टायाम पूजा-अर्चना होती है। तद्नुसार प्रातः बेला में मंगला, शृंगार, बालभोग एवं राजभोग आरती, तो सायं बेला में उत्थान, संध्या आरती, राजभोग (सायंकालीन आरती) व शयन आरती के दर्शन होते हैं। नियमित पूजा-अर्चना के अलावा भक्तों द्वारा विशेष पूजा व लड्डू वितरण के लिए दक्षिण भारत की परंपरा का अनुकरण किया जाता है।

श्रद्धालुओं के लिये पर्याप्त व्यवस्था

श्री वेंकटेश देवस्थान के प्रवेश द्वार के ठीक सामने बनी है यज्ञशाला, जहां उत्सव व विशेष प्रसंगों पर यज्ञ अनुष्ठान होते हैं। यहां धार्मिक ग्रंथों व पुस्तकों का एक पुस्तकालय भी है। कथा भागवत व प्रवचन के लिए विशाल सत्संग हॉल बनाया गया। साधु-संतों एवं दर्शनार्थी भक्तों के आवास के लिए कई अतिथि कक्ष हैं। केश खंडन के अलावा स्नानादि के लिए विश्रामगृह बना हुआ है। यहां कभी स्व. श्रीकिशनजी मूंदड़ा परिवार की गौशाला थी। इस परिसर में सुबह-शाम आरती के समय स्वप्रेरणा से गायें आती हैं। गायों का दूध केवल भगवान की सेवा के काम में लिया जाता है। इस देवस्थान पर बाहर से आने वाले अतिथियों के लिए पूर्व सूचना पर निःशुल्क भोजन व्यवस्था है।

आप भी बन सकते हैं सहयोगी

यह देवस्थान म.प्र. सरकार के रजिस्टार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट कार्यक्षेत्र इंदौर द्वारा पंजीयन क्रमांक 807 दिनांक 20/06/2003 में रा.प्र.क्र. 33//113/1997-1998 द्वारा पंजीकृत होकर पब्लिक ट्रस्ट है। अतः वर्तमान में यह ट्रस्ट किसी एक व्यक्ति विशेष या किसी एक संस्था का नहीं अपितु समस्त भारत वर्ष में रहने वाले भगवान गोविंदा श्री तिरुपति बालाजी के प्रेमियों का है। वर्तमान में यहां श्रद्धालुओं का अत्यधिक संख्या में आगमन हो रहा है। इससे इन श्रद्धालुओं के आवास व अन्य सुविधाओं के लिए वर्तमान व्यवस्थाएँ अपर्याप्त लग रहीं हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सुविधाओं में वृद्धि का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत देवस्थान ट्रस्ट द्वारा दो सत्संग हाल, 44 एसी रूम मय लेटबाथ, एक भोजनालय तथा लिफ्ट का निर्माण शुरू किया गया है। इसमें भक्तों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। यदि आप भी निर्माण कार्य में सहयोगी बनने का अक्षय पुण्य लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं। इसके अंतर्गत 2 लाख या उससे अधिक राशि का आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाहओं का निर्मित संरचना (कक्ष आदि) पर नाम अंकित किया जाएगा।

न्यौछावर राशि आप ट्रस्ट के नाम से सीधे बैंक में आर.टी.जी.एस. के माध्यम से भेज सकते हैं-

श्री श्रीधर ज्ञान प्रसार पारमार्थिक ट्रस्ट जीरापुर

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

शाखा - ब्यावरा जिला-राजगढ़ (म.प्र.)

A/c No. 709502010002540 IFSC Code : 0570958

(ट्रस्ट को प्रदान की गई न्यौछावर राशि आयकर की धारा 80-जी के अंतर्गत छूट के लिए पात्र होगी।)

With Best Compliments From

Priyesh Periwal
B.Tech. (Mech.)
Director
+91 98249 99666
priyeshperiwal@gmail.com

Madanmohan Periwal
B.Com (Hons.); A.C.A.
Director
+91 98241 51296
pioneermmp@yahoo.com

Rajasthan Polytex
Private Limited

Office : 105, Shiv Textile Market, NR. Mahavir Market, Ring Road, Surat- 395002 Ph. : + 91 261 2322735

Factory : Plot No. 372, GIDC Pandesara, Near Gupta Dyeing, Surat - 395021 Ph. : + 91 261 2890571

पदयात्रियों की सेवा करता श्री महेश सेवा ट्रस्ट, बम्बोर

विविधताओं के देश भारत में लोगों की कई आस्थाएँ हैं, जिनके अलग-अलग रूप हैं। ऐसा ही एक रूप देखने को मिलता है, सावन पक्ष में। राजस्थान के जोधपुर-जैसलमेर रोड पर बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिये लाखों जातरू पैदल रामदेवरा जाते हैं। इनमें कई अन्य राज्यों से भी लोग पैदल ही दर्शन करने को आते हैं। बरसों से चली आ रही इस थाती में जगह-जगह पड़ाव होता है। जहाँ लाखों जातरू के लिये निःशुल्क चाय, भोजन, रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जाती है।

सेवा में माहेश्वरी समाज कभी पीछे नहीं रहा है। समाज की इसी सेवा के आदर्श की पताका फहरा रहा है, बम्बोर (जोधपुर) राजस्थान का श्री महेश सेवा ट्रस्ट। बाबा श्री रामदेव के दर्शन के लिये जाते पदयात्रियों की सेवा करके।

स्वाति ''सरु'' जैसलमेरिया

ट्रस्ट की अपनी भव्य धर्मशाला

श्री महेश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भंवरलाल राठी ने बताया कि सावन पक्ष की दूज से भाद्रपक्ष की दशम तक (अगस्त-सितंबर) चल रहे पैदल जातरुओं की सेवार्थ बनी धर्मशाला 11 एकड़ भूमि पर निर्मित की गयी है। इसमें एक बड़ा हॉल करीब 200 बाय 200 का बना है। 40-45 दिनों तक हर रोज करीब 10-12 हजार जातरुओं के लिये सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक चाय-नाश्ता, भोजन और रात्रि विश्राम व मेडिकल सुविधाओं का पूरा प्रबंध किया जाता है। अन्य दिनों में भी ये ट्रस्ट सेवार्थ खुला रहता है। पुणे के उद्योगपति धनराज राठी, रवि, राजेश राठी, भंवरलाल चांडक, मेघराज लोहिया, कानमल बाहेती, सत्यनारायण लघड़ सहित कई भामाशाहों द्वारा वहाँ का मंदिर, हॉल, किचन आदि निर्मित किया गया है। जोधपुर, सूरत, पुणे से हर साल प्रतिष्ठित लोगों से जो राशि प्राप्त होती है, उससे निःशुल्क भंडारा चलता है।

समाजसेवी गतिविधि का भी आयोजन

नेत्र आई कैंप, गठियाँ, जोड़ों का दर्द आदि चिकित्सा शिविरों का आयोजन होता है। कार्यकर्ता गोवर्धन भूतड़ा ने बताया कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी, अज्ञानता व जानकारी के अभाव में ग्रामीणजन समय पर उपचार नहीं मिल पाने से अंधत्व की चपेट में आ जाते हैं। इस ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर नेत्र शिविर में निःशुल्क चेकअप एवं मुफ्त दवाइयों का वितरण किया जाता है। राजस्थान की उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी द्वारा राजस्थान सरकार की ओर से 1 लाख 21 हजार लीटर पानी की टंकी की व्यवस्था की गई है। 40 दिनों में जातरुओं की व्यवस्था के साथ राजस्थानी एवं गुजराती कलाकारों द्वारा भजन के कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। हजारों भक्त इस भजन कार्यक्रम का आनंद लेते हैं।

आप भी बन सकते हैं सहयोगी

करीब 7 करोड़ की लागत से बम्बोर में ट्रस्ट द्वारा बाबा रामदेव का मंदिर बनकर लगभग तैयार होने के कगार पर है। इस ट्रस्ट में कोई सेवाधारी अपना योगदान या सदस्य बनना चाहें तो अध्यक्ष भंवरलाल राठी से 941413414 से सम्पर्क कर योगदान दे सकते हैं।

महेश नवमी के अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

RAJURI STEEL

मजबुत, सुरक्षित, विश्वसनीय.
www.rajuristeels.com

RAJURI STEELS

Plot No. F/15, Additional MIDC,
Jalna (Maharashtra) Phone : 02482-20577

।। जय महेश ।।

महेश नवमी महापर्व की
हार्दिक शुभकामनाऐं

माहेश्वरी समाज का यह उत्पत्ति पर्व
नव उत्साह व नवशक्ति
का संचार करें

सुनील मूँदड़ा

पूर्व महामन्त्री
अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
मो. 098299-05529

अंतराष्ट्रीय परिवार दिवस पर विशेष

अपनों को न होने दें बेगाना

कहते हैं पत्थर तब तक सलामत है, जब तक वो पर्वत से जुड़ा है, पत्ता तब तक सलामत है, जब तक वह पेड़ से जुड़ा है, व्यक्ति तब तक महफूज है, जब तक वह परिवार से जुड़ा है। परिवार का दर्द जड़ों से अलग होने का दर्द, बिछुड़ने का दर्द आप उनसे पूछिये जो स्वभावगत, दुर्योगवश अथवा अन्य किसी कारण से परिवार से अलग हो गये हैं। वर्षों अलग रहने के पश्चात पुनर्मिलन की उनकी व्यथा, विकलता बयां नहीं की जा सकती। इसीलिये तो कहते हैं कि रिश्तों में संवाद जारी रखिये, सभी दरवाजे भी बंद हो जायें तो एक खिड़की खुली रखिये, जहां जब आवश्यकता पड़े आप उन्हीं रिश्तों में सवेरे की सूर्यकिरणों की तरह पुनः प्रवेश कर सकें। अनेक बार, प्रमादवश, परिवार से बिछुड़ते समय हम कुछ नहीं सोचते, बाद में न सिर्फ सिर धुन-धुनकर पछताते हैं, पुनः मिलने के लिये किसी प्रकार के त्याग करने तक को तत्पर हो उठते हैं। यहाँ किसी गीत की यह पंक्तियाँ गौरतलब है, "हर कदम हमने मुड़-मुड़ के देखा तेरी महफिल से हम उठ तो आये, आज सोचा कि आंसू भर आये, मुद्दतें हो गई मुस्कुराये।"

व्यक्ति के पास कितनी ही धन-संपदा, वैभव, विलास क्यों न हो, वो सत्ता का शिखर पर ही क्यों न हो, कितना ही पढ़ा-लिखा, गुणी-ज्ञानी क्यों न हो? अगर उसके परिवार में सुख-सुकून नहीं है तो उसकी सारी उपलब्धियाँ गौण, व्यर्थ एवं बेकार हैं। अनेक डिग्री होकर भी अपनों के आंसू नहीं पढ़ पायें तो हमसे अनपढ़ भला कौन है?

हरिप्रकाश राठी,
जोधपुर

परिवार ही है सुख का आधार

निःसंदेह परिवार व्यक्ति, समाज सभी के लिये एक अहम ईकाई है। व्यक्ति के पास कितनी ही धन-संपदा, वैभव, विलास क्यों न हो, वो सत्ता का शिखर पर ही क्यों न हो, कितना ही पढ़ा-लिखा, गुणी-ज्ञानी क्यों न हो? अगर उसके परिवार में सुख-सुकून नहीं है तो उसकी सारी उपलब्धियाँ गौण, व्यर्थ एवं बेकार हैं। अनेक डिग्री होकर भी अपनों के आंसू नहीं पढ़ पायें तो हमसे अनपढ़भला कौन है? परिवार की इसी महत्ता के मद्देनजर हमारे ज्योतिर्विदों ने कुंडली के बारह घरों में एक घर अर्थात दूसरा घर कुटुंब घर रखा है। यह घर व्यक्ति की संपदा एवं कोष का भी है। अर्थात हमारे संतों, ज्योतिर्विदों ने परिवार को ही असल संपत्ति माना। जैसे धन खो देने वाला व्यक्ति दिवालिया हो जाता है, परिवार खो देने वाला व्यक्ति भी संवेदना एवं स्नेह के स्तर पर दिवालिया हो जाता है। परिवार हमें ऊर्जा देता है, रिज्यूविनेट करता है, हौसला देता है, स्पॉंज की तरह हमारे सारे दुःखों को सोखता है। हम सभी परिवार के लिये ही तो दौड़ रहे हैं, तो फिर जिसके लिये दौड़ रहे हैं, उससे जुड़ा रहना भी हमारा कौशल, दायित्व एवं धर्म नहीं है, क्या? गुण-दोष सभी में होते हैं, हम हंस की तरह नीर-क्षीर विवेक का आश्रय लें, दोषों के पानी को छोड़ गुणों के मोती चुगें। जीवित व्यक्ति के गले में एक माला का भी महत्व है, मुर्दे पर सौ माला भी क्या करेगी? जीवित व्यक्ति के लिये प्रशंसा के दो बोल उसका एवं आपका जीवन बदल सकता है। मुर्दे तो सभी अच्छे होते हैं, लेकिन वे प्रशंसा सुनते हैं क्या?

क्यों शुरुआत हुई परिवार दिवस की

पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण, हठधर्मिता, अतिमहत्वाकांक्षा, अहंकार, टीवी, वाट्सअप, इंटरनेट के दुष्प्रभाव एवं अन्य कारणों के चलते हमारे चिरपोषित संस्कार नष्ट हो गये हैं। यह बात हमारे देश पर ही नहीं पूरे विश्व पर लागू होती है। यूएनओ ने समग्र स्थिति का आकलन कर वर्ष 1994 से अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने का ऐलान किया है एवं यह दिवस प्रतिवर्ष एक अभिनव थीम/संकल्प के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2017 का थीम एक स्वस्थ, संतुलित परिवार की वकालात करता है। एक ऐसा परिवार जहां सबको विकास के समान अवसर मिलें, जेंडर इक्वीलिटी हो एवं जहाँ सभी तन-मन से निरोग रहें। कोई भी व्यक्ति अगर अपने परिवार को स्वस्थ, सुखी, संगठित रखने में कामयाब है तो इससे बड़ी समाजसेवा एवं राष्ट्रसेवा तो हो ही नहीं सकती। कड़ी से कड़ी मिलकर ही तो एक मजबूत जंजीर का निर्माण करती है। इंटरनेशनल डे ऑफ फेमिली, इसीलिये परिवार की बात तो करता ही है, चिरपोषित संस्कारों के पोषण की महत्ता भी रेखांकित करता है। परिवार एंव संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। विश्वभर में इस दिन विषयान्तर्गत सेमिनार, वर्कशॉप आदि आयोजित किये जाते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण रहे हमेशा परिवार

आप धन-दौलत-वैभव-कारोबार के लिये जितना दौड़ना चाहते हैं, दौड़िये पर हर समय यह तथ्य सिरमौर रहे कि इस दौड़ में परिवार पीछे न छूट जाए। सब कुछ लुटा के होश में आये तो क्या किया? परिवार जिंदा रखने के लिये बड़े-बुजुर्गों को आदर दें। हमारे बच्चे जैसा देखेंगे वैसा ही करेंगे। मैंने अब तक एक भी परिवार ऐसा नहीं देखा जहां पुत्र ने माता-पिता को आदर दिया एवं उसके बच्चों ने पुनः वैसा नहीं किया। कुएं में जैसे हुंकारेंगे, वही लौटकर आएगा। अपने परिवार को प्रेम, सौहार्द की रस्सियों में बांधकर रखें। रिश्ते, पौधों की तरह अहसासों की नमी में पल्लवित होते हैं। सूखी रेत भी मुट्ठी से निकल जाती है। अपनों को समय-समय पर उपहार देते रहें। गलती होने पर क्षमा मांगने से गुरेज नहीं करें। अपनों को रूठकर न जाने दें, उन्हें समय रहते मना लें। हमारी जरा-सी लापरवाही से अपना ही घड़ीभर में बन जाता है, बेगाना, जैसी गलती सिद्ध न हो जाये। महासभा के पूर्व पदाधिकारियों ने भी इसी परिवार एवं पारिवारिक सुख की महत्ता को सिरे से समझा। दशक पूर्व इस समस्या पर गहन चिंतन हुआ। मैं स्वयं भी महासभा की 'परिवार परिवेदना निराकरण समिति" का दस वर्ष तक संयोजक रहा। इस दरमियान देशभर में खोले सौ से अधिक प्रकोष्ठों ने हजार से ऊपर प्रकरण सुलझाये। वर्तमान में महासभा ने भी इस हेतु 'विवाद निवारण समिति' का गठन कर इस मशाल को आगे बढ़ाया है।

महेश नवमी के पर्व पावन अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं
समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा
प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज
जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

कई गंभीर रोगों की जड़ एसिडिटी

वर्तमान दौर में हर दूसरा-तीसरा व्यक्ति एसीडिटी की समस्या से ग्रस्त है। हम इसे छोटी-मोटी शारीरिक परेशानी मानकर अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना उचित नहीं है। वास्तव में यह तो अपने नाम के अनुरूप ऐसी खतरनाक समस्या है, जो कई नई बीमारियों का कारण बनकर स्वास्थ्य को भयानक रूप से चौपट करने में पीछे भी नहीं रहती।

▸▸ कैलाश लड्ढा, जोधपुर

क्या है एसिडिटी?

हम जो खाना खाते हैं, उसका सही तरह से पचना बहुत ज़रूरी होता है। पाचन की प्रक्रिया में हमारा पेट एक ऐसे एसिड को स्रावित करता है, जो पाचन के लिए बहुत ही ज़रूरी होता है। पर कई बार यह एसिड आवश्यकता से अधिक मात्रा में निर्मित होता है, जिसके परिणामस्वरूप सीने में जलन और फैरिंक्स और पेट के बीच के पथ में पीड़ा और परेशानी का एहसास होता है। इसी हालत को एसिडिटी या एसिड पेप्टिक रोग के नाम से जाना जाता है। सामान्य शब्दों में कहें, तो शरीर में एसिड अर्थात् अम्ल की सामान्य से अधिक मात्रा को ही एसिडिटी कहते हैं। एसिड को बोलचाल की भाषा में कहें तो तेजाब होगा। सोच लें एसिड या तेजाब कितना खतरनाक होता है? जब पेट में इसकी अधिकता रहेगी तो यह आंतों की क्या स्थिति बनाऐगा?

कैसे पहचानें?

आमतौर पर हर समस्या की तरह एसीडिटी के हमेशा एक जैसे सामान्य लक्षण नहीं होते। फिर भी कुछ निर्धारित लक्षण हैं, जिससे इसे पहचाना जा सकता है। पेट में जलन का एहसास, सीने में जलन, मतली का एहसास, डीसपेपसिया, डकार आना, खाने-पीने में कम दिलचस्पी, पेट में जलन का एहसास आदि। ये ऐसे लक्षण हैं, जिनकी उपस्थिति एसिडिटी के खतरे की घंटी हो सकती है। फिर भी योग्य चिकित्सक से परामर्श ले लेना ही अधिक उचित है।

कैसे बचे एसिडिटी से

विटामिन बी और ई युक्त सब्जियों का अधिक सेवन करें। व्यायाम और शारीरिक गतिविधियाँ करते रहें। खाना खाने के बाद किसी भी तरह के पेय का सेवन ना करें। बादाम का सेवन आपके सीने की जलन कम करने में मदद करता है। खीरा, ककड़ी और तरबूज का अधिक सेवन करें। पानी में नींबू मिलाकर पियें, इससे भी सीने की जलन कम होती है। नियमित रूप से पुदीने के रस का सेवन करें। तुलसी के पत्ते एसिडिटी और मतली से काफी हद तक राहत दिलाते हैं। नारियल पानी का सेवन अधिक करें। नींबू और शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से, पेट की जलन शांत होती है।

कुछ सामान्य आयुर्वेदिक उपचार

▸▸ **अश्वगंधा:** भूख की समस्या और पेट की जलन संबधित रोगों के उपचार में अश्वगंधा सहायक सिद्ध होती है।

▸▸ **बबूना:** यह तनाव से संबधित पेट की जलन को कम करता है।

▸▸ **चन्दन:** एसिडिटी के उपचार के लिए चन्दन द्वारा चिकित्सा युगों से चली आ रही चिकित्सा प्रणाली है। चन्दन गैस से संबधित परेशानियों में ठंडक प्रदान करता है।

▸▸ **चिरायता:** चिरायता के प्रयोग से पेट की जलन और दस्त जैसी पेट की गड़बड़ियों को ठीक करने में सहायता मिलती है।

▸▸ **इलायची:** सीने की जलन को ठीक करने के लिए इलायची का प्रयोग सहायक सिद्ध होता है।

▸▸ **हरड़:** यह पेट की एसिडिटी और सीने की जलन को ठीक करता है।

▸▸ **लहसुन:** पेट की सभी बीमारियों के उपचार के लिए लहसुन रामबाण का काम करता है।

▸▸ **मेथी:** मेथी के पत्ते पेट की जलन डिस्पेप्सिया के उपचार में सहायक सिद्ध होते हैं।

▸▸ **सौंफ:** सौंफ भी पेट की जलन को ठीक करने में सहायक सिद्ध होती है। यह एक तरह की सौम्य रेचक होती है। यह शिशुओं और बच्चों की पाचन व एसिडिटी से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए भी मदद करती है।

विशिष्ट आयुर्वेदिक उपचार

अविपत्तिकर चूर्ण, वृहत पिप्पली खंड, खंडकुष्माण्ड अवलेह, शुण्ठिखंड, सर्वतोभद्र लौह, सूतशेखर रस, त्रिफला मंडूर, लीलाविलास रस, अम्लपित्तान्तक रस, पंचानन गुटिका, अम्लपित्तान्तक लौह जैसी आयुर्वेदिक औषधियाँ एसिडिटी कम करने में उपयोगी होती हैं लेकिन इनका प्रयोग चिकित्सक के निर्देशानुसार ही करें।

With Best Compliments From

CA Suresh Kumar Kabra
B.Com, FCA, L.L.B. DISA (ICAI)
Treasure -
Gujrat Prantiya Maheshwari Sabha

1006, Rathi Palace, Ring Road, Surat - 2
Tel : 2320131, 3109696 Mob. : 98250 59665
E-mail : cakabra@gmail.com, info@cakabra.in

With Best Compliments From

Aditya Group

36, 1st Floor, Reshamwala Market, Ring Road, Surat - 2
Ph : (A/C) 3325060 (R/G) 3325061 (O) 3343888-77

Web - www.adityagroupindia.com
E-mail : adityagroups@yahoo.com

With Best Compliments

Smt. Prakash Mundhra

Ram Gopal Mundhra

Mundhra Lighting Centre

Supplies to Electricity Boards, power corporations
END SEAL Heat Shrinkable Cable Jointing Kits
11kv to 66 kv line materials
Since 1975

Corporate office
:Mundhra Chambers" # 87, 21st Main Road, Banashankari 2nd Stage,
Near BDA Complex, Bangalore - 560070
Phone : 26713802, 41222140, M.P : 093418 23353
Email : mundhralighting@gmail.com

।। महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

उत्तर बंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट - सिलीगुड़ी

माहेश्वरी भवन

अग्रसेन रोड, सिलीगुड़ी
दूरभाष : (0353) 2501466
मो. : 96146 93370

स्थापित 1976

आगामी स्वप्न परियोजना

उत्तर बंग माहेश्वरी कॉलेज

रानीडांगा, जिला : दार्जिलिंग
एसएसबी मुख्यालय के विपरीत
E-mail : ubmcollege@gmail.com
(भूमि पूजन एवं शिलान्यास सम्पन्न 6 मई 2017)

माहेश्वरी सेवा सदन

स्टेशन फिडर रोड, सिलीगुड़ी
दूरभाष : (0353) 2501061
मो. : 96146 93371

स्थापित 1999

तुम आती क्यो नहीं गौरैया

कीर्ति राणा, उज्जैन
Mo. : 8989789896

एक सप्ताह तक तो घर की मुंडेर पर चिड़िया, गिलहरी अण्डे की जैसे महा पंचायत लगा करती थी। रोटी खत्म हो जाती तो चोंच से बर्तन को नीचे धकेल कर गौरैया अपनी भाषा में संकेत कर देती थी कि इसमें रोटी के टुकड़े डाल दो। अब वह दृश्य नजर नहीं आते परिंदों के अचानक इस तरह रुठ जाने से पत्नी को चिंता सताए रहती है कि आखिर कहां चली गई गौरैया...!

रोज की तरह घर की मुंडेर पर मिट्टी के सकोरे में पानी और प्लास्टिक की गोल टोकरी में रोटी के टुकड़े रख दिए। पिछले सात दिन से यही क्रम चल रहा था। सुबह पत्नी सकोरे का पानी और टोकरी में सूख चुकी रोटी के टुकड़े घर के बाहर मैदान में फेंक देती और नए सिरे से रोटी, पानी भर कर रख देती।

काफी देर मुख्य द्वार के निकट बैठ, टकटकी लगाए देखती भी रहती कि शायद चिड़िया आ जाए। कुछ खा जाए रोज के इस क्रम में निराशा के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा था। गर्मी थी कि तेज होती जा रही थी और पत्नी की चिंता भी बढ़ती जा रही थी कि पहले तो सुबह से ही चिड़िया, गिलहरी, कौवों का आना-जाना लगा रहता था। सुबह के दो-तीन घंटे इन पक्षियों की महापंचायत लगी रहती थी कोई सकोरे में चोंच डुबा कर गर्दन आकाश की तरफ ऊंची उठा लेता तो कोई टोकरी से रोटी का टुकड़ा पानी में डालकर नर्म होने का इंतजार करता। भूरे रंग वाली गौरैया के साथ ही स्याह काले रंग वाली, तो काले रंग पर सफेद चकत्ते वाली चिड़ियाओं के झुंड के साथ ही कौवे और गिलहरी की सुबह 6 बजे से ही दाना-पानी के सकोरे वाली उस मुंडेर पर आवाजाही शुरू हो जाती थी। रोटी, चावल वाले उस बर्तन में कभी सामान खत्म हो जाता था, तो चिड़ियों का झुंड उस बर्तन को चोंच से धकेल कर नीचे गिरा देता था। कौन कहता है कि परिंडों की भाषा नहीं समझी जा सकती? उस बर्तन के नीचे गिरने की आवाज सुनते ही पत्नी दो रोटी, बिस्कुट के टुकड़े, तो कभी दाल-चावल लेकर बाहर आती और उस बर्तन में डालकर मुंडेर पर रख देती। जैसे ही वह बर्तन से दूर होती कि फुर्र-फुर्र करती चिड़ियों का झुंड मुंडेर पर आ जाता। इस बर्तन का बचा भोजन अगली सुबह सड़क किनारे फैंकते ही मुर्गियों का झुंड उमड़ पड़ता था।

करीब सप्ताह से हालत यह थी कि दाना-पानी भरे सकोरे ऐसे ही पड़े रहते थे। यही चिंता सता रही थी कि आखिर कहां चली गई चिड़िया, क्यों आना छोड़ दिया? एक दिन पत्नी ने ही इस रहस्य का पता भी लगा लिया। खुद ने ही रहस्योद्घाटन किया कि जिस दिन से कॉलोनी के सामने वाले खाली प्लाटों पर उगी झाड़ियाँ, आंकड़े के पौधे आदि उखाड़ने के साथ ही सूअरों का ठिकाना जमींदोंज करने के लिए नगर निगम ने प्लाटों पर जेसीबी चलाई उसके दूसरे दिन से चिड़िया, गिलहरी आदि भी नहीं आ रही हैं, क्योंकि इन्हीं हरी झाड़ियों पर इन सबका निवास था। यहां-वहां उड़ते हुए जब थक जाती थीं, तो ये झाड़ियां ही उनका आश्रय स्थल थीं। कॉलोनी के खाली प्लाटों पर नगर निगम द्वारा चलाई गई जेसीबी के बाद ऐसे सारे प्लॉट कुछ समतल से नजर आने लगे थे, इन झाड़ियों की छांव में डेरा डाले रहने वाला सूअर परिवार भी अब नजर नहीं आता था।

एक तरफ से इस स्वच्छता अभियान से कॉलोनी की सूरत कुछ निखर जरूर गई थी किंतु चिड़ियों के गायब हो जाने की वजह भी झाड़ियों को साफ किया जाना ही था। झाड़ियां और छांव वाले स्थान लगभग समाप्त होते जा रहे थे। इसी कारण गौरैया भी अब कम नजर आती थी।

बचपन के वो दिन याद आते हैं जब माँ, नानी आदि दाल-चावल बनाने के लिए ऊँचे ओटले पर चाँवल बीनने लगती थी। हम भी आसपास ही बैठे रहते और उस थाली से बिने हुए चावल की मुट्ठी भर कर ओटले के कोने की तरफ उछाल देते थे। कुछ पल में ही गौरैया का झुंड यहां-वहां बिखरे चावल के दानों को चोंच में समेट कर फुर्र हो जाता था। लगभग यह रोज का नियम था, जिस दिन चावल नहीं होते तो रोटी, बिस्किट के टुकड़े कर के बिखेर देते थे। यह सिलसिला तब खत्म हो गया जब पुराने मकानों के स्थान पर बहुमंजिला इमारतें बनने के साथ ही हरियाली भी खत्म होती चली गई।

यही सारे कारण है कि अब गौरैया बहुत कम नजर आती है। पक्षियों के लिए पेड़ नहीं बचे ऐसे में कार रखने के लिए जब दूर-दूर तक छांव का टुकड़ा नजर नहीं आता, तब लगता है कि अपने हिस्से की छांव चाहिए तो पौधा लगाने का काम किसी ओर को नहीं खुद हमें ही करना होगा। आंगन में चिड़ियां आ सकती हैं लेकिन दाना-पानी वाले सकोरे रखना ही पर्याप्त नहीं है, घर के समीप एक-दो पेड़ की छाया भी जरूरी है। गर्मी में परिंदों की हालत देखकर हम सब का मन पसीजता है, तो माना जा सकता है कि अभी संवेदनशीलता हम सब में बची हुई है। गर्मी में परिंदों को दाना-पानी और बारिश से पहले एक-एक पौधा लगाने का संकल्प कर लिया जाए, तो हर्ज क्या है?

नोंदणी क्र. MSCS/CR/543/2012
राजस्थानी मल्टीस्टेट
को-ऑप.क्रेडीट सो. लि. परळी वैजनाथ
मुख्य शाखा- हालगे गल्ली, मोंढा, परळी वैजनाथ-431515, फोन-222580/780
अध्यक्ष चंदूलाल बियाणी
उपाध्यक्ष बालचंद लोढा
सचिव बद्रीनारायण बहेती
सहसचिव पी.डी. अग्रवाल
संचालक मंडल- अभयकुमार वाकेकर, अशोक जाजू, सौ. मधुमती पोकरण, विजयकुमार लड्डा, सतीश सारडा, कचरुलाल उपाध्याय (तज्ञ संचालक)
कार्यकारी अधिकारी : व्ही.बी. कुलकर्णी
आपल्या स्वप्नपूर्ती साठी आपुलकीचा हातभार...
स्थानिक सल्लागार: ॲड. रामकिशन डी.बाहेती, बद्रीप्रसाद एन. राठी, डॉ. श्रीकिशन आर.बाहेती, प्रशांत एस.देसरडा, सौ. शोभा व्ही. बागला, काशिनाथएस.दरक, शिवप्रसाद एस.बलदवा, जगदीश एम. बियाणी, संजय ओ. कावरा, नंदकिशोर आर. झंवर, सौ. छाया एस. धुत, अमित आर. बाहेती (सी.ए.), बालकिशन एस. बलदवा, महावीर एम. ढोले, सुनील एम. अग्रवाल
शाखा व्यवस्थापक : मनोज डी. चव्हाण
सोने तारण, वाहन तारण व पगार तारण कर्ज तात्काळ उपलब्ध
औरंगाबाद शाखा:- महेश नगर, जालना रोड, औरंगाबाद फोन- 2328733
परळी वैजनाथ पंचशिल नगर, (विद्यानगर-जलालपुर रोड) फोन : 222880
सिरसाळा मेन रोड फोन : 262580
अंबाजोगाई प्रशांत नगर, सुझुकी शोरुमच्या बाजुला बस स्टॅण्डच्या मागे, फोन : 245080
सोनपेठ सारडा कॉम्प्लेक्स, श्री बालाजी मंदिर समोर फोन : 240137

With Best Compliment From

M/s. Madhusudan Dyg. & Ptg. Mill Pvt. Ltd.

M/s. Sudarshan Tex. Pvt. Ltd.

M/s. Madhusudan Rayons Pvt. Ltd.

M/s. Laxminarayan Ind.

M/s. Sudamo Impex Pvt. Ltd.

रामगोपाल मूंदड़ा

उपसभापति (मध्यांचल), अ.भा. माहेश्वरी महासभा, सूरत
अध्यक्ष, राजस्थान परिषद्, सूरत
पूर्व गुजरात प्रदेश अध्यक्ष, अ.भा. वैश्य महासम्मेलन

madhusudan group

Ad. : 68, Radhey Market, Ring Road, Surat (Guj.) - 395002
Ph. : 0261-3258705 (F), **Fax :** 0261-2311000, 0261-2232012
Mo. : 097370-77777, **E-mail :** ramgopalmundra@gmail.com

''हमारा हृदय, मन और संकल्प एक से हों, जिससे हमारा संगठन कभी-भी न बिगड़े''

महेश नवमी के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन

कृष्णा जाजू
अध्यक्ष

हेमलता मोहता
सचिव

शोभा मूंदड़ा
कोषाध्यक्ष

▸▸ उपाध्यक्ष– श्रीमती रुकमणी भूतड़ा, उज्जैन, श्रीमती किरण डोडिया, तराना, श्रीमती चन्द्रिका मोहता, नागदा, श्रीमती जया बिंझानी, खाचरौद ▸▸ संगठनमंत्री– श्रीमती पुष्पा मल्लिका, उज्जैन ▸▸ संयुक्त सचिव- श्रीमती दीपा राठी, महिदपुर, श्रीमती ललिता राठी, तराना, श्रीमती पुष्पा लाठी, तराना, श्रीमती सीमा मालपानी, नागदा ▸▸ प्रचार सचिव - श्रीमती रितु समदानी, उज्जैन ▸▸ पदेन–प्रदेश अध्यक्ष - श्रीमती अरुणा बाहेती, खण्डवा ▸▸ पूर्व जिला अध्यक्ष - श्रीमती शोभा राठी, महिदपुर ▸▸ मार्गदर्शक - श्रीमती राधा असावा, खाचरौद, श्रीमती तारा कोठारी, उज्जैन, श्रीमती गीता तोतला, उज्जैन, श्रीमती उषा सोडानी, उज्जैन

भारतीय संस्कृति के सौलह संस्कार में गौमाता

▸▸ जयकिशन झँवर कोलकाता

भारतीय संस्कृति में मनुष्य जीवन के लिये 16 संस्कार अत्यंत महत्वपूर्ण माने गये हैं। आपको यह जानकारी आश्चर्य होगा कि इन 16 संस्कारों की पूर्णता गौमाता के बिना नहीं होती। शास्त्रों के इस विधान से गौमाता का महत्व स्पष्ट होता है कि क्यों गौमाता हमेशा से पूज्य रही है?

1. गर्भाधान संस्कार- यह ऐसा संस्कार है जिससे हमें योग्य, गुणवान और आदर्श संतान प्राप्त होती है। मनचाही संतान प्राप्त के लिए गौमाता को साक्षी मान, गौमाता की पूजा कर, गौमाता से प्रार्थना कर गर्भधारण संस्कार किया जाता है। इसी संस्कार से वंश वृद्धि होती है।

2. पुंसवन संस्कार- गर्भस्थ शिशु के बौद्धिक और मानसिक विकास के लिये यह संस्कार किया जाता है। जब बच्चा मां के गर्भ में होता है, तो बच्चों की मां को गाय का घी, दूध, दही, पंचगंतव्य का सेवन करवाया जाता है। इससे बच्चे का मानसिक-बौद्धिक विकास होता है। इस संस्कार के प्रमुख लाभ ये हैं कि इससे स्वस्थ, सुंदर व गुणवान संतान की प्राप्ति होती है।

3. सीमन्तोन्नयन संस्कार- यह संस्कार गर्भ के चौथे, छठवें और आठवें महीने में किया जाता है। इस समय गर्भ में पल रहा बच्चा सीखने के काबिल हो जाता है। उसमें अच्छे गुण, स्वभाव और कर्म का ज्ञान आए, इसके लिए मां को गौकथा, गौमाता से जुड़ी अच्छी बातें कहनी तथा सुननी चाहिये, उसी प्रकार आचार-विचार, रहन-सहन और व्यवहार करना चाहिये।

4. जातकर्म संस्कार- बालक का जन्म होते ही इस संस्कार को करने से शिशु के कई प्रकार के दोष दूर होते हैं। इसके अंतर्गत शिशु को गाय के दूध की बूंद, शहद और घी चटाया जाता है। साथ ही वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया जाता है ताकि बच्चा स्वस्थ और दीर्घायु हो।

5. नामकरण संस्कार- शिशु के जन्म के बाद 11वें दिन नामकरण संस्कार किया जाता है। ब्राह्मण द्वारा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गाय के सामने बैठकर बच्चे का नाम तय किया जाता है।

6. निष्क्रमण संस्कार- निष्क्रमण का अर्थ है, बाहर निकालना। बालक के जन्म के चौथे महीने में यह संस्कार किया जाता है। बच्चे को बाहर निकालने के समय प्रथम गौ पूजा कर गौचरणों की रज बालक को तिलक के रूप में लगाई जाती है। इससे बालक तेजस्वी बन जीवन में विजयश्री पाता है। साथ ही कामना करते हैं कि शिशु दीर्घायु रहे और स्वस्थ रहें।

7. अन्नप्राशन संस्कार- यह संस्कार बच्चे के दांत निकलने के समय अर्थात 6-7 महीने की उम्र में किया जाता है। इस संस्कार में बच्चे को गाय के घी-दूध से बना पंचामृत खिलाया जाता है, जिससे दांत जल्दी निकलते हैं। इस संस्कार के बाद बच्चे को अन्न खिलाने की शुरुआती हो जाती है।

8. मुंडन संस्कार- जब शिशु की आयु एक वर्ष हो जाती है, तब या तीन वर्ष की आयु में या पांचवें या सातवें वर्ष की आयु में बच्चे के बाल उतारकर बालक के सर पर गाय के गोबर का लेप लगाया जाता है। इससे बाल जल्दी आते हैं। यह सर में होने वाले रोगों को बचाता है। इस संस्कार से बच्चे का सिर मजबूत होता है तथा बुद्धि तेज होती है। साथ ही शिशु के बालों में चिपके कीटाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे शिशु को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है।

9. विद्यारंभ संस्कार- इसके आरंभ से बालक को गाय के गोबर से लीपे आंगन में बैठाकर पंच गौद्रव्य खिलाकर गौ सेवा संस्कार के माध्यम से उचित शिक्षा दी जाती है। शिशु को शिक्षा के प्रारंभिक स्तर से परिचित कराया जाता है।

10 कर्णवेध संस्कार- इस संस्कार में कान की बूटो पर गाय का गोबर लगाकर कान छेदे जाते हैं। इसके दो कारण हैं, एक आभूषण पहनने के लिये व दूसरा कान छेदने से एक्यूपंक्चर होता है। इससे मस्तिष्क तक जाने वाली नसों में रक्त का प्रवाह ठीक होता है। इससे श्रवण शक्ति बढ़ती है और कई रोगों की रोकथाम हो जाती है। कान छेदने के बाद भी नित्य बूटों पर गाय का गोबर लगाने से कान पकते नहीं।

11. उपनयन (यज्ञोपवित) संस्कार- इस संस्कार में बालक को गौमाता की साक्षी मानकर, गौमाता के दूध से बने घी से बने गौद्रव्यों का सेवन करवाकर उपनयन करवाया जाता है। नयन यानी आंख तीसरी आंख या विद्याअर्जन, उप यानी पास और नयन यानी ले जाना। गुरु के पास ले जाने का अर्थ है उपनयन संस्कार। आज भी यह परंपरा है। जनेऊ यानी यज्ञोपवित में तीन सूत्र होते हैं। ये तीन देवता- ब्रह्मा, विष्णु, महेश के प्रतीक हैं। इस संस्कार से शिशु को बल, ऊर्जा और तेज प्राप्त होता है।

12 वेदारंभ संस्कार- इसके अंतर्गत व्यक्ति को वेदों का ज्ञान दिया जाता है। गौसेवा ही सभी वेदों का सार है।

13. केशांत संस्कार- केशांत संस्कार का अर्थ है, केश यानी बालों का अंत करना, उन्हें समाप्त करना। विद्याध्ययन से पूर्व भी केशांत किया जाता है। मान्यता है, गर्भ से बाहर आने के बाद बालक के सिर पर माता-

पिता के दिए बाल हो रहते हैं। इन्हें काटने से शुद्धि होती है। शिक्षा प्राप्ति से पहले शुद्धि जरूरी है ताकि मस्तिष्क ठीक दिशा में काम करें। पुराने समय से गुरुकुल से शिक्षा प्राप्ति के बाद केशांत संस्कार कर सर पर मोटी शिखा रखी जाती है, और सिर पर गौमाता के पैरों की मिट्टी का लेप लगाया जाता है।

14. समावर्तन संस्कार- समावर्तन संस्कार का अर्थ है, फिर से लौटना। आश्रम या गुरुकुल से शिक्षा प्राप्ति के बाद व्यक्ति को फिर से समाज में लाने के लिए यह संस्कार किया जाता था। इसका आशय है, ब्रह्मचारी व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक रूप से जीवन के संघर्षों के लिए तैयार किया जाना। इसमें विद्याअर्जन कर बालक को अपने गुरु को दक्षिणा में गौदान करना आवश्यक होता है और जीवन भर गौवंशों की सेवा का संकल्प दिया जाता है।

15 विवाह संस्कार- यह धर्म का साधन है। विवाह संस्कार सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। इसके अंतर्गत वर और वधू दोनों साथ रहकर धर्म के पालन का संकल्प लेते हुए विवाह करते हैं। विवाह के द्वारा सृष्टि के विकास में योगदान दिया जाता है। इसी संस्कार से व्यक्ति पितृऋण से मुक्त होता है। इस संस्कार में विवाह के पूर्व हल्दी रस्म पर ब्राह्मण द्वारा गाय के गोबर का चौका लगाकर वर-वधू को पाट पर बिठाया जाता है और गौदूध का प्रक्षालन किया जाता है। परिणय सूत्र में बंधन के पश्चात ब्राह्मण को भूरसी के रूप के रूप में गौदान किया जाता है।

16 अंत्येष्टि संस्कार- इसका अर्थ है कि अंतिम संस्कार। शास्त्रों के अनुसार इंसान की मृत्यु यानि देह त्याग के बाद मृत शरीर अग्नि को समर्पित किया जाता है। शव यात्रा में शव को उठाकर उस जगह को गाय के गोबर से लीपा जाता है। आज भी शवयात्रा के आगे घर से गाय के गोबर से बने उपले में अग्नि जलाकर ले जाई जाती है। इसी से चिता जलाई जाती है और श्मशान में चिता पर गाय के घी की आहुति दी जाती है। दस क्रिया में गौदान किया जाता है। जिसने जीवन में गौसेवा की हो वो गाय की पूंछ पकड़कर वैतरणी पार कर जाता है।

With Best Compliments From

Rajesh Kothari
Director
093747 16126

KOTHARI AGENCY
TEXTILE COMMISSION AGENT
2037-38Silk City Market, Ring Road,
Surat - 395 002 (Guj.) INDIA
Ph : +91-261-2330738, 3002050, 3014514
E-mail : kothariagency1975@gmail.com

Sales Area -
Delhi, UP, Bihar, MP, Rajesthan

Fabrics Deals :
Pali, Balotra, Ichalkaranji,
Bhilwara, Bombay, Surat, Ahmedabad

- **Kothari & Kothari Maheshwari Agency, Delhi** 9310004527
- **Amit Kothari & Co., Bareilly** 9412291823
- **Kothari Agency, Ahmedabad** 9510059388

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

कलयुग री छत्रछाया

खम्मा घणी सा हुक्म आप एक भजन सुणियो हुवैला 'रामचंद्र कह गये सिया से ऐसा कलयुग आएगा, हंस चुगेगा दाना तिनका कौवा मोती खायेगा.. इणमें एक लाइन आ भी सही है कि 'जिसके हाथ में होगी लाठी भैंस वही ले जायेगा... या लाइन आज रे सत्ताधारी नेताओं पर एकदम सही 'फिट' हुवे... थोड़ा दिन पेला अखबार में एक खबर पढ़ी कि एक सत्ताधारी दल रो नेता टोल-टैक्स कर्मचारियों ने डरा-धमका ने आपरी 50 गाड़ियां बगैर टोल टैक्स पार करा ली..वो भी एक दो जगह नहीं आपरी दादागिरी और पद रे बलबूते हर टोल पर कोई टैक्स नहीं.. कसम सूं हुक्म खुद पर ही शर्म सूं आंख्या झुकगी कि आपाणे कने मीडिया रो प्रेस कार्ड भी बणायोड़ो है जिन पर टोल फ्री हुवे पर बिना टोल टैक्स दिये कर्मचारी खंभों ऊंचो नहीं करे और विधायक जी रे हाथ में 'सत्ता री लाठी' विने दम पर एड़ी लाठी चलावे हुक्म चारों ही खाना चित कर देवे।

लाठी याने हुक्म ताकत..जिने कने सत्ता री ताकत है वे रावण सुं कम नहीं..रावण ने धन सत्ता रो अभिमान जो खुद ने ही नहीं पूरी लंका रो स्वाह करवा दियो पर कलयुग में एडा राम नहीं है जो धन और पद रे नशे में चूर पधादिकारियों रो अंत कर देवे। ये सत्ताधारी गरीबों की लाठी बण ने पद पर आवे और गरीबों ने ही लाठी मार ने सब सुख भोगे। हुक्म सुणियो तो है कि ईश्वर री लाठी में आवाज नहीं हुवे पर जण पड़े तो कमर तोड़ ने रख देवे... पर लागे या ही हुक्म की ईश्वर री लाठी तो कठैई पड़ती नहीं दिखे... म्हे तो सत्ताधारियों ने मज़ा करते ही देखिया है और गरीबो ने रोटी रे वास्ते मोहताज़ हुवते..

सत्ताधारियों रो रुतबो ही इतो भारी है की वाणे देख ने ही कोई वाणे काले कारनामे पर अंगुली उठावण री हिम्मत नहीं करे। याणे सामने डट ने खड़ा हुने न्याय री गुहार करण वाला अब दिखे भी नहीं वह राम वाली पीढ़ी तो उण युग रे साथै ही खत्म हुगी कोई सच्चो ईमानदार इंसान अगर आवाज भी उठा दे सत्ताधारी रे विरुद्ध में तो पदासीन रा चम्मचा रातोंरात ही उण इंसान रो सफायो कर दे कानोकान खबर तक नहीं लागे कलयुग री चरम सीमा आपा आपणी आँख सूं देख रिया हां सतयुग में रामचंद्रजी जो वचन माता सिया ने कह दिया था वे वचन इण युग में जरूर फलीभूत हो रिया है...

रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलयुग आयेगा
हंस चुगेगा दाना तिनका कौवा मोती खायेगा ..
राजा और प्रजा दोनो इनमें
होगी निशदिन खिंचातानी
कदम कदम पर करेंगे
दोनों अपनी-अपनी मनमानी
जिसके हाथ में होगी लाठी
भैंस वही ले जायेगा ...
सुनो सिया कलजुग में काला धन और काले मन होंगे
चोर उचक्के नगर सेठ और प्रभु भक्त निर्धन होंगे
जो होगा लोभी और भोगी वो जोगी कहलायेगा..
रामचंद्र कह गये सिया से ऐसा कलयुग आयेगा.....!!

मुलाहिज़ा फरमाइये

जिन्दा हूँ दोस्तों की दुआओं के बावजूद,
रोशन हूँ इतनी तेज़ हवाओं के बावजूद.

दो-चार तिनके थे छज्जे पे साफ़ कर डाले,
अजीब डर था कहीं घोंसला न बन जाए.

मैंने ये सोच के बोए नहीं ख़्वाबों के दरख़्त,
कौन जंगल में लगे पेड़ को पानी देगा।

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा,
इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा!

जब भी चाहेगा छीन लेगा वो,
सब उसी का है, आपका क्या है.

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

हाइकू

वृद्धाश्रम क्यूं.

परवरिश पिलाकर अमृत
वृद्धाश्रम क्यूं
हर चौखट माता-पिता मन्नत
वृद्धाश्रम क्यूं
आंच ना आये निज स्वप्न भुलाये
वृद्धाश्रम क्यूं
पराई नार सास-ससुर भार
वृद्धाश्रम क्यूं
बिछाई छांव जहां रखे तू पांव
वृद्धाश्रम क्यूं
कोख शर्मिंदा परदेश परिंदा
वृद्धाश्रम क्यूं
वृद्ध लाचार छूटा घर संसार
वृद्धाश्रम क्यूं

- सुमिता राजकुमार मूंधड़ा (7798955888)

सौजन्य से...

महेश नवमी के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

महेश लड्डा

कार्यकारी मण्डल सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मुख्य संरक्षक	–	अ.भा. माहेश्वरी सिंहस्थ कुंभ–सेवा
संरक्षक ट्रस्टी	–	श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट (श्री महेश धाम)
संरक्षक	–	श्री विघ्नेश्वर महादेव मंदिर
उपाध्यक्ष	–	श्री लक्ष्मीनृसिंह देवस्थान ट्रस्ट
संगठन मंत्री	–	श्री श्रीजी ट्रस्ट
डिस्ट्रीक्ट चेयरपर्सन	–	लासन्स क्लब इंटरनेशनल
अध्यक्ष	–	संत नगर लोक कल्याण समिति
अध्यक्ष	–	फार्मा मेन्युफेक्चरर एसोसिएशन, उज्जैन

VINTOCHEM
PHARMACEUTICALS

Manufacturer of Quality Pharmaceuticals Products
Off- 1, Industrial Area, Maxi Road, Ujjain-456010 (M.P.)
Resi : 97, Sant Nagar, Sanwer Road, Ujjain
E-mail : vintochem_phatma@yahoo.in
PH-0734-2516954, Mo. : 94250-92569, 75818-02569

सभी देशवासियों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

बनवारीलाल जाजू

अध्यक्ष- गीता भवन ट्रस्ट, इन्दौर
भू.पू. उपसभापति- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

Indore Ice & Cold Storage Pvt. Ltd.

आलू एवं किराना वस्तुओं के संरक्षण हेतु आधुनिक कोल्ड स्टोरेज

Regd. Off. : 115-B, Industrial Estate, Indore (M.P.) - 452005
Cold Storage : A.B. Road, Post-Rajendra Nagar, Indore (M.P.) - 452012
Phone : Cold St. 2330810, 2330564, Regd. **Off.** : 2421014, 2421114
Residence : 2516540-41-42, **E-mail** : indoreice@yahoo.co.in

खुश रहें... खुश रखें...

हमारे और परमात्मा के बीच माया को नहीं आने दें

जरूरत की चादर और मोह की दुशाला इन दोनों में जो फर्क है, उस अंतर को समझने का अब समय आ रहा है। आध्यात्मा मार्ग के लोगों को ध्यान रखना होगा कि आवश्यकता वस्तुएँ तो बनाई जाएँ लेकिन उससे मोह नहीं पालें, क्योंकि मोह धीरे से लोभ में बदल जाता है और लोभ भक्ति के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों में भी बाधक होता है।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे कि माया को सरलता से समझना हो, तो श्रीरामकथा के एक दृश्य में प्रवेश किया जाए। वनवास के समय श्रीराम आगे चलते थे, मध्य में सीताजी होती थीं और उनके पीछे लक्ष्मण रहते थें, इस दृश्य पर तुलसीदासजी ने लिखा है- ''आगे राम अनुज पुनि पाछें, मुनि बर बेष बने अति काछें। उभय बीच सिय सोहति कैसे, ब्रह्म जीव बीच माया जैसे।''

अर्थात् भगवान श्रीराम परमात्मा का रूप हैं, लक्ष्मणजी आत्मा या कहें जीवात्मा हैं और इन दोनों के बीच में माया स्वरूप में सीताजी हैं। सीताजी रामजी के चरणों की अनुगामी थीं। जहां-जहां श्रीराम पैर रखते थे वहीं-वहीं सीताजी चलती थीं और इसी कारण लक्ष्मणजी श्रीरामजी को ठीक से देख नहीं पाते थे। संयोग से कोई मोड़ आ जाता तो ही लक्ष्मणजी को श्रीराम दिख जाते थे।

संदेश यह है कि परमात्मा और जीवात्मा के बीच जब तक माया है, परमात्मा दिखेंगे नहीं। किसी मोड़ पर माया जरा सी हटी और परमात्मा के दर्शन हुए। भक्ति में ऐसे मोड़ आते ही रहते हैं। इसलिए जीवन में माया तो रहेगी पर हमें मोड़ बनाए रखना है। यही हमारी भक्ति की परीक्षा होगी।

परिवार से भी प्रेम तो रखें, बहुत जरूरी भी है लेकिन ऐसा न हो कि उसके मोह में परमात्मा को ही भूल जाएँ। माया से पार पाने के लिए एक काम और किया जा सकता है- जरा मुस्कराइए..., सदा मुस्कराए...।

Net Protector
NPAV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

किचन का खज़ाना

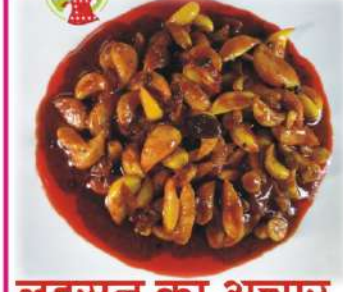

लहसुन का अचार

सामग्री- लहसुन का पूरा 1 गाठा, 2 नीबू जितना इमला का पल्प, 1 चम्मच नमक, 2 बड़े चम्मच तेल, आधा चम्मच राई, आधा चम्मच जीरा, हलवी हिंग, 2 चम्मच मिर्च पावडर, स्वादानुसार गुड़, 10 पत्ते मीठा नीम, तेतल

विधि- तेल गर्म ओने पर राई-जीरा, हिंग मीठा नीम का तड़का देना। फिर उसमें हल्दी व इमली का पल्प डालना। धीमी गैस पर 5 मिनट तक पकाना फिर नमक-मिर्च-गुड़, धनिया पावडर डालना। एक उबाल आने पर गैस बंदकर देना फिर लहसुन की कालियाँ डालना। ठंडा होने पर बरनी में भरकर रखना।

टमाटर का अचार

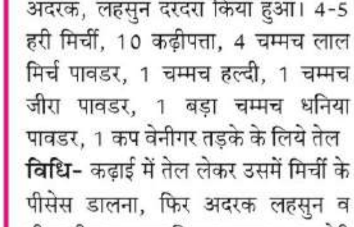

सामग्री- 1 किलो टमाटर, 75 ग्राम अदरक, लहसुन दरदरा किया हुआ। 4-5 हरी मिर्ची, 10 कढ़ीपत्ता, 4 चम्मच लाल मिर्च पावडर, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच जीरा पावडर, 1 बड़ा चम्मच धनिया पावडर, 1 कप वेनीगर तड़के के लिये तेल

विधि- कढ़ाई में तेल लेकर उसमें मिर्ची के पीसेस डालना, फिर अदरक लहसुन व मीठा नीम डालकर मिक्स करना। 1 कटोरी वेनिगर लेकर उसमें हल्दी मिर्च पावडर, धनिया-जिस पावडर डालकर मिक्स करना और 2-3 मिनट पकाना फिर चॉप टमाटर व नमक डालकर धीमी गैस पर पकाना बीच-बीच में हिलाते रहना। तेल छूटने दे। गैस बंद करना। पुरा ठंडा होंने पर बरनी में भरकर रखना।

पूनम राठी

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

घनश्यामदास आर. तोषनीवाल

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष - कर्नाटक गोआ माहेश्वरी सभा
न्यासी - श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट
न्यासी - श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र
न्यासी - बाँगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
न्यासी - कर्नाटक प्रदेश माहेश्वरी सभा ट्रस्ट

विजय टायर्स प्रा.लि.

96-बी, हनचिनल विलेज, पोस्ट अलियाबाद, जिला बीजापुर - 586104, मो. 094481-12881

बियाणी ग्रुप व बियाणी एज्युकेशन ग्रुप भुसावल
की ओर से महेश नवमी पर हार्दिक शुभकामनाएं

स्व. दगडाबाई चंपालालजी बियाणी शैक्षणिक विकास मंडल भुसावल द्वारा संचालित

- बियाणी मिलेट्री स्कुल
- बियाणी पब्लिक स्कुल
- बियाणी विज्ञान व वाणिज्य कनिष्ठ महाविद्यालय
- बियाणी बी.एड कॉलेज
- बियाणी डी.टी.एड कॉलेज
- बियाणी किडस प्ले ग्रुप
- बियाणी बालक मंदिर

- बियाणी प्रायमरी स्कूल
- बियाणी हायस्कूल (मराठी व सेमी अंग्रेजी माध्यम)
- बियाणी बालक मंदिर
- बियाणी प्रायमरी स्कूल
- बियाणी हाईस्कूल (अंग्रेजी माध्यम)
- बियाणी संगीत विद्यालय

जामनेर रोड, भुसावल जि. जलगांव (महा.)
फोन - **02582-242010/15/16, 09764061014**
www.biyanieducationgroup.com

सौ. संगीता एम. बियाणी
सचिव -
राष्ट्रीय सुरभि संयोजिका

मनोज बी. बियाणी
अध्यक्ष

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- इस माह आपको व्यापार से लाभ एवं सफलता मिलेगी, रुके कार्य पूरे होंगे। वरिष्ठ व्यक्तियों या अधिकारियों से अपने कार्य पूर्ण करवा लेंगे। पारिवारिक सुख पूर्ण रूप से प्राप्त होगा। नये कार्य प्रारंभ करेंगे। प्रेम प्रसंग में आगे बढ़ेंगे, शत्रु परास्त होंगे। बार-बार लाभ के सुअवसर प्राप्त होते रहेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। साझेदारी में कार्य करना हानिकारक रहेगा। आंखों की तकलीफ आ सकती है, सावधानी रखें। अनावश्यक खर्च होगा।

वृषभ- यह माह आपके मान-सम्मान में वृद्धिकारक रहेगा। पिता से लाभ और प्रसन्नता मिलेगी। बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। रुका हुआ या खोया हुआ धन मिलेगा। तरक्की व आय से संबंधी क्षेत्र में विस्तार होगा। परिवार में सुख-शांति जीवन साथी से पूरा सहयोग मिलेगा, किंतु संतान के कार्यों में अनावश्यक खर्च होगा। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। घर में मांगलिक कार्य के योग, नये मकान लेने की सोच बनेगी। आत्मविश्वास एवं धैर्य से आगे बढ़े सफलता मिलेगी। किस्मत आपके साथ है, उतावलापन न करें।

मिथुन- इस माह में रोजगार के सुअवसर प्राप्त होंगे। हर कार्य में सफलता मिलेगी, समाज में उच्च वर्ग से मेल-मुलाकात बढ़ेगी। घनिष्ठ संबंध बनेंगे। आर्थिक और व्यावसायिक कार्यों में सफलता मिलेगी। न्यायालयीन प्रकरणों में खर्च अधिक होगा। वाहन, मकान प्राप्ति के योग हैं। नौकरी में प्रमोशन के योग, मित्रों से सावधान रहे पारिवारिक तनाव बना रहेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। नेत्र पीड़ा संबंधित कष्ट बना रहेगा।

कर्क- यह माह आपके लिये अधिक भाग-दौड़ एवं व्यस्तता भरा रहेगा। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। अविवाहितों के विवाह संबंध होंगे। नये वाहन के योग प्रबल रहेंगे। मन से सुख प्रसन्न रहेंगे। नवीन योजनाओं के प्रति उत्साह रहेगा। विशेष प्रयासों से सुखद परिणाम आएंगे। आलस्य से दूर रहें, धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। राजकीय कार्यों में परेशानी उठाना पड़ेगी। व्यापार के सिलसिले में यात्रा के योग बनेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सिंह- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। विद्यार्थी वर्ग को कॅरियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। शुभ कार्य होंगे, घर में उत्साह का माहौल रहेगा। किसी महिला मित्र से लाभ होगा। परिवार का पूरा सहयोग **व** नई योजनाओं को उत्साह पूर्वक सफल करेंगे। संघर्ष के उपरांत सफलता मिलेगी। जिद्दीपन से बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। किसी कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या- यह माह आपके लिये आध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। रचनात्मक कार्य में मान-सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी में स्थानांतरण के योग एवं प्रमोशन मिलेगा। लंबी यात्रा (विदेश) के सुअवसर प्राप्त होंगे। जीवन साथी का पूरा सुख प्राप्त होगा। संतान से सम्बंधी चिंता दूर होगी। संतान से धनलाभ और सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग में सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला- यह माह आपको आर्थिक अनुकूलता और मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। समय अनुकूल रहेगा। घर में शुभ मांगलिक कार्य का आयोजन किसी नये कार्य की रूपरेखा तैयार होगी। विद्यार्थी वर्ग परीक्षा इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नये संबंध का लाभ मिलेगा। व्यय की अधिकता मित्रों एवं रिश्तेदारों से पूरा सहयोग मिलेगा। दूसरों की सलाह से कार्य में लाभ मिलेगा। दो नंबर के कार्यों से दूर रहें। हानि उठाना पड़ेगी। विवाह संबंध तय होगा।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार प्राप्त होगा। संतान के कार्यों से मन प्रसन्न होगा। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। अविवाहित के विवाह योग प्रबल बनेंगे। परिवार में आर्थिक चिंता बनी रहेगी। आय से अधिक खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वाद-विवाद का डर बना रहेगा। नौकरी में सफलता मिलेगी। साझेदारी से सामान्य लाभ होगा। पेट से संबंधी कष्ट की संभावना बनी रहेगी।

धनु- यह माह मिला-जुला रहेगा। बौद्धिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन होगा। संतान पक्ष की चिंता बनी रहेगी। जितना भी कार्य करेंगे उससे अपेक्षा से कम फल मिलेगा। सम्पत्ति का बंटवारा एवं कलह रहेगा। उधार पैसा न देवें। व्यर्थ के आडम्बर से दूर रहें। पारिवारिक सुख मिलेगा। मित्र सहायक रहेंगे। यात्रा न करें, पार्टनर से सावधानी रखें। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देवें। मानसिक तनाव बना रहेगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

मकर- यह माह आपके कार्य क्षेत्र में व्यस्तता भरा रहेगा धन लाभ होगा। विलासिता दिखावे पर खर्च। घर में भौतिक सुख साधनों में वृद्धि, धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। मन प्रफुल्लित होगा। मित्र का सहयोग तथा शुभ समाचार प्राप्त होगा। किन्तु नौकरी में उच्चाधिकारियों से अनबन बनी रहेगी। दैनिक कार्य में व्यवधान आएंगे। संतान से संबंधित कार्य में व्यय अधिक होगा। नये कार्य प्रारंभ न करें। विचार व्यवहार में उदारता आएगी।

कुंभ- इस माह आप किसी नये कार्य का प्रारम्भ करेंगे। उन्नति एवं सफलता मिलेगी। रुके कार्य पूरे होंगे बौद्धिक कार्यों में विजय प्राप्त होगी। परोकारी कार्यों, धार्मिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। मशीनरी व्यवसाय से लाभ मिलेगा। साहस एवं शौर्य में वृद्धि होगी। आय के एक से अधिक स्रोत रहेंगे। बहुमूल्य साजों समान की खरीदी करेंगे। गुरुजन एवं बड़ों का प्रभाव आगे बढ़ने में सहायक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें, सफलता मिलेगी।

मीन- इस माह लेखन प्रकाशन तथा साहित्यिक कार्य द्वारा लाभ प्राप्त होगा। सुख सौभाग्य में वृद्धि, संतान सुख, भाग्योदय वाहन सुख एवं व्यवसाय में लाभ के योग के योग है सम्मान यश पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में रुझान मित्रों का सहयोग लाभकारी रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होता चला जाएगा। भूमि, भवन एवं न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होगी। विरोधियों से सावधानी बरतें। मानसिक तनाव कम होगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यय अधिक होगा।

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
1500 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात् अब

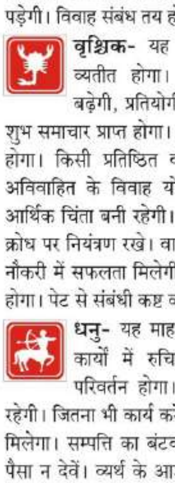

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

2017 का द्वितीय संस्करण प्रकाशन की ओर.

जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाईटेक युवक-युवतियों की पहली पसन्द.

शीघ्रता करें...
» अन्तिम तिथि 15 जून 2017 तक
» पंजीयन शुल्क मात्र 750 रुपये
» मौका हाथ से जाने न दें

आपकी बेटी-हमारी बेटी
बेटियों के लिए पंजीयन शुल्क में 250 रुपये की विशेष छूट

श्री माहेश्वरी मेलापक
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761, Mob. : 094250-91161
E-Mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

महेश नवमी के शुभअवसर पर मैं सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

और स्वयं की ओर से

हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

आपका हर पल खुबसूरत हो, जितनी खुशियाँ आज आपके पास है उससे अधिक कल हो। महेश नवमी के शुभ दिन से ही हम अपने–अपने स्तर पर सेवा का ऐसा कार्य प्रारंभ करें कि लोग हमें और हमारे समाज को याद करने पर मजबूर हो जाए। हमारे देश के दू र–दराज इलाकों में आज भी ऐसे गांव है जहाँ विकास का सूर्योदय ही नहीं हुआ है। मेरी सोच यह है कि साल के 3 65 दिन ही हम सभी माहेश्वरी मिलकर गाँवा को विकसित करने का बीड़ा उठाये उसी में हमारी और हमारे समाज की और हमारे देश की सफलता है। हम माहेश्वरी जिस गाँव की और रुख करें, हमारे समाज का नाम सुनने मात्र से ही लोग स्नेहातुर होकर सम्मान के लिये आगे बढ़ें।

जय महेश

निर्मला मल्ल

महेश सहकारी बँक लि., पुणे

स्थापना 1972

मुख्य कार्यालय : ३७२/७३/७४, श्री छत्रपती शिवाजी मार्केट यार्ड, गुलटेकडी, पुणे- ३७.

दूरध्वनी : २४२६३३४१/४२/४३.

www.maheshbankpune.in Email : maheshbank@vsnl.net

ग्राहकांच्या विश्वासाची ४४ वर्षे अविरत सेवेची

- रु. १,००० कोटी व्यवसायाचा टप्पा पुर्ण
- मोबाईल बँकिंग सेवा लवकरच सुरु होणार
- Net Banking - व्यवहारांसहित,R.T.G.S.,N.E.F.T.,P.O.S., रुपे डेबिट कार्ड, ई- मेल द्वारा खाते उतारा सर्व ई-सेवा उपलब्ध
- रु. १,००,००० पर्यंतच्या ठेवींना विमा संरक्षण
- देशभरातील १.९५ लक्ष ए.टी.एम. शी जोडलेली रुपे ए.टी.एम. सुविधा
- कोअर बँकिंग • सतत 0% नेट एन.पी.ए.

आकर्षक ठेव व्याजदर

कालावधी	सर्वसामान्य/सहकारी व विश्वस्त संस्था	ज्येष्ठ नागरिक
१५ दिवस ते ९० दिवस	५.००%	५.००%
९१ दिवस ते १८० दिवस	६.००%	६.००%
१८१ दिवस ते ३६४ दिवस	६.२५%	६.२५%
१२ महिने ते २४ महिन्यांपर्यंत	७.००%	७.२५%
२४ महिन्यांचे पुढे ३६ महिन्यांपर्यंत	६.७५%	६.७५%
३६महिन्यांचे पुढे ६० महिनेपर्यंत	६.५०%	७.००%

मा.श्री.जुगलकिशोर पुंगलिया	मा.श्री. राजेंद्र देशपांडे	मा.श्री.पूनमचंद धूत
व्हा.चेअरमन	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	चेअरमन

संचालक सर्वश्री जुगलकिशोर मालू, गोपाळ जाजू, अनिल राठी,जवाहरलाल बाहेती, गोपाळ राठी, ॲड. रामरतन सोनी. गणेश मुंदडा, जितेंद्र राठी,अजय लड्डा, कमलकिशोर बियाणी, गणेश चुटके, संभाजी कोळेकर, सुनिल जाधव, C.A.पांडुरंग मर्दा – तज्ञ संचालक

शाखा

नानापेठ-२६३३६४५५	मार्केटयार्ड-२४२७२२१४	कर्वेरोड-२५४३८८९१	पिंपरी-चिंचवड-२७४७११९४	सिंहगडरोड-२४६०६४४०
लक्ष्मीरोड-२४४५६८३१	रविवारपेठ - २४४५६८१५	कर्वेनगर - २५४३४८९०	पुणे कॅम्प - २६३३३८६१	औंध - ६५२७२७९१
हडपसर -२६८७८०००	मुंबई - ०२२-२२४०७५१५	इचलकरंजी- ०२३०-२४३३०३३	लातूर-०२३८२-२५०४४०	भिवंडी-(०२५२२)२३८१७६

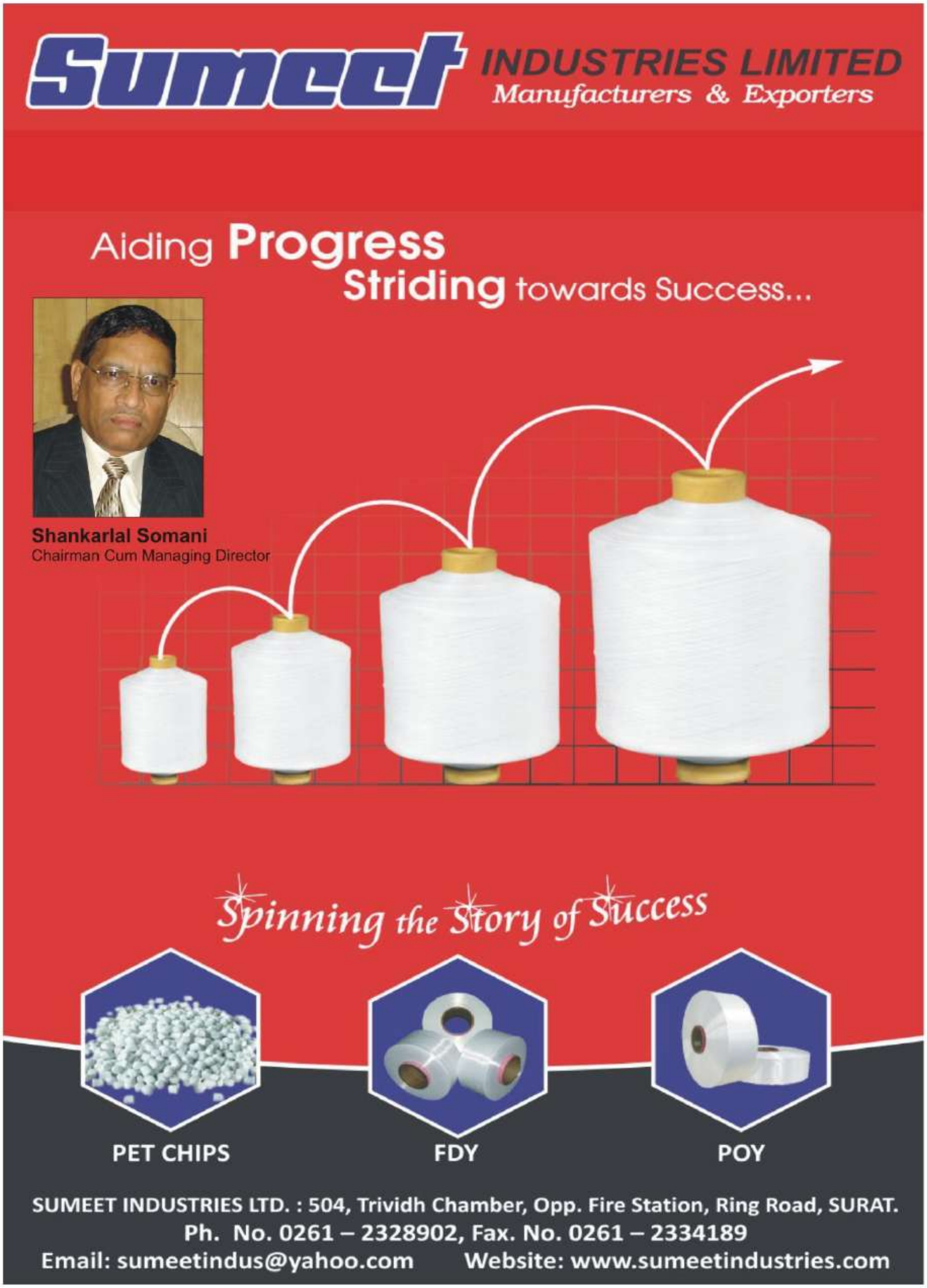

Sumeet INDUSTRIES LIMITED
Manufacturers & Exporters
Aiding Progress
Striding towards Success...
Shankarlal Somani
Chairman Cum Managing Director
Spinning the Story of Success
PET CHIPS
FDY
POY
SUMEET INDUSTRIES LTD. : 504, Trividh Chamber, Opp. Fire Station, Ring Road, SURAT.
Ph. No. 0261 – 2328902, Fax. No. 0261 – 2334189
Email: sumeetindus@yahoo.com Website: www.sumeetindustries.com

समाज के उत्पत्ति पर्व की समस्त स्वजनों को शुभकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी (अगस्त) अंक

स्वतंत्रता आंदोलन की कर्मभूमि नागपुर की
गौरवशाली संस्कृति व माहेश्वरी समाज को समर्पित

नागपुर विशेषांक

अपने विशिष्ट आलेखों व तथ्य पूर्ण जानकारियों से
यह अत्यंत संग्रहणीय होगा यह विशेषांक

नोट – इस विशेषांक के लिये शहर के इतिहास, माहेवरी समाज की संस्कृति, सेवा व योगदान तथा प्रेरक व्यक्तित्वों पर केन्द्रित आलेख तथा विज्ञापन आमंत्रित हैं।

सम्पादक मण्डल

दिनेश राठी
98226-96110

मधुसुदन सारड़ा
98231-33567

राजेश काबरा
84460-22241

किरण मूंदड़ा
94220-55677

सुषमा बंग
93727-01007

कल्पना मोहता
94216-55548

रूचि चाण्डक
85549-57155

सम्पर्क - किरण मूंदड़ा (विशेषांक प्रभारी)

202, ओम श्री अपार्टमेंट, बास्केटबॉल ग्राउंड के पास, शिवाजी नगर, जिमखाना, धर्मपेठ एक्सटेंशन, नागपुर - 10
मो- 09422055677 08275225615 kiranvgmundra@yahoo.in

समाज के उत्पत्ति पर्व की समस्त स्वजनों को शुभकामनाएं

सी.ए. शरद गट्टानी

संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) अ.भा. माहेश्वरी महासभा

1003, समुद्र एनेक्सी एलिसब्रिज, अहमदाबाद - 38006
दूरभाष - 079-26464412, 26565824, फैक्स - 079-40065824
मो. - 09426-0690001 Email : gattanisharad@gmail.com

अखिल विश्व के सभी
माहेश्वरी बन्धुओं को महेश नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

गत दिनों समाज ने वह खोया जिसकी प्रतिपूर्ति संभव नहीं है। यह क्षति समाज के ऐसे वरिष्ठ समाजसेवियों के रूप में है, जिनसे समाज संगठन को सदैव मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा था।

नहीं रहे वरिष्ठ समाजसेवी श्री बालाराम मूंदड़ा

लगभग 50 से अधिक वर्षों से हैदराबाद में रह रहे मूलतः राजस्थान के ऐतिहासिक गाँव मारवाड़ मूण्ड़वा के निवासी श्री बालाराम मूंदड़ा का लंबी अस्वस्थता के बाद गत 14 मई 2017 को उनके निवास स्थान पर देहावसान हो गया। जब श्री मूंदड़ा के देहावसान की खबर समाज व समाज संगठनों में पहुँची तो शोक की लहर फैल गई। समाजसेवा, व्यवसाय जगत व शिक्षा क्षेत्र सहित समाज के कई गणमान्यजनों ने उपस्थित रहकर उन्हें अंतिम विदाई दी। अपने गाँव मूण्ड़वा से विशेष प्रेम रखनेवाले श्री मूंदड़ा एक समाज चिंतक व स्पष्टवादी व्यक्तित्व थे। आपने अभा माहेश्वरी महासभा में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई है। महासभा में आपकी छवि सदैव एक परामर्शदाता के रूप में रही। आपके सुझावों से महासभा के कई सामाजिक कार्य सफल रहे। यही कारण रहा कि बालारामजी के अस्वस्थ रहने के बावजूद वर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी ने कुछ माह पूर्व स्वयं हैदराबाद उनके निवास स्थान पहुंचकर महासभा में उन्हें कार्यसमिति में सदस्य मनोनीत किया था। आपने बहुत ही कम स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद हैदराबाद के शिवरामपल्ली में शिक्षण संस्थान महेश विध्या भवन की नींव रखने में एक बड़ा योगदान दिया था, जो आज माहेश्वरी समाज की एकल बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। आपका एक सपना था कि माहेश्वरी समाज का एक बड़ा भवन सभी सुविधाओं के साथ बने और इस हेतु आप काफी प्रयासरत रहे।

पूर्व विधायक श्री जुगल काबरा

जोधपुर शहर में राजनीति के धूमकेतु के रूप में जाने वाले श्री जुगल काबरा का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। राजनीतिक सहित व्यवसायी व समाजसेवी क्षेत्रों के कई गणमान्यजनों ने उपस्थित रहकर उन्हें अंतिम विदाई दी। वे शहर को विधायक के रूप में अपनी सेवा दे चुके थे। श्री काबरा छात्र जीवन से ही राजनीति में आ गए थे एवं दो बार जोधपुर विवि स्टूडेंट एसेंबली में चुने गए। वर्ष 1970 में जोधपुर विवि छात्रसंघ के अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। समाजवादी एवं गांधी चिंतन का प्रखर प्रभाव होने के कारण आप वर्षों कांग्रेस पार्टी के अहम कार्यकर्ता रहे। जोधपुर शहर माहेश्वरी समाज से अब तक वे एकमात्र चयनित विधायक रहे। राजनीति में आप पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हीरालाल देवपुरा जैसी दिग्गज हस्तियों एवं नेमीचंद जैन जैसे विख्यात गांधीवादी चिंतकों के करीबी रहे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सचिव तथा अध्यक्ष पद को भी आपने सुशोभित किया। आर्थिक मोर्चो पर टवंटी पाइंट प्रोग्राम कमेटी के भी अध्यक्ष रहे। राजनीति से इतर अनेक समाजसेवी, लोकोपकारी कार्यों से भी जुड़े थे। इसी कारण जब वे विधायक नहीं थे, तब भी उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई थी।

पूर्व उपसभापति श्री नटवर काबरा

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति एवं वरिष्ठ समाजसेवी पटना निवासी श्री नटवर काबरा का गत दिनों लंबी बीमारी के बाद बनारस में देहावसान हो गया। श्री काबरा को समाजसेवा पैतृक रूप से ही मिली थी। आपके पिता स्व. श्री सदाशिव काबरा कुचामन सिटी माहेश्वरी सभा के उपसभापति रहे थे। स्वयं श्री काबरा ने लंबे समय तक समाज की सेवा करते हुए संस्थापक अध्यक्ष के रूप में बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी सम्मेलन की स्थापना की थी। आजीवन उन्होंने पटना को ही अपनी कर्मस्थली बनाए रखा, लेकिन गत 12 वर्षों से आप बनारस में निवास कर रहे थे। आप अपने पीछे दो पुत्र, दो पुत्री सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। समाज के कई वरिष्ठ समाजसेवियों ने उपस्थित रहकर श्री काबरा को अंतिम विदाई दी।

श्रद्धासुमन अर्पित
समाज में छाई शोक की लहर

स्व. श्री मूंदड़ा (हैदराबाद), श्री काबरा (पटना) व श्री काबरा (जोधपुर) के देहावसान पर अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी, सभापति श्यामसुंदर सोनी, भाजपा राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष व पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा सहित कई समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि ये वरिष्ठजन समाज की उस पीढ़ी के समाजसेवी थे, जिस पीढ़ी ने महासभा को इस गौरवशाली स्थिति तक पहुँचाने में निःस्वार्थ भाव से नींव के पत्थर की तरह योगदान दिया है। उनके देहावसान ने समाज को समर्पित वरिष्ठ समाजसेवियों के मार्गदर्शन से वंचित कर दिया है।

देहदानी श्री सत्यनारायण माहेश्वरी

सनावद. देहदान को महादान मानकर संकल्प लेने वाले पत्रकार व हरे राम हरे कृष्ण संकीर्तन मंडल के संरक्षक 70 वर्षीय श्री सत्यनाराण माहेश्वरी के निधन के बाद उनके परिजनों ने उनकी अंतिम इच्छा को पूरा किया। देहांत होने के बाद उनकी देह को अग्निदाह दिए जाने के बजाय मेडिकल रिसर्च के लिए टी चोइथराम अस्पताल में दान दिया गया। शेष अंतिम क्रिया संस्कार नवघाट खेडी स्थित नर्मदा घाट पर किया गया। बेटे मनमोहन ने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करवाई।

श्रीमती शिवप्यारीदेवी फोफलिया

हैदराबाद. दिलसुख नगर निवासी मार्बल व्यवसायी रामप्रकाश, कैलाश, राकेश, धनराज व चार पुत्रियों की माता श्रीमती शिवप्यारी देवी फोफलिया धर्मपत्नी श्री रामकुमार फोफलिया का 83 वर्ष की अवस्था में हृदय गति रुक जाने से स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री तथा नाती-नातिन आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री मूलचंद डालिया

निजामाबाद. वरिष्ठ समाज सदस्य श्री मूलचंद डालिया का गत 23 मार्च को स्वर्गवास हो गया। स्व. श्री डालिया माहेश्वरी भवन निजामाबाद के संस्थापक ट्रस्टी थे। आप महासभा के पूर्व उपसभापति नथमल डालिया के बड़े भ्राता थे। अंतिम विदाई में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामसुख डालिया, माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के चेयरमैन कुंजबिहारी मूंदड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी ओमप्रकाश मोदानी, राजस्थानी भवन ट्रस्ट अध्यक्ष ओमनारायण अट्टल सहित कई गणमान्यजन शामिल थे।

श्री राजेंद्रप्रसाद बंग

करीमनगर. समाजसदस्य श्री राजेंद्रप्रसाद बंग के सुपुत्र स्व. श्री गोपीकिशन बंग का स्वर्गवास गत 24 अप्रैल को हो गया। समाज की ओर से उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रीमती जानकीबाई अजमेरा

रतलाम. मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के संयुक्त सचिव मांगीलाल एवं नंदकिशोर अजमेरा की माता एवं स्व. श्री रतनलाल अजमेरा की धर्मपत्नी श्रीमती जानकीबाई का गत 24 अप्रैल को निधन हो गया। अंतिम विदाई में समाज के कई गणमान्यजनों के साथ बड़ी संख्या में अन्य व्यवसायी भी मौजूद थे।

श्री पवन भंसाली

बारेली. जिला माहेश्वरी नवयुवक सभा के पूर्व सहमंत्री श्री पवन भंसाली का गत दिनों असामयिक देहावसान हो गया। जिला सभा सहित समस्त समाज संगठनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती शशिप्रभा मानधनिया

मकराना. माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष रामअवतार मानधनिया की धर्मपत्नी श्रीमती शशिप्रभा मानधनिया का आकस्मिक निधन गत 5 अप्रैल को रामनवमी के दिन हो गया। आप समाजसेवा व धार्मिक कार्यों में सदा आगे रहती थीं। आप अपने पीछे एक विवाहित पुत्र-पुत्री तथा नाती-पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री नारायण नामधर

रतलाम. वरिष्ठ समाजसेवी श्री नारायण नामधर का गत 15 मई को देहावसान हो गया। आप मांगीलाल नामधर के बड़े भाई व मुकेश नामधर के पिता थे। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

नेत्रदानी श्रीमती सुषमा मंत्री

इंदौर. समाज सदस्य डॉ. सुनील मंत्री की धर्मपत्नी व स्व. श्री बकंटलाल मंत्री खिरकिया की पुत्रवधू तथा सीए दीपक मंत्री की भाभी श्रीमती सुषमा मंत्री का असामयिक निधन हो गया है। आप अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा की भतीजा बहू तथा पूर्वी मप्र महिला संगठन की सचिव अनिता जावंधिया की बहन थीं। उनकी अंतिम इच्छानुसार उनके नेत्रदान किये गये।

श्री श्यामसुंदर देवपुरा

उदयपुर. समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री श्यामसुंदर देवपुरा सुपुत्र स्व. श्री फतहलाल देवपुरा का निधन गत 26 अप्रैल को हो गया। श्री देवपुरा आरएनटी मेडिकल कॉलेज में प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं। आपकी धर्मपत्नी का निधन भी दो माह पूर्व ही हुआ है। आप अपने पीछे दो पुत्र, एक विवाहित पुत्री सहित पौत्र एवं दौहित्र आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री लालचंद बेली

भीलवाड़ा. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक, वरिष्ठ नागरिक मंच राजस्थान के महामंत्री, वंदेमातरम् फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं इतिहास लेखन समिति चित्तौड़ के पूर्व प्रांत मंत्री श्री लालचंद बेली का अल्प बीमारी के बाद गत 26 अप्रैल को देहावसान हो गया। आप श्रवण, सुनील एवं नरेंद्र के पिता एवं देवेंद्र, यशवंत बेली तथा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा इंदौर के बड़े भाई थे। आप धर्मपत्नी सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। आप आपातकाल में मीसाबंदी के तहत करीब 9 माह तक जेल में भी रहे।

संस्कार से सफलता तक
CELEBRATING
29
YEARS OF
LEADERSHIP
Together, we will make a difference
Sitting: Govind Maheshwari (Director), Rajesh Maheshwari (Director)
Standing: Naveen Maheshwari (Director), Brajesh Maheshwari (Director)
अतुल्य ! ALLEN
1 AIR AMAN BANSAL Classroom
2 AIR BHAVESH DHINGRA Classroom
3 AIR KUNAL GOYAL Classroom
IIT-JEE (ADV.) 2016
1 AIR HET SANJAY SHAH Classroom
2 AIR EKANSH GOYAL Classroom
3 AIR NIKHIL BAJIYA Classroom
NEET (UG) 2016
path to success
ALLEN
CAREER INSTITUTE
KOTA (RAJASTHAN)
Corporate Office:
"SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Rajasthan), India, 324005
Tel: +91-744-5156100
E-Mail: info@allen.ac.in | Website: www.allen.ac.in
सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

D81257

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 JUNE, 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com